सूर्योदय दि. 03-02-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHI/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

किम कार्दशियन ने दिखाई वकेशन से ... पृष्ठ-8

वर्ष : 06 अंक : 56 | नई दिल्ली, बुधवार, 03 फरवरी-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

पूर्वी लद्दाख में भारत के कड़े रुख से स्थिति स्थिर : राजनाथ सिंह

बेंगलुरु। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत के कड़े रुख और सेना के जवानों जवानों की बहादुरी के कारण स्थिति में स्थिरता आई है। श्री सिंह ने यहां 25 वें एरो इंडिया शो के बारे में जानकारी देने के लिए बुलाए गए संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। श्री सिंह बुधवार को तीन दिनों तक चलने वाले एयरो इंडिया शो का उद्घाटन करेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि एयरो इंडिया शो का आयोजन एक दोहरी चुनौती है। पहली चुनौती कोरोना महामारी के रूप में सबके सामने हैं तो दूसरी चुनौती उत्तरी सीमा पर सुरक्षा से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि हमारे सख्त रुख, तुरंत की गई कार्रवाई और सीमा पर हमारे जवानों की बहादुरी के कारण स्थिति में स्थिरता आई है।

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के चुनाव में होगा घमासान

नयी दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के पदाधिकारियों का बहु प्रतिक्षित चुनाव तीन फरवरी को गुरुग्राम में होगा जिसमें घमासान होने की पूरी उम्मीद है। बीएफआई के अध्यक्ष के लिए मुकाबला मौजूदा अध्यक्ष अजय सिंह और महाराष्ट्र के कद्दावर खेल प्रशासक आशीष शेलार के बीच है। दोनों पक्षों ने अपनी अपनी जीत के दावे किये हैं। चुनाव की पूर्वसंध्या पर छह बार की विश्व चैंपियन और ओलम्पिक पदक विजेता एमसी मैरीकॉम ने बाकायदा कहा कि अजय सिंह ने भारतीय मुक्केबाजी के काफी सराहनीय काम किया है जिससे भारतीय मुक्केबाजों ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनायी है और भारत को मुक्केबाजी में एक ताकत के रूप में देखा जा रहा है। शेलार ने हाल में दिल्ली और मुंबई में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी दावेदारी को मजबूती से पेश किया था।

कौशल्या का किरदार निभायेगी हेमा मालिनी!

मुंबई। बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल हेमा मालिनी सिल्वर स्क्रीन पर भगवान श्री राम की मां कौशल्या का किरदार निभाती नजर आ सकती है। तान्हाजी के निर्देशक ओम राउत फिल्म आदिपुरूष बनाने जा रहे हैं। फिल्म में दक्षिण भारतीय फिलमें के सुपरस्टार प्रभास और सैफ अली खान की मुख्य भूमिका है। 3डी तकनीक पर आधारित यह फिल्म रामायण की कहानी पर आधारित है। इसमें प्रभास, प्रभु श्रीराम के किरदार में दिखने वाले हैं, जबकि सैफ अली खान लंकेश के किरदार में दिखेंगे। फिल्म में कृति सेनन के सीता का किरदार निभाने को लेकर भी चर्चाएं हैं। अब इस फिल्म में हेमा मालिनी के जुड़ने की खबर सामने आ रही है। चर्चा है कि हेमा मालिनी, ओम राउत की इस फिल्म में प्रभास की मां के रोल में दिखने वाली हैं। हेमा इस फिल्म में कौशल्या का किरदार निभा सकती हैं।

कृषि कानूनों को लेकर लोकसभा में हंगामा, नरेंद्र सिंह तोमर ने दिए सवालों के जवाब

कृषि मंत्री ने यह भी दोहराया कि नये कृषि कानूनों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा

नयी दिल्ली.एजेंसी

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने मंगलवार को कहा कि सरकार ने पिछले कई वर्षों से कृषि सुधारों के संबंध में सभी पक्षकारों के साथ वार्ता की है तथा नये कृषि कानूनों से जुड़े मुद्दे के समाधान के लिये सरकार एवं आंदोलनकारी किसान संगठनों के बीच 11 दौर की वार्ता में कानूनों में संशोधन को लेकर सरकार ने एक के बाद एक कई प्रस्ताव रखे हैं। कृषि मंत्री ने यह भी दोहराया कि नये कृषि कानूनों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। लोकसभा में ए राजा, असदुद्दीन ओवैसी, के सुरेश, नुसरत जहां रूही, बदरूद्दीन अजमल, उत्तम कुमार रेड्डी, कनिमोई करूणानिधि और माला राय सहित कई सदस्यों के प्रश्नों के लिखित उत्तर में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने यह जवाब दिया। कृषि मंत्री से पूछा गया था कि ''क्या सरकार [illegible] द्वारा [illegible] विवाद[illegible] कृषि विधेयकों को पारित करने और कानून बनने से पहले किसानों और अन्य हितधारकों के साथ परामर्श करने में असफल रही।''

उनसे यह भी पूछा गया था कि ''क्या सरकार को नये कृषि कानूनों के विरोध में हजारों किसानों के पिछले दो महीने से प्रदर्शन करने की जानकारी है और उनके साथ वार्ता के बाद सरकार क्या उनकी जायज मांगों पर विचार करने के बारे में सोच रही है।'' तोमर ने कहा [illegible] मुद्दे के समाधान के लिये [illegible] एवं आंदोलनकारी किसान संगठनों के बीच 11 दौर की वार्ता हुई है और सरकार ने कृषि कानूनों में संशोधन के बारे में एक के बाद एक कई प्रस्ताव रखे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कृषि सुधार कानूनों के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कृषि मंत्री ने कहा, ''पिछले कई वर्षों से कृषि सुधारों के संबंध में सभी पक्षकारों के साथ वार्ता की गई।'' उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि विपणन क्षेत्र में सुधारों के लिये लगभग 2 दशकों से राज्यों के साथ सक्रिय रूप से गहनता से कार्य कर रही है। इसका उद्देश्य किसी भी समय और किसी भी जगह बेहतर मूल्य पर अपनी उपज की बिक्री करने के लिये पहुंच वाली मंडियों एवं बाधा मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान करना है। तोमर ने स्पष्ट किया कि कृषि (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार अधिनियम 2020 किसानों एवं प्रायोजकों के बीच किसानों की आय [illegible] कृषि समझौते के लिये है।

> उन्होंने कहा कि भारत सरकार कृषि विपणन क्षेत्र में सुधारों के लिये लगभग 2 दशकों से राज्यों के साथ सक्रिय रूप से गहनता से कार्य कर रही है

विपक्ष के भारी हंगामें के कारण रा.स. की कार्यवाही स्थगित

नयी दिल्ली। किसान आंदोलन को लेकर विपक्षी दलों के सदस्यों ने राज्यसभा में मंगलवार को भारी शोरगुल और हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाई बुधवार तक स्थगित करनी पड़ी। इससे पहले सभापति एम वेंकैया नायडू और उप सभापति हरिवंश ने हंगामे के कारण सदन की बैठक तीन बार स्थगित कर दी थी। विपक्षी दल के सदस्यों ने सदन की बैठक शुरू होने पर शून्यकाल और प्रश्नकाल तथा इसके बाद भी किसानों के आंदोलन के मुद्दे उठाए थे। विपक्ष का कहना था कि यह राष्ट्रीय महत्व का मुद्दा है और इस पर सदन के सारे कामकाज स्थगित कर चर्चा की जानी चाहिए। श्री नायडू ने कहा कि कल इस मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। इसलिए सदस्यों को इसे नहीं उठाना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से बार बार इस मुद्दे पर जोर नहीं देने का अनुरोध किया। इससे पूर्व इस मामले पर चर्चा की अनुमति नहीं मिलने पर विपक्षी दल के सदस्य सदन से वाकआउट कर गए। इसके बाद प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी दल के सदस्य सदन में आ गए और हंगामा करने लगे। श्री नायडू ने कहा कि सदस्य इस मामले पर सदन से वाकआउट कर गए थे और उन्हें प्रश्नकाल के दौरान सदन को अव्यवस्थित नहीं करना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से सहयोग करने का अनुरोध किया और कहा कि वह कल सदन में इस मुद्दे को उठा सकते हैं।

चार मई से होंगी सीबीएसई की बोर्ड की परीक्षाएं : रमेश पोखरियाल 'निशंक'

शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाएं चार मई से 11 जून के बीच आयोजित करने का निर्णय लिया

नयी दिल्ली.एजेंसी।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने चार मई से शुरू होने वाली केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की बोर्ड परीक्षाओं की आज यहां डेट शीट जारी की।

कोरोना महामारी की वजह से सरकार को लगभग 10 महीने स्कूल बंद रखने पड़े जिसके कारण शिक्षा मंत्रालय ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाएं चार मई से 11 जून के बीच आयोजित करने का निर्णय लिया। प्रेक्टिकल परीक्षाएं हालांकि मार्च में ही करवाई जाएंगी। इसके अलावा सभी छात्रों के उच्च शिक्षा में प्रवेश को ध्यान में रखते हुए यह भी निर्णय लिया गया कि बोर्ड परीक्षाओं के नतीजों की घोषणा 15 जुलाई से पहले की जाएगी। दसवीं की परीक्षाएं चार मई से शुरू होकर सात जून को ख़त्म होंगी, वहीं बारहवीं की परीक्षाएं चार मई से शुरू होकर 11 जून को ख़त्म होंगी। दसवीं की पहली परीक्षा चार मई को ओडिया, कन्नड और लेपचा भाषाओं की होगी और बारहवीं की इंग्लिश इलेक्टिव और इंग्लिश कोर की परीक्षाएं इसी दिन होंगी। विस्तृत डेट शीट सीबीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी और छात्रों को स्कूलों की तरफ से भी उपलब्ध करवाई जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने डेट शीट जारी करते हुए कहा, जिस तरह से ऐसी विकट महामारी के दौर में भी आपने अदम्य साहस और उत्साह का परिचय देते हुए अपनी शिक्षा जारी रखी उससे यह साबित होता है कि कोई भी विषम परिस्थिति आपका मनोबल नहीं तोड़ सकती है।

आप सभी ने वास्तविक शिक्षा के लक्ष्य को चरितार्थ किया है और मुझे पूरा यकीन है कि अब आपको प्रगति के मार्ग से कोई रोक नहीं सकता। इसके अलावा मुझे पूरा विश्वास है कि कोविड-19 की ऐसी विकट और संकटमय घड़ी में जो निर्विघ्न और निर्बाध रूप से खुद को स्वस्थ रखकर अध्यनरत रह सकता है वह स्कूल की बोर्ड परीक्षा में भी अवश्य अच्छे अंकों के साथ उत्तीर्ण होगा। उन्होंने कहा, शिक्षा के साथ सुरक्षा के सिद्धांत का पालन करते हुए सीबीएसई हर छात्र की सुरक्षा के लिए विभिन्न उपायों को अपनाएगा।

दिल्ली के 56.13 फीसदी लोगों में मिली कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी: सत्येंद्र जैन

नयी दिल्ली.एजेंसी

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को कहा कि जनवरी में किए गए ताजा सीरो सर्वेक्षण में शामिल 56.13 फीसदी लोगों में कोविड-19 के खिलाफ एंटीबॉडी (प्रतिरक्षी) मिली हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सामूहिक रोग प्रतिरोधक क्षमता की ओर बढ़ रही है लेकिन इस बारे में सिर्फ विशेषज्ञ ही स्पष्ट बता पाएंगे। उन्होंने कहा कि पांचवां सीरो सर्वेक्षण 15 से 23 जनवरी के बीच किया गया था। यह देश में अबतक का सबसे बड़ा सीरो सर्वेक्षण है। जैन ने कहा कि दक्षिण पश्चिम दिल्ली जिले में सबसे ज्यादा 62.18 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है जबकि उत्तरी दिल्ली में सबसे कम 49.09 प्रतिशत लोगों में एंटीबॉडी दर्ज की गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सर्वेक्षण में नई व बेहतर प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। हर वार्ड से नमूने इकट्ठा किए गए। कुल 28000 नमूने लिए गए। मंत्री ने कहा कि मामलों की संख्या, मौतों की संख्या और अस्पताल में दाखिल किए जाने वाले मरीजों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि लोगों को कोविड-19 उचित व्यवहार अपनाना चाहिए और कुछ और महीनों तक मास्क लगाना चाहिए। जैन ने कहा कि नए सर्वेक्षण में तीन नए प्रमुख बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने नमूनों का आकार बढ़ाया है। नमूने सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के आधार पर लिए गए हैं। नई तथा अधिक संवेदनशील किट का इस्तेमाल किया गया। जांच यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान में किए गए। मंत्री ने यह भी बताया कि अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ताओं को इस हफ्ते से कोविड-19 का टीका लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा।

किसानों को कुचलने पर तुली है सरकार : राहुल गांधी

नयी दिल्ली.एजेंसी।

कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने सरकार पर किसानों को कुचलने का आरोप लगाते हुए आज कहा कि जिस तरह से पुलिस किसानों को रोकने के लिए काम कर रही है उसे देखते हुए लगता है कि मोदी सरकार ने अपने लोगों के विरुद्ध ही मोर्चा खोल दिया है।

श्री गांधी ने कहा 'मोदी सरकार का काम करने का तरीका है-उनको चुप कर दो, उनको किनारे कर दो, उनको जमकर कुचल दो। पुल बनाओ लेकिन दीवार मत चिनो। इसके साथ ही उन्होंने एक खबर भी पोस्ट की है जिसमें लिखा है कि सरकार ने किसानों के बीच संवाद और एकता के लिए बनाए गए सभी ट्वीटर एकाउंट बद कर दिए हैं। श्रीमती वाड्रा ने सवाल किया कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों के साथ युद्ध कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया और कहा प्रधानमंत्री जी, अपने किसानों से ही युद्ध। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो भी ट्वीट किया है जिसमें किसानों के धरना स्थलों पर भारी संख्या में तैनात पुलिस बलों को हथियारों के साथ लैस कर दिखाया गया है।

भाजपा ने तय किए नए मंत्रियों के नाम

बिहार में इसी सप्ताह होगा नीतीश कुमार कैबिनेट का विस्तार!

नई दिल्ली.एजेंसी

सोमवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में बिहार के बड़े नेता बैठक में शामिल हुए। आनन-फानन में संजय जायसवाल दिल्ली पहुंचे। इस बैठक में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद और रेनू देवी के साथ-साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी भी मौजूद रहे। बिहार में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार इस सप्ताह हो सकता है। भाजपा की ओर से नए मंत्रियों के नाम भी तय हो चुके हैं। भाजपा और जदयू के बीच भी कई दौर की बातचीत हो चुकी है।

अब तक जदयू और भाजपा में मंत्रियों की संख्या को लेकर मामला फंसा हुआ था। फिलहाल यह सुलझता दिख रहा है। नीतीश कुमार पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा जब चाहे मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। ऐसे में पार्टी की ओर से हाई लेवल की बैठक भी हो चुकी है। सोमवार को पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और बिहार प्रभारी भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में बिहार के बड़े नेता बैठक में शामिल हुए। आनन-फानन में संजय जायसवाल दिल्ली पहुंचे। इस बैठक में बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद और रेनू देवी के साथ-साथ पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी भी मौजूद रहे।

इस बैठक में यह भी तय हुआ कि जो भाजपा कोटे से पूर्व में मंत्री रह चुके हैं उन्हें इस बार भी कोई मंत्रालय नहीं दिया जाएगा। साफ तौर पर भाजपा ज्यादा से ज्यादा मौका युवाओं को देना चाहती है। शाहनवाज हुसैन का नीतीश मंत्रिमंडल में शामिल होना तय है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय शूटर और जमुई से भाजपा विधायक श्रेयसी सिंह को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकता है। भाजपा कोटे से नीतीश मिश्रा, संजय सरावगी, रामप्रवेश राय और नितिन नवीन को भी मौका दिया जा सकता है।

एक सप्ताह में दूसरी बार 10 हजार से कम नये मामले

देश में अब तक 39 लाख 50 हजार 156 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया जा चुका

नयी दिल्ली..एजेंसी

देश में एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार कोरोना संक्रमण के 10 हजार से कम नये मामले सामने आये हैं और इस बीमारी से होने वाली दैनिक मौतों की संख्या भी 100 से नीचे आयी है वहीं कोरोना को मात देने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी से सक्रिय मामलों की दर डेढ़ फीसदी के करीब पहुंच गयी है। इस बीच देश में अब तक 39 लाख 50 हजार 156 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया जा चुका है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार की सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों में संक्रमण के 8635 नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों का आंकड़ा एक करोड़ सात लाख 66 हजार से अधिक हो गया है। इसी दौरान 13,423 मरीज स्वस्थ हुए जिसके साथ कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या एक करोड़ चार लाख 48 हजार 406 हो गयी है। वहीं सक्रिय मामले 4882 घटकर 1,63,353 रह गये हैं । इसी अवधि में 94 मरीजों की मौत हो गयी और मृतकों का आंकड़ा एक लाख 54 हजार 486 हो गया। देश में रिकवरी दर बढ़कर 97.05 प्रतिशत और सक्रिय मामलों की दर घटकर 1.52 फीसदी रह गयी है जबकि मृत्युदर अब 1.43 प्रतिशत पर आ गयी है।

महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 1368 सक्रिय मामले कम हुए और इनकी संख्या अब 44,944 रह गयी है वहीं 3289 मरीज स्वस्थ हुए, जिसे मिलाकर कोरोना को मात देने वालों की तादाद 19.32 लाख हो गयी है जबकि 27 और मरीजों की मौत से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 51,109 हो गया है। केरल में इसी दौरान 1773 सक्रिय मामले कम हुए हैं और सर्वाधिक 5215 मरीज स्वस्थ हुए हैं। राज्य में सक्रिय मामले अब 69,456 रह गये हैं, वहीं कोरोना को मात देने वालों का आंकड़ा बढ़कर 8.59 लाख हो गया है जबकि 17 और मरीजों की मौत से मृतकों की संख्या 3760 हो गयी है। सक्रिय मामलों में केरल अभी पहले स्थान पर है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सक्रिय मामले 96 कम हुए हैं और इनकी संख्या अब 1265 रह गयी है।

वहीं तीन और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 10,856 हो गया है। दिल्ली में अब तक 6.23 लाख से अधिक मरीज कोरोनामुक्त हुए हैं। देश के दक्षिणी राज्य कर्नाटक में कोरोना के सक्रिय मामले 85 घटकर 5963 रह गये हैं। राज्य में मृतकों का आंकड़ा 12,220 हो गया है तथा अब तक 9.21 लाख से अधिक मरीज स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में सक्रिय मामले घटकर 2022 रह गये हैं और 1602 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 2.91 लाख से अधिक लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं।आंध्र प्रदेश में सक्रिय मामले घटकर 1242 रह गये हैं।

संक्षिप्त समाचार

सिवान और बिहार शरीफ में इंटर की परीक्षा देने जा रहे दो छात्रों की सड़क हादसों में मौत

पटना (एजेंसी)। सिवान जिले में इंटर की परीक्षा देने जा रहा एक छात्र सड़क हादसे का शिकार हो गया। यह हादसा सिवान-मैरवा मुख्य पथ पर स्थित दारोगा राय कॉलेज के समीप हुआ। मंगलवार की सुबह एक तेज रफ्तार ट्रक ने परीक्षार्थियों से भरी कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में कार में सवार एक परीक्षार्थी की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। इधर, बिहारशरीफ में मंगलवार को स्टेट हाइवे -78 पर नूरसराय थाना क्षेत्र के मुजफ्फरपुर गांव के निकट बाइक सवार 18 वर्षीय निरंजन कुमार को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंद डाला। निरंजन अपने दोस्त के साथ इंटर की परीक्षा देने जा रहा था। आजकल कोहरे के कारण सड़क हादसे खूब हो रहे हैं। सिवान में जिस जगह हादसा हुआ, वहां सुबह के वक्त काफी कोहरा था। घटना के बाद कॉलेज समीप अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक मैरवा थाना क्षेत्र के कबीरपुर गांव का बताया जाता है। वहीं सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई है। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बिहारशरीफ में मुजफ्फरपुर गांव के समीप निरंजन कुमार (18 वर्ष) को तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने रौंद डाला। वह बिंदेश्वर साव के पुत्र थे। वह हेलमेट नहीं लगाए हुए था। बाइक पर पीछे बैठा उसका साथी चमारी साव का पुत्र भी इस दुर्घटना में जख्मी हुआ है। दोनों युवक इंटरमीडिएट की परीक्षा देने के लिए घर से निकले था। घर से थोड़ी दूर पर ही ट्रैक्टर की चपेट में आ गए। मौके पर नूरसराय, भागनबीघा एवं रहुई थाने की पुलिस पहुंच गयी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि बाइक सवार दोनों युवक नूरसराय की तरफ जा रहे थे। इधर, मिट्टी भराई में लगा ट्रैक्टर भी तेज रफ्तार से उसी दिशा में जा रहा था। इसी दौरान बाइक सवार ट्रैक्टर से टकरा गए। पीछे बैठा युवक दूर छिटक कर गिरा, जबकि निरंजन के ऊपर से ट्राली का एक पहिया पार कर गया। स्थानीय लोगों ने दावा किया कि टैक्टर की पहचान कर ली गई है। निरंजन तीन भाइयों में सबसे छोटा और कुंवारा था। सोमवार को भी एक ऐसा ही हादसा वैशाली जिले में हुआ था, जिसमें बेटे को इंटर की परीक्षा दिलाने जा रहे शख्स की बाइक को ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में पिता-पुत्र दोनों की ही मौत हो गई थी। यह घटना सहदेई बुजुर्ग ओपी क्षेत्र में अंधरा बड़ चौक के पास हुई थी। मरने वालों की पहचान जंदाहा थाना क्षेत्र स्थित कालापहाड़ गांव के रहने वाले मनोज सिंह और उनके बेटे शिवम कुमार के रूप में हुई थी। सारण में दिघवारा थाना के निजाम चक के पास छपरा-पटना मुख्य मार्ग पर सोमवार को हुए सड़क हादसे में इंटर की परीक्षा देने जा रहीं तीन छात्राएं घायल हो गई थीं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था।

ड्यूटी पर तैनात दारोगा को गोली मारने के मामले में छापेमारी जारी, दो आरोपित पहले ही हो चुके हैं गिरफ्तार

पटना/बाढ़ (एजेंसी)। बिहार में ड्यूटी पर तैनात दारोगा को गोली मारने के मामले में पुलिस काफी गंभीरता से काम कर रही है। पटना जिले में बाढ़ रेलवे स्टेशन के पास दारोगा को उस वक्त गोली मारी गई थी, जब वे कुछ लोगों को रात में बेवजह जमावड़ा करने से रोक रहे थे। रेल पुलिस के अवर निरीक्षक (सब-इंस्पेक्टर) विपिन कुमार सिंह को शनिवार रात गोली मारने वालों की गिरफ्तारी के लिए रेल एसपी एस. जगन्नाथ रेड्डी ने डीएसपी के नेतृत्व में टीम गठित कर दी है। रेल पुलिस ने इस मामले में दो नामजद अपराधियों को गिरफ्तार कर चुकी है। चार अन्य की गिरफ्तारी के लिए आसपास के क्षेत्रों में ताबड़तोड़ छापेमारी की जा रही है। बाढ़ ही नहीं मोकामा से बख्तियारपुर तक के क्षेत्रों में पूरी रात छापेमारी की गई है। टीम में बाढ़ व बख्तियारपुर रेल थानाध्यक्ष के अलावा सर्किल इंस्पेक्टर को भी रखा गया है। तीन टीमें बनाकर छापेमारी की जा रही है। रेल एसपी ने बताया कि बाढ़ में अवर निरीक्षक को गोली मारने के आरोप में सोमवार को आधा दर्जन बदमाशों के विरुद्ध रेल थाने में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। रेल ओपी प्रभारी तारकेश्वर मिश्रा के बयान पर बाढ़ थाने में मैग्जीन और पांच गोली बरामदगी के मामले में एक बदमाश के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है। वारदात के बाद रेल पुलिस स्टेशन परिसर की अवैध दुकानों को हटाने में जुट गई है। बाढ़ रेलवे स्टेशन के पास ढेर सारी दुकानें गैरकानूनी तरीके से लगाई जाती हैं। इन दुकानों को जीआरपी का संरक्षण हासिल है। ऐसी ही एक दुकान पर दारोगा को गोली मारी गई थी। दरअसल ऐसी दुकानों पर हर रोज शाम ढलते ही अपराधियों का जमावड़ा लग जाता है।

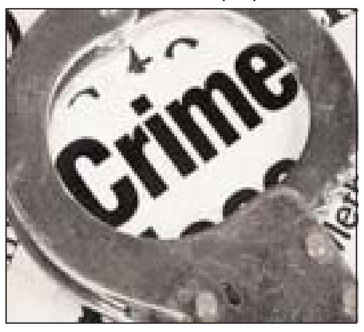

तिथि बढ़ी लेकिन औरंगाबाद में धान खरीदारी में नहीं आई तेजी

औरंगाबाद (एजेंसी)। राज्य सरकार ने भले ही धान क्रय की तिथि बढ़ा दी हो, परंतु खरीदारी में तेजी नहीं आ रही है। धान क्रय के दो माह बीत गए परंतु लक्ष्य की आधी खरीदारी भी संभव नहीं हो सकी है। हालांकि सरकार ने धान क्रय की तिथि बढ़ाकर 21 फरवरी कर दी है। सोमवार तक जिले में 14,546 किसानों से 1,30,700 मीट्रिक टन धान की खरीदारी की गई है। जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीन्द्र नारायण ने बताया कि धान क्रय में तेजी लाने का निर्देश दिया गया है। क्रय को लेकर अधिकारी लगातार पैक्स एवं व्यापार मंडल अध्यक्ष से संपर्क में हैं। सबसे अधिक खरीदारी ओबरा प्रखंड में की गई है। यहां 2,455 किसानों से 22,507 मीट्रिक टन धान खरीदे गए हैं। रफीगंज में 1,386 किसानों से 14,102, नवीनगर में 1,466 किसानों से 13,118, दाउदनगर में 1,681 12,399 एमटी धान की खरीदारी की गई है। धान क्रय के मामले में सबसे पीछे मदनपुर, देव एवं हसपुरा प्रखंड है। यहां का आंकड़ा अब भी दस हजार मीट्रिक टन से नीचे है। डीसीओ ने बताया कि सरकार ने 15 जून तक चावल आपूर्ति की अंतिम तिथि निर्धारित की है। समय से चावल आपूर्ति करने का निर्देश पैक्स एवं व्यापार मंडल अध्यक्षों को दिया गया है। उन्होंने बताया कि हर हाल में लक्ष्य हासिल किया जाएगा। जिले में तीन लाख मीट्रिक टन धान खरीदारी का लक्ष्य रखा गया है। हम लक्ष्य से अभी दूर हैं परंतु आने वाले समय से हम अपनी मंजिल को पा लेंगे। कंकेर पैक्स के कार्यों की जांच नवीनगर प्रखंड के कंकेर पैक्स की जांच करने सोमवार को मगध क्षेत्र के संयुक्त निबंधक दिनेश कुमार एवं जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीन्द्र नारायण पहुंचे। डीसीओ ने बताया कि यहां धान क्रय एवं पैक्स के वोटर लिस्ट को लेकर शिकायत की गई थी। कंकेर पहुंचकर जांच की गई। किसानों से जानकारी लिया गया। रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। डीसीओ ने बताया कि शुक्रवार को सभी पैक्स एवं व्यापार मंडल पर धान क्रय की जांच की गई थी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी सीएम के जनता दरबार में पहुंचे दो राजद विधायक

बीजेपी में शामिल होने की अटकलें तेज

पटना (एजेंसी)। बिहार में राष्ट्रीय जनता दल के तीन विधायकों की उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद से मुलाकात को लेकर सियासी अटकलों का दौर तेज हो गया है। इनमें से दो विधायक मंगलवार को पटना में आयोजित डिप्टी सीएम के जनता दरबार में अचानक पहुंचे थे जबकि एक विधायक ने डिप्टी सीएम से उनके आवास पर मुलाकात की। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार को डिप्टी सीएम का जनता दरबार कार्यक्रम चल रहा था। तभी मधेपुरा से विधायक चंद्रशेखर और नवादा की विधायक विभा देवी वहां पहुंची। दोनों विधायकों ने डिप्टी सीएम से उनके ऑफिस में जाकर मुलाकात की। इसके बाद बिहार के सियासी गलियारों में तरह-तरह की अटकलें लगाई जाने लगीं। हालांकि राजद विधायकों और डिप्टी सीएम की मुलाकात का एजेंडा क्या था इस पर किसी ने भी कोई टिप्पणी नहीं की है। वजह साफ नहीं है लेकिन बिहार के मौजूदा राजनीतिक माहौल में इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। राजद विधायक रामविष्णु सिंह ने डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद से उनके आवास पर मुलाकात की। डिप्टी सीएम तारकिशोर प्रसाद से मिलकर निकले विधायक चंद्रशेखर यादव ने कहा कि उनके डिप्टी सीएम से निजी सम्बन्ध हैं। यह मुलाकात इसी वजह से हुई। उन्होंने कहा कि मुलाकात के दौरान मधेपुरा के विकास को लेकर चर्चा हुई। राजद में किसी प्रकार की टूट की आशंकाओं को खारिज करते हुए विधायक ने कहा कि राजद कभी भी टूट नहीं सकता। डिप्टी सीएम तारकेश्वर प्रसाद ने कहा कि भाजपा की नीति से प्रभावित होकर जो भी आना चाहेगा, उसका स्वागत होगा। हालांकि राजद विधायकों के मिलने के बारे में उन्होंने कहा कि वे किसी राजनीतिक वजह से नहीं बल्कि निजी कारणों से मिलने आये थे। इसमें राजनीति खिचड़ी नही पकाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के दरवाजे सबके लिए खुले हैं कोई कभी भी आ सकता है। इस बीच नीतीश मंत्रिमंडल के विस्तार का काउंटडाउन शुरू हो गया है। बताया जा रहा है कि सब कुछ ठीक रहा तो अगले दो-तीन दिन में मंत्रिमंडल विस्तार हो जाएगा। सूत्रों की मानें तो भाजपा ने अपने कोटे के मंत्रियों के नाम तय कर लिए हैं। सोमवार को नई दिल्ली में बिहार भाजपा के शीर्ष नेताओं की राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी.नड्डा के साथ बैठक हुई। इस बैठक में बिहार भाजपा के नेताओं ने आलाकमान को मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए कुछ नाम सुझाए। बस आलाकमान की मंजूरी मिलना बाकी है। इस बीच राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के एनडीए में शामिल होने या जद यू में विलय को लेकर अंदरखाने बहुत कुछ चल रहा है। उम्मीद है कि उपेन्द्र कुशवाहा के इस खेमे में आने के बाद उन्हें भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है।

डिप्टी सीएम से विधायकों की मुलाकात को लेकर राजद खेमे की ओर से कहा जा रहा है कि उप मुख्यमंत्री से विपक्ष का मिलना-जुलना लगा रहता है। दावा है कि तीनों विधायक व्यक्तिगत कारणों से डिप्टी सीएम से मिलने गए थे। राजद के मुख्य प्रदेश प्रवक्ता भाई वीरेंद्र ने कहा कि तारकिशोर प्रसाद भाजपा के नेता होने के अलावा बिहार के उप मुख्यमंत्री भी हैं। विपक्ष के लोग अपने काम लेकर उनसे मिलते रहते हैं। इसमें कोई विशेष बात नहीं है। जो विधायक उनसे मिलने गए थे वे लालू प्रसाद के पक्के समर्थक हैं। उनके कहीं भी जाने का कोई सवाल नहीं है।

महिला हेल्प लाइन पहुंची गोपी बहू और कोमोलिका दो महीने टीवी न देखने का मिला आदेश

पटना (एजेंसी)। अजीबोगरीब मामलों को लेकर चर्चा में रहे पटना के महिला हेल्प लाइन में मंगलवार को एकबार फिर चौंका देने वाली घटना सामने आई। टीवी सीरियल की गोपी बहू और कोमोलिका एक दूसरे की शिकायत करने पहुंच गई। मामले के बारे में जानकर खुद महिला हेल्प लाइन की प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमिला कुमारी परेशान हो गई। असल में सास बहू को टीवी सीरियल वाली गोपी बहू की तरह देखना चाहती थी, लेकिन बहू सास को कोमोलिका बोलकर उसपर पति से दूर करने और घर तोड़ने का आरोप लगा रही थी। इसी को लेकर बहू ने महिला हेल्प लाइन में आवेदन दिया था। हालांकि महिला हेल्प लाइन की प्रोजेक्ट मैनेजर प्रमिला ने दोनों को दो महीने टीवी नहीं देखने का आदेश दिया है। दरअसल, कंकड़बाग की रहने वाली एक महिला ने हेल्प लाइन में आवेदन देते हुए कहा कि जब भी टीवी पर गोपी बहू नाम के कैरेक्टर वाला सीरियल आता है, सास उसके साथ टीवी देखने के लिए पहुंच जाती है। सीरियल देखने के दौरान सास बहू पर ताने कसने लगती है। बहू का आरोप था कि सास कहती है कि देखा गोपी बहू कितनी अच्छी है, घर का सारा काम करती है और एक बात का जवाब तक नहीं देती। तुम भी गोपी बहू की तरह क्यों नहीं बन जाती। आवेदन में पीड़िता ने कहा कि सास हमेशा उसके रंग रूप और कपड़े पहनने के तरीके पर भी ताने देती रहती है, जिस कारण उसका घर में रहना मुश्किल हो गया है। वहीं बहू की शिकायत पर जब काउसलिंग के लिए पीड़िता की सास को बुलाया गया तो उन्होंने बहू के ऊलट जवाब दिया। सास का कहना था कि जब भी घर में वो अपनी बहू को कोई भी काम करने के लिए बोलती हूं तो वो उसे कोमोलिका कह कर बुलाती है, जो एक सीरियल में नकारात्मक भूमिका निभाती है।

शेखपुरा में डायन बता भौजाई की पीट-पीटकर हत्या

ग्रामीणों को चकमा देकर भाग निकले ननद और ननदोई

नालंदा (एजेंसी)। विज्ञान की इतनी तरक्की के बाद भी कुछ लोग डायन होने की बात मानकर किसी की जान लेने से गुरेज नहीं करते हैं। इसी तरह का मामला बिहार के शेखपुरा जिले के कोरामा थाना क्षेत्र के मुरारपुर गांव में प्रकाश में आया है। डायन होने की बात कहकर ननद और ननदोई (ननद का पति) ने अपनी भौजाई की ही पीट-पीटकर निर्मम हत्या कर दी। घटना मंगलवार की सुबह नौ बजे की है। घटना को अंजाम देकर भाग रहे ननद और ननदोई को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने पीछा किया। लेकिन, दोनों भाग निकलने में सफल रहे। घटना की सूचना पाकर कोरमा थाना पुलिस गांव पहुंची और शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृत महिला गांव के ही मुन्ना पंडित की पत्नी रीता देवी थी। जबकि, आरोपी ननद बेबी देवी और ननदोई रंजीत पंडित है। दिनदहाड़े हत्या की इस खबर से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतका के घर के आगे ग्रामीणों का हुजूम उमड़ पड़ा। घटना की पुष्टि करते हुए एसपी कार्तिकेय के शर्मा ने बताया कि हत्या को लेकर कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। मृतका के माता और पिता को बुलाया गया है। पुलिस हत्याकांड की सभी पहलुओं की गहराई से जांच कर रही है। जल्द ही गुनाहगारों को पूरे साक्ष्य के साथ गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गांव के लोगों ने बताया कि महिला को ननद और ननदोई ने घर में धान भरे कमरे में बंद कर दिया। इससे पहले आरोपी ननद ने महिला के चार छोटे बच्चों को बाहर खेलने भेज दिया। कमरे में बंद कर लात और घूंसों से महिला की बेरहमी पिटाई की गयी। जबकि, सास घर की छत पर बैठी रही और बेटी व दामाद की करतूत को चुपचाप देखती रही। ग्रामीणों ने बताया कि पिटाई के कारण मृत महिला का चेहरा पूरी तरह से सूज गया था और गले पर भी निशान था। एसपी ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों पर कुछ जा सकता है। बताया जाता है कि ननद बेबी देवी की शादी 11 साल पहले नवादा जिला के अकबरपुर थाना के घुमैल गांव में रंजीत पंडित के साथ हुई थी। शादी के इतने साल बीत जाने के बाद भी बेबी देवी को संतान का सुख प्राप्त नहीं हो रहा था। किसी तांत्रिक से दिखाने पर बेबी देवी को तांत्रिक ने भरोसा दिला दिया था कि उसकी भौजाई डायन है। इसी बात को लेकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया गया है। ग्रामीणों ने बताया कि आरोपी महिला जब भी मायके आती थी तो भौजाई से मारपीट करती थी। वहीं, मृतका के पति को छोड़कर घर के सारे सदस्य भी आरोपी ननद का ही साथ देते थे। घटना के बाद भाग रहे आरोपी दंपति को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने करीब 10 किलोमीटर तक पीछा किया। लेकिन, दोनों दंपति चकमा देकर भाग निकलने में सफल रहे।

आरा जेल में कैदी की मौत पर बातचीत का आडियो वायरल, आरोपों को सुनकर दंग रह जायेंगे आप

opensearch

आरा (एजेंसी)। भोजपुर जिले के मंडल कारा,आरा में बंद एक कैदी द्वारा मोबाइल पर बातचीत का एक सनसनीखेज आडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हुआ है। वायरल आडियो में जेल में बंद कैदी एक विचाराधीन बंदी की मौत के मामले में मारपीट किए जाने संबंधी आरोप लगा रहा है। इधर, विवादित आडियो वायरल होने के बाद कारा प्रशासन सकते में पड़ गया है। मामले को जेल आईजी ने भी काफी गंभीरता से लिया है। उन्होंने इसकी जांच कर प्रतिवेदन समर्पित किए जाने का आदेश दिया है। जिसके बाद जेल में बंद कैदियों के बीच खलबली मच गई है। हालांकि, कारा प्रशासन मृत बंदी के साथ किसी दूसरे कैदी द्वारा मारपीट किए जाने संबंधी आरोपों को पूरी तरह अफवाह बता रहा है। क्योंकि, मृतक के शरीर पर कोई जख्म नहीं मिला था। महिला दंडाधिकारी की देखरेख में मेडिकल बोर्ड ने शव का पोस्टमार्टम किया था। पोस्टमार्टम के दौरान विसरा प्रिर्जव कर दिया गया है। वायरल आडियो की पुष्टि नहीं करता हैं। मृतक 55 वर्षीय ददन यादव भोजपुर के शाहपुर थाना के रमकरही गांव निवासी कांजी यादव का पुत्र था। आर्मी से सेवानिवृत्त था। 30 मई 2020 को शाहपुर थाना क्षेत्र अन्तर्गत कारनामेपुर ओपी के रमकरही गांव में चाचा और भतीजे को गोली मार दी गई थी। जिसमें चाचा की मौके पर मौत हो गई। जबकि, भतीजा घायल हो गया था। मृतक 42 वर्षीय कमला यादव रमकरही गांव निवासी यमराज यादव का पुत्र था।

घटना के मूल में क्रिकेट खेलने के दौरान लड़कों के बीच उपजे विवाद की बात सामने आई थी। इसे लेकर रिटायर्ड फौजी ददन यादव व उसके चचेरे भाई त्रिभुवन यादव समेत छह के विरुद्ध केस हुआ था। पुलिस के बढ़ते दबाव के बाद जून 2020 में आरोपित ददन यादव एवं उसके चचेरे भाई त्रिभुवन यादव ने एसपी के समक्ष आत्मसमर्पण किया था। इधर, आरा जेल में बंद एक कैदी और एक बाहरी शख्स के बीच कथित रूप से बातचीत का जो आडियो वायरल हुआ है, उसमें बाहरी शख्स मोबाइल पर विचाराधीन बंदी ददन यादव की मौत के बारे में पूछ रहा हैं। पूछताछ के दौरान जेल के वार्ड नंबर सात में बंद बंदी तीन बजे सुबह में मार-मार का हो-हल्ला सुनने की बात बता रहा हैं। कैदी यह भी बोल रहा है कि विचाराधीन बंदी ददन भी मदद के लिए चिल्ला रहा था।लेकिन, कोई मदद के लिए नहीं आया। बाद में पांच बजे सुबह में कारा के कर्मी पहुंचे। हालांकि, जेल अधीक्षक के अनुसार आडियो संदिग्ध और प्रायोजित है। विचाराधीन बंदी ददन को वार्ड संख्या -10 में रखा गया था। सोमवार की सुबह अचानक उसके सीने में तेज दर्द की शिकायत होने पर पहले जेल अस्पताल में लाया गया था। जहां, से फिर उसे सदर अस्पताल ,आरा के इमरजेंसी कक्ष में भेजा गया था। लेकिन, रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया था। डॉक्टर ने देखने के बाद मृत घोषित कर दिया था। जिसके बाद इसकी सूचना वरीय अफसरों को दी गई थी। मजिस्ट्रेट की निगरानी में शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। शरीर फर कोई जख्म भी नहीं था। तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने शव का पोस्टमार्टम किया है।

महिला विधायक को देख भरी सभा में युवक करने लगा गंदी हरकत, मंच से उतर एमएलए ने जड़ा थप्पड़

पटना (एजेंसी)। बिहार में एक युवक की गंदी हरकत के कारण युवा महिला विधायक ने भरी सभा में अपना आपा खो दिया और मंच से उतरकर उसे थप्पड़ जड़ दिया। यह मामला पटना से सटे एक जिले का है। महिला विधायक 30 जनवरी को अपने क्षेत्र के एक गांव में फैंसी क्रिकेट मैच का उद्घाटन करने पहुंची थीं। इस कार्यक्रम में बगल के इलाके का प्रतिनिधित्व करने वाले एक पुरुष विधायक भी शामिल थे। सबसे शर्मनाक बात यह है कि इस मामले को रफादफा करने के लिए महिला विधायक पर ही दबाव बनाया जा रहा है। महिला विधायक का कहना है कि युवक उन्हें देखककर लगातार अश्लील हरकत कर रहा था। शुरू में विधायक ने उधर से अपनी नजरें हटा लीं और उसे अनदेखा करने की कोशिश की, लेकिन इससे युवक का हौसला और बढ़ गया। इसके बाद तो उसने सारी हदें ही पार कर दी। विधायक ने जब देखा कि युवक अपनी हरकत से बाज नहीं आने वाला है, तो उन्होंने उसे फटकार भी लगाई। इसके बाद भी युवक नहीं माना तो वे उठीं और उसे थप्पड़ जड़ दिया। इसके बाद कार्यक्रम में अप्रिय स्थिति पैदा हो गई। कुछ देर तक वहां रुकने के बाद विधायक कार्यक्रम स्थल से रवाना हो गई। बताया जा रहा है कि महिला विधायक को गंदे इशारे करने वाला युवक चार बच्चों का पिता है। विधायक का कहना है कि वह एसपी से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगी। उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं का विरोध करना इसलिए जरूरी है कि यह महिलाओं के सम्मान से जुड़ा मुद्दा है। अगर ऐसे मामलों में चुप रहा जाए तो गलत लोगों का हौसला और बढ़ेगा और वे दूसरी मां-बहनों के सम्मान के साथ खिलवाड़ करेंगे। विधायक का यह भी कहना है कि इस घटना के बाद कुछ लोगों ने युवक के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने के लिए वकालत की। लोगों ने युवक को मंदबुद्धि बताते हुए उसकी हरकत को अनदेखा करने को कहा। कुछ लोग तो यहां तक कहने लगे कि लोगों के साथ मारपीट करने के लिए उन्हें विधायक नहीं चुना गया है।

पटना एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी, विरोध शुरू, 1200 करोड़ की लागत से हो रहा विस्तारीकरण

पटना (एजेंसी)। बजटीय प्रावधानों में एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने की घोषणा के बीच पटना एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने के कयास शुरू हो गए है। पटना एयरपोर्ट के कमियों की ओर से इसका विरोध भी शुरू हो गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी इम्प्लाइज यूनियन की पटना शाखा के सचिव अकलेश कुमार सिंह ने कहा कि लाभ में चल रहे एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने का निर्णय सही नहीं है। दिल्ली, जयपुर, लखनऊ, रायपुर, भुवनेश्वर, त्रिची और गुवाहाटी के बीच पटना एयरपोर्ट को भी निजी हाथों में सौंपने की तैयारी है। फिलहाल पटना एयरपोर्ट के विस्तारीकरण में 12 सौ करोड़ से अधिक की राशि खर्च की जा रही है। वर्ल्ड क्लास सुविधाएं विकसित करने के बाद एयरपोर्ट को निजी हाथों में सौंपने से यात्रियों की जेबें भी ढीली होंगी। कर्मचारी यूनियन के नेता ने कहा कि अभी पार्किंग के लिए आप 50 से साठ रुपये खर्च करते हैं। निजी हाथों में जाने के बाद पार्किंग शुल्क 250 से तीन सौ तक हो जाएगा। दस से 20 रुपये में मिलने वाला पानी का बोतल 200 रुपये में उपलब्ध होगा। एयरपोर्ट के निजी हाथों में जाने पर यात्रियों के साथ-साथ कर्मचारियों के हितों का बड़ा नुकसान होगा। अभी पटना एयरपोर्ट पर टर्मिनल बिल्डिंग का अस्थायी निर्माण हुआ है लेकिन इसकी सूरत बदलने लगी है। टर्मिनल भवन सहित निर्माण परियोजना के पूरा होने पर पूरा परिसर चमकने लगेगा। दिल्ली, बेंगलुरु की तरह यहां भी वर्ल्ड क्लास सुविधाएं मिलेंगी। न तो प्रवेश द्वार पर लंबी कतारें लगेंगी न बैगेज चेक इन की मारामारी रहेगी। सुरक्षा जांच एरिया को नया विस्तार मिलेगा। महानगरों के चमकते एयरपोर्ट परिसरों की तरह पटना एयरपोर्ट का भी नजारा होगा। यात्री सुविधाओं में काफी बढ़ोतरी होगी और परिसर में भीड़भाड़ से छुटकारा मिलेगा। परिसर में विमानों की पार्किंग की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। बन रही मल्टीस्टोरी पार्किंग, एलिवेटेड रास्ता बनेगा

एयरपोर्ट परिसर में पहले जहां अफसरों और कर्मियों का फ्लैट था, वहां मल्टीस्टोरी पार्किंग बनाई जा रही है। परिसर में आने-जाने वाले यात्रियों के लिए शहीद पीर अली पथ से जुड़ा एलिवेटेड रास्ता बनेगा। इसी इलाके में बहुमंजिली इमारत बन रही है जहां एयरपोर्ट परिसर के अफसर व कर्मी रहेंगे।

बिहार में बड़ी घटनाः छपरा में 18 महीने के बच्चे के साथ मां ने आग लगाकर की खुदकुशी

छपरा (एजेंसी)। बिहार में बड़ी घटना सामने आई है। सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के कदना गांव में सोमवार की रात विवाहिता ने अपने 18 महीने बच्चे के साथ आग लगाकर खुदकुशी कर ली। आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलते ही स्थानीय थाने की पुलिस ने मंगलवार की सुबह मौके पर पहुंचकर दोनों के शव को कब्जे में ले लिया है। मृतकों की पहचान गड़खा थाना क्षेत्र के उत्तरी कदना गांव निवासी सूरज महतो की 24 वर्षीय पत्नी पिंकी देवी तथा शुभम कुमार के रूप में हुई है। मामले में मृतका के पिता के द्वारा दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराते हुए उसके पति, सास-ससुर सहित परिवार के सभी सदस्यों को नामजद किया गया है। इस मामले में थानाध्यक्ष ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। बताते चलें कि पिंकी देवी का पति बाहर रहकर प्राइवेट नौकरी करता है, जबकि उसकी पत्नी माता-पिता के साथ घर में रहती थी। घर पर उसके परिवार का कोई अन्य सदस्य नहीं रहता है। सोमवार की रात सूरज के माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। इसी बीच उसकी पत्नी पिंकी ने 18 महीने के शुभम के साथ अपने शरीर पर तेल छिड़ककर आग लगा ली। घर में आग देखकर उसके सास-ससुर उठे और शोर मचाया। कुछ ही देर में आग ने मां व बच्चे को पूरी तरह से अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान जबतक ग्रामीण आग पर काबू पाते तबतक दोनों की झुलसने से मौत हो गई। घटना के बाद इस बात की सूचना स्थानीय थाने की पुलिस को दी गई। वहीं सूचना पाकर मृतका के मायके वाले भी ससुराल पहुंचे और घटना को दहेज हत्या करार दिया। स्थानीय थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मंगलवार की सुबह शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया गया।

राहुल गांधी बोले सरकार किसानों से बातचीत के लिए पुल बनवाए दीवार नहीं

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन डेस्क। किसानों का आंदोलन जारी है। सरकार से कई दौर की बातचीत के बाद अब तक कोई निर्णय नहीं हो सका है। उधर 26 जनवरी के दिन राजधानी की सड़कों और लाल किले पर उपद्रवियों ने जो किया वो किसी से छिपा नहीं है। देश दुनिया में उपद्रवियों के इस कृत्य की निंदा और आलोचना की गई। इसके कारण कुछ किसान संगठन आंदोलन से अलग भी हो गए, उन्होंने कहा कि राष्ट्र के सम्मान के साथ वो किसी तरह का खिलवाड़ भी बर्दाश्त नहीं करेंगे जिन लोगों ने आंदोलन के नाम पर ऐसा काम किया उन्होंने ऐसा करके किसानों को शर्मसार किया है इससे दुखी होकर वो आंदोलन खत्म कर रहे हैं। इन सबके बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपने ट्विटर हैंडल से यूपी गेट(गाजीपुर बॉर्डर) पर पुलिस की सुरक्षा की कुछ तस्वीरें ट्वीट की और लिखा है कि पुल बनाए जाएं दीवार नहीं। इसका मतलब वो सरकार से कहना चाह रहे हैं कि सरकार किसानों से बातचीत के लिए पुल बनाए ना कि दीवार बनाकर सारे रास्ते बंद कर दे। उन्होंने अपने ट्विटर हैंडल से ऐसी चार तस्वीरें भी शेयर की हैं। इसके बाद दिल्ली पुलिस को लगा था कि कुछ और भी जगहों से किसान उठ जाएंगे, आंदोलन खत्म कर देंगे। यूपी गेट पर ही आंदोलन खत्म होने की उम्मीद लगाई जा रही थी, काफी संख्या में 27 जनवरी को किसान यहां से उठकर चले गए थे। यहां लगाए गए टेंट भी उखड़ने लगे थे, लंगर के लिए रखे गए बर्तन आदि उठाए जा रहे थे, काफी संख्या में पुलिस के पहुंचने के बाद यहां बैठे किसानों के मन में भी भय था। देर शाम तक आंदोलन स्थल खाली हो जाने की बातें कही जाने लगी थी मगर अचानक से एक अफवाह के बाद हालात बदल गए। अब यहां फिर से किसानों और अन्य चीजों की संख्या बढ़ गई है। अब दिल्ली पुलिस ने किसानों को दिल्ली में घुसने से रोकने के लिए अपने सुरक्षा इंतजामों को और भी पुख्ता कर दिया है। यूपी गेट, टिकरी बॉर्डर, सिंघु बॉर्डर पर सुरक्षा के अभूतपूर्व इंतजाम किए जा रहे हैं। कई लेयर की सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई है। सड़कों को खोदकर कीलें लगा दी गई हैं। लोहे और सीमेंटेड जर्सी बैरियर के ढेर लगा दिए गए हैं। कुल मिलाकर ऐसी व्यवस्था कर दी गई है कि यदि किसी तरह से आंदोलन में बैठे किसान दिल्ली की ओर जाने की मन भी बनाए तो उनको पूरा दिन इन बैरिकेड को हटाने में ही लग जाएगा फिर भी वो उसे हटा नहीं पाएंगे। अब टीकरी बॉर्डर पर भी किसानों को रोकने के लिए पुलिस ने वहां भी ऐसे ही इस्तेमाल किए हैं। सड़कें खोद दी गई हैं, सड़क पर कीलें लगा दी गई हैं।

सीएम अरविंद केजरीवाल बोले, जल्द खुलेंगे स्कूल; शुरू होगी एडमिशन की प्रक्रिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एएनआइ। राजधानी दिल्ली में हाई स्कूल और इंटर के स्कूल खुलने के बाद अब नर्सरी के स्कूल को भी खोलने की प्रक्रिया शुरु होने जा रही है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि हम जल्द ही नर्सरी एडमिशन की प्रक्रिया शुरू करने जा रहे हैं । इस बार कोरोना वायरस की वजह से थोड़ी देर हो गई। हम उम्मीद करते हैं कि जल्द ही बाकी की कक्षाएं भी खुलेंगी। सीएम केजरीवाल ने निजी स्कूलों के प्रधानाचार्यों से बातचीत करते हुए ये बातें कही हैं। केजरीवाल ने कहा कि बच्चों के परिजनों की सहमति से बच्चों को स्कूल में बुलाया जाएगा। यह वैकल्पिक होगा। यानी किसी को जबरदस्ती बच्चों को स्कूल भेजने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा। बता दें कि दिल्ली में 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं के स्कूल खुल चुके हैं। बोर्ड परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों को इससे राहत मिली है।

मुंबई की तरह क्या दिल्ली में भी जल्द चलेगी लोकल ट्रेन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर के लाखों उम्मीद थी कि आम बजट 2021 पेश करने के दौरान लोकल ट्रेनें के संचालन का एलान किया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे दिल्ली और गाजियाबाद, बुलंदशहर, हापुड़, अलीगढ़, मुरादाबाद, आगरा और सहारनपुर के बीच रोजाना सफर करने वाले हजारों यात्रियों का निराशा हाथ लगी है। इस बीच कोरोना के चलते बदले नियमों के तहत मुंबई में लोकल ट्रेन सेवा आम नागरिकों के लिए सोमवार से से शुरू कर दी गई है। वहीं, निराश लोगों में उम्मीद है कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी आने के बाद दिल्ली-एनसीआर में भी जल्द ही लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू किया जा सकता है। दिल्ली-एनसीआर का कारोबार-व्यापार हो रहा प्रभावित दिल्ली से आगरा, मथुरा, अलीगढ़, बुलंदशहर, सहारनपुर, पलवल, फरीदाबाद, रेवाड़ी और रोहतक के बीच लोकल ट्रेन नहीं चलने से दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों का व्यापार-कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। पूरे 10 महीने बीत चुके हैं, जब से लोकल ट्रेनें बंद पड़ी हैं। बताया जा रहा है कि प्रत्येक रोज राजधानी दिल्ली आकर माल की बुकिंग करने वाले कारोबारी भी अभी शांत हैं। दिल्ली देश का बड़ा डिस्ट्रीब्यूशन हब है। ऐसे में कारोबारियों-व्यापारियों को बड़ा नुकसान हो रहा है। हापुड़ से रोजाना दिल्ली आकर चांदनी चौक में काम करने वाले रिंकू का कहना है कि 6 महीने तक तो घर बैठा रहा। फिर जाम चांदनी चौक में काम शुरू हुआ तो बसों के जरिये आना-जाना हो रहा है। ट्रेन की तुलना में कई गुना ज्यादा किरायों बसों में देना पड़ रहा है। नौकरी बची रहे, इसलिए काम पर जा रहा हूं, वरना कोई खास फायदा नहीं हो रहा है। ऊपर से बस की यात्रा में थकान भी हो जाती है। वहीं, अलीगढ़ से आकर रोजाना 10 घंटे तक दिल्ली में काम करने वाले अब्दुल फतीह की मानें तो जमा पूंजी खत्म हो चुकी है। बस का सफर तय करके दिल्ली आने में बहुत घाटा है। रोजगार भी छूट गया है। हां, लोक ट्रेनों का संचालन शुरू हो तो फिर से काम मिल सकता है। अब तो इसी इंतजार में हूं कि लोकल ट्रेन शुरू हो और काम की डगर आसान हो। दैनिक यात्री संघ से जुड़े लोग लगातार अपने स्तर पर रेल मंत्री से गुहार लगा रहे हैं। ऐसे लोगों को आम बजट से उम्मीद थी कि एलान हो जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। पिछले साल रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ वीके यादव ने पत्रकार वार्ता के दौरा यह कहकर एक उम्मीद जताई थी कि जब तक कोरोना की स्थिति सुधरती नहीं है, तब तक नया टाइम टेबल नहीं लाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने भी लोकन ट्रेनों के संचालन को लेकर कोई सकारात्मक बात नहीं कही थी।भारतीय रेलवे और महाराष्ट्र सरकार ने कुछ नियमों में बदलाव के साथ 1 फरवरी से लोकल ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इसके तहत लोकल ट्रेन की पहली सेवा से सुबह 7 तक और इसके बाद दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक और फिर अंतिम ट्रेन से रात 9 बजे तक आम जनता के लिए चल रही है। वहीं, महिला यात्रियों को सुबह 11 से दोपहर 3 बजे तक और शाम को 7 बजे के बाद अनुमति दी गई थी। वहीं, अब सोमवार 1 फरवरी से महिलाओं को सुबह पहली गाड़ी चलने से लेकर सुबह 7 बजे तक, उसके बाद सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक और शाम 7 बजे से अंतिम लोकल ट्रेनें तक यात्रा करने की अनुमति दी गई है।

समाज को अनुशासित बनाने में सहयोग करेंगे 100 सैनिक स्कूल-एसके सैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सैनिक स्कूलों में छात्रों को महज बेहतर शिक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि अनुशासित जीवन जीने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसका उद्देश्य एक छात्र को भारतीय सेना में जाने के योग्य तैयार करना है, लेकिन अगर कोई छात्र आगे चलकर सेना के बजाय किसी अन्य क्षेत्र में जाता है तो वहां भी वह एक अनुशासित और सच्चे नागरिक के तौर पर देश को विकास की गति पर ले जाने की दिशा में काम करता है। इन स्कूलों से निकलने वाले युवा समाज को अनुशासित बनाने में सहयोग करेंगे। देशभर में 100 सैनिक स्कूल खोलने के प्रस्ताव का स्वागत करते हुए उक्त बातें वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एसके सैनी ने कहीं। 31 जनवरी को ही सेवानिवृत्त हुए सैनी ने कहा कि वह स्वयं कपूरथला में महाराजा जगजीत सिंह के पैलेस में मौजूद सैनिक स्कूल से पढ़े हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल में होने वाली पढ़ाई छात्रों को अनुशासित ही नहीं मानसिक और शारीरिक तौर पर मजबूत भी बनाती है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह प्रस्ताव अच्छा कदम है और इससे आने वाले दिनों में युवाओं को लाभ मिलेगा। सैनिक स्कूलों की संख्या बढ़ने से सेना ही नहीं आम नागरिकों के बच्चों को भी बेहतर शिक्षा का अवसर मिलेगा। इससे सेना में जाने के युवाओं के जज्बे को बल मिलेगा। वहीं, वित्त मंत्री ने सोमवार को संसद में आम बजट पेश किया। इसके बाद हर तरफ बजट को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई। इसे लेकर पूर्व सेना अधिकारी मेजर जनरल दिलावर सिंह ने कहा कि नए बजट में सबसे खास बात सैनिक स्कूलों की संख्या बढ़ाना है। उन्होंने सबसे खास व अहम

राजस्थान का लाल हुआ यूपीएससी दूसरी सूची में 38 रैंक के साथ चयनित

सम्भागीय आयुक्त ,जिला कलक्टर ,कोटा सिटी महापोर उपमहापौर ने किया अभिनन्दन एवं सम्मान

नई दिल्ली। छोटे से गांव कनवाड़ी गांव भवानीमंडी,झालावाड़ का मूल निवासी युवा अनुराज जो कि आईआईटी मुम्बई पास आउट ,आईआईएम अहमदाबाद सेलेक्टेड एवं हाल ही में यूपीएससी की द्वितीय सूची में 38 (अड़तीस) रेंक प्राप्त कर प्रारंभिक ,मेंस एवं इंटरव्यू तक का सफर तय कर राजस्थान का नाम रोशन किया ।

वर्ल्ड यूथ आर्गेनाइजेशन इंडिया के सयुक्त निदेशक एवं रिसर्च फाउंडेशन ऑफ इंडिया के चेप्टर हेड ,एमएसएमई सीसीआईआई नई दिल्ली के मुख्य सचिव एवं ग्लोबल एडवॉजर डॉ नयन प्रकाश गांधी ने स्वामी विवेकानंद के प्रेरक वचनों को आत्मसात कर गांव से अपने सफलता के उच्च मुकाम पर सामाजिक सेवा के क्षेत्र में कदम रखने वाले युवा सशक्तिकरण के तहत युवा अनुराज को माननीय सम्भागीय आयुक्त कोटा ,जिला कलेक्टर महोदय कोटा ,आयुक्त महोदय ,महापौर ,उपमहापौर ,सॉशेल डेवलपमेंट मैनेजर मीडिया हाउस राजस्थान से डिजिटल इंटरव्यू आदि द्वारा भेट एवं सम्मानित करवाया गया। डॉ. गाँधी ने पत्रकार वार्ता में बताया कि स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शो के अनुरूप युवा सशक्तिकरण एवं उनके अच्छे कार्यो ,सफलता को सम्मान दिलाना उनकी प्रेरणा ,परिस्थितियों से आम जन को रूबरू करवाकर हर जन जन तक प्रेरणा पहुचाना एक गौरवमयी क्षण है ।

डॉ एन पी गाँधी ने बताया कि यह प्रेरणा उन्हें गीता परिवार के पश्चिमांचल प्रभारी एवं उनके चीफ मेंटोर माननीय श्री गोविन्द माहेश्वरी से प्राप्त हुई है ।

वार्ता में आगे डॉ एन पी गाँधी ने बताया कि माननीय डिविजनल कमिश्नर ने भेट करते हुए युवा अनुराज को बधाई देते हुए एक अप्रतिम सन्देश दिया कि अब बड़े नही अच्छे व्यतित्व बनने की और आपका मार्ग प्रशस्त हुआ है ,अब पारिवारिक संस्कारो से सफलता तक अच्छे आयामो को स्थापित करना है जिसमे एथिकल वर्किंग सबसे बड़ा चैलेंज होगा जिसे अंत तक सहेज कर रखने की आवश्यकता आज के हर व्यक्ति को होनी चाहिए।

माननीय कलेक्टर महोदय आईएएस उज्ज्वल राठौड़ जी ने मोमेंटो से सम्मानित कर अनुराज का हौसला बढ़ाया।माननीय आयुक्त , मेयर ,डिप्टी मेयर ,सोशेल डेवलमेंट मैनेजर नगर निगम कई अधिकारियों से भेंट कर अनुराज को सम्मानित किया गया। यह गर्व का विषय है कि पूरे कोटा डिवीजन में यूपीएससी की द्वितीय सूची में 38 रैंक में शामिल अनुराज गुप्ता अपने आप मे एक मिसाल बना है ।अनुराज एक तरह से कोटा वासियो ही नही अपितु भारत के असंख्य युवाओ के लिए मिसाल बना है क्योकि उसने कम उम्र में भारत के सबसे कठिनतम प्रतियोगी परीक्षाएं जो कि चरमोत्कर्ष के करियर का चरम बिंदु मानी जाती है वह अनुराज ने आईआईटी एग्जाम ,केट -2019 ,यूपीएससी- 2019 तीन एग्जाम क्लियर किये जो कि 25 की उम्र में अंतिम यूपीएससी का एक्जाम क्लियर करना वो भी बिना दिल्ली गए उसने घर बैठे तन्मयता से तैयारी की ,उसने पूरे वर्ष अपने प्रेरक स्वामी विवेकानंद जी के मूलभूत सिधान्तो को जो अपनाता आया है उसे फॉलो किया और लक्ष्य स्पष्ठतः देखा और उसमें तल्लीनता से डिजिटल आईटी मीडिया ,एवं उचित पुस्तके और नियमित न्यूज़पेपर रीडिंग एवं नियमित राइटिंग शैली पर कार्य करते हुए स्व मूल्यांकन करते हुए इस कठिनतम परीक्षा की तैयारी की और मात्र 10 महीनों में वह चयनित हो गया। युवा अनुराज को मेड़तवाल वैश्य समाज के द्वारा भी सम्मानित किया गया। अनुराज मूलतः कनवाड़ी भवानीमंडी के सयुक्त परिवार से सम्बद्ध रखता है ।

एम्स में चार फरवरी से सामान्य होगी ओपीडी सेवा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना का खौफ खत्म चुका है। इसलिए अब अस्पतालों में स्वास्थ्य सुविधाएं भी सामान्य होने लगी हैं। इसी क्रम में एम्स में करीब साढ़े दस माह बाद चार फरवरी से ओपीडी सेवा पहले की तरह सामान्य हो जाएगी। इसलिए सभी विभागों की ओपीडी में प्रतिदिन नए पुराने 150 मरीज देखे जाएंगे। इसलिए अब मरीजों को एम्स में इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। खास बात यह है कि ओपीडी में इलाज के लिए ऑनलाइन अप्वइंटमेंट की बाध्यता भी नहीं रहेगी। इसलिए बगैर अप्वाइंटमेंट के भी एम्स की ओपीडी में पहुंचने पर इलाज हो सकेगा। इससे दिल्ली सहित देश भर से एम्स में इलाज के लिए पहुंचने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि कोरोना के कारण पिछले साल 18 मार्च से एम्स में ओपीडी सेवा बंद कर दी गई थी। बाद में 25 जून को एम्स ने कुछ प्रतिबंधों के साथ ओपीडी शुरू हुई। शुरुआत में सभी विभागों में 15-15 मरीज देखे जा रहे थे। बाद में ओपीडी में सभी विभागों के लिए मरीजों की संख्या बढ़ाकर 30 निर्धारित की गई। पिछले कुछ दिनों से ओपीडी में मरीजों की संख्या और भी बढ़ गई है। लेकिन अभी सिर्फ आनलाइन व टेलीफोन पर अप्वाइंटमेंट लेने वाले मरीज ही देखे जा रह हैं। इससे मरीजों को परेशानी भी हो रही है। कोरोना की संक्रमण दर भी ना के बराबर रह गई है। लिहाजा, एक फरवरी को एम्स प्रशासन ने ओपीडी को पूरी तरह सामान्य करने का आदेश जारी किया है। संस्थान के सभी कर्मचारियों को भी पहले की तरह तय समय पर ड्यूटी आने के लिए कह दिया गया है। इसके अलावा सभी विभागों में प्रतिदिन 50 या कोरोना काल से पहले की तरह निर्धारित संख्या में नए मरीज देखे जाएंगे। वहीं सभी विभागों में 100 पुराने मरीज देखे जाएंगे।

रॉबिन हुड आर्मी सिखाएगी बच्चो को वृक्षों का महत्व

अंकुर शरण

opensearch

वर्ष 2020 पूरे संसार के लिए बहुत ही संकटदायी रहा। यह वर्ष हम सब के लिए एक सीख है की कुदरत के आगे इंसान बेबस है और हमें अपने गृह धरती की रक्षा भी करनी है अन्यथा आने वाली पीढ़ियों के लिए हम संकट और बढ़ा देंगे। आपने अक्सर हरी टीशर्ट मे कुछ नौजवानो को आपके आसपास के इलाकों में खाना बांटते, बच्चो को पढ़ाते और बुजुर्गो की मदद करते हुए देखा होगा। ये नौजवान रॉबिन हुड आर्मी के रॉबिन कहलाते है। रॉबिन हुड आर्मी एक ज़ीरो फंड संस्था है जो होटल, शादी पार्टी मे बचे खाने को गरीब जरूरतमदों को बांटती है। इसके अलावा ये संस्था गरीब बच्चों को पढ़ाने का काम भी करती है। लॉकडॉउन के समय में इस संस्था ने सूखा अनाज बांटना, अकेले रह रहे बुजुर्गो को दवाई, आवश्यक राशन पहुंचाना, रक्तदाताओं व प्लाज्मा दाताओ की व्यवस्थाकरना जैसे अनेक काम किए है।

रॉबिन हुड आर्मी ने एक बार फिर समुदाय मे बदलाव लाने के लिए एक बेहतरीन कदम उठाया है। बच्चो को पेड़ो का महत्व और उनको बचाने की जरूरत समझाने के लिए #AcademyGreens जागरूकता अभियान चलाया है। इस अभियान मे पोस्टर प्रतयोगिता, नुकड़ नाटक, गीत - संगीत, जागरूकता सेशन, क्विज और शहर भर में वृक्षारोपण के माध्यम से बच्चो को पेड़ो का महत्व समझाया गया।

वृक्षारोपण 9 जनवरी से 26 जनवरी तक शहर के कई इलाकों में किया गया।

रॉबिन हुड आर्मी के फरीदाबाद चेप्टर के Academy Representative सुमित वर्मा ने हमे बताया की हर वर्ष गणतंत्र दिवस पर रॉबिन हुड आर्मी अपनी एकेडमी के बच्चो के लिए एक अभियान चलाती है। वर्ष 2019 मे #AcademyVoice अभियान मे बच्चो को रेडियो स्टेशन ले जाया गया जहां बच्चों ने [illegible] और [illegible] प्रकट किया। वहीं वर्ष 2020 में #AcademyFreshers अभियान के अंतर्गत बच्चो को शहर के मशहूर कॉलेजो मे ले जाया गया जहां बच्चो को कॉलेज की जिंदगी के अनुभव के साथ साथ उच्च शिक्षा के लिए भी जागरूक किया गया।

31 जनवरी को सेव अरावली यात्रा में रॉबिन हुड आर्मी के साथ साथ दक्ष फाउंडेशन एवं अन्य स्वयं सेवी संस्थाओ ने पर्यावरण संरक्षण अभियान के अंतर्गत लोगों को जागरूक किया और आने वाले समय में बड़ी मात्रा में पेड़ लगाने और बचाने का संकल्प लिया।

चोरों के आगे बेबस हुई दिल्ली पुलिस, 24 घंटे में चार एटीएम से चोरों ने उड़ाए 50 लाख रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दक्षिण-पूर्वी जिले में 24 घंटे में चोरों ने ताबड़तोड़ चार एटीएम काटकर पुलिस की नींद उड़ा दी है। इनमें से तीन एटीएम से बदमाश 50 लाख से ज्यादा रुपये चोरी कर ले गए हैं। हालांकि, एक एटीएम से बदमाश पुलिस गश्त के चलते रुपये ले जाने में सफल नहीं हो सके। सभी घटनाओं का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस की एक दर्जन टीमों को लगाया गया है।

जानकारी के अनुसार महिंद्रा स्कार्पियो सवार चार युवकों ने शनिवार तड़के न्यू फ्रेंड्स कालोनी स्थित आइसीआइसीआइ बैंक के एटीएम को गैस कटर से काटकर कैश ट्रे चोरी कर ली। बैंक अधिकारियों के मुताबिक इस एटीएम में उस समय करीब 10 लाख रुपये थे। वारदात से पहले आरोपितों ने एटीएम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों पर काले रंग का पेंट स्प्रे कर दिया था। इसके बाद 24 घंटे के भीतर ही रविवार को तड़के बदमाशों ने ओखला थाना क्षेत्र के तेहखंड स्थित एचडीएफसी बैंक के एटीएम को गैस कटर से काट दिया। यहां से करीब 25 लाख रुपये चोरी कर लिए। इसके कुछ ही देर बाद सनलाइट कालोनी के भगवान नगर में आइसीआइसीआइ बैंक के एटीएम को भी गैसकटर से काटकर करीब 19 लाख रुपये उड़ा लिए। यही नहीं रविवार को ही तड़के सरिता विहार के जसोला स्थित एचडीएफसी बैंक एटीएम को भी काटने का प्रयास किया गया, हालांकि यहां से बदमाश रुपये ले जाने में सफल नहीं हुए। ओखला के तेहखंड गांव निवासी पम्मी ने बताया कि उनके घर के भूतल में पिछले दो साल से एटीएम लगा है। स्कार्पियो सवार आरोपितों ने घटना से एक दिन पहले भी एटीएम के सामने गाड़ी लगाकर रेकी की थी। उस समय उन्हें लगा कि आरोपित वाहन चोर हैं। इसकी शिकायत भी पुलिस को दी थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। इसके बाद शनिवार को तड़के बदमाशों ने घटना को अंजाम दिया। पम्मी ने बताया कि रात दो बजे के बाद से एटीएम का सायरन बजने लगा था। इसकी आवाज उन्हें भी सुनाई दी, लेकिन उन्हें लगा कि पूर्व की तरह सायरन कुछ देर में बंद हो जाएगा।

पांचवें सीरो सर्वे में 56.13 फीसद लोगों में पाई गई एंटीबॉडी: सत्येंद्र जैन

नई दिल्ली,(एजेंसी)।दल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने मंगलवार को कहा कि पांचवे सीरो सर्वे में 56.13 फीसद लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। उन्होंने कहा कि 28,000 लोगों के सैंपल लेकर जांच की गई। हर वार्ड से 100 सैंपल लिए गए। उत्तरी दिल्ली में सबसे कम 49.09 फीसद लोगों में एंटीबॉडी पाई गई। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि दिल्ली में कोरोना के मामले कम हैं और अस्पताल में कोरोना के मरीज़ भी कम भर्ती हो रहे हैं। लेकिन फिर भी आप मास्क जरूर लगा के रखे। अभी आपको कुछ दिन और मास्क लगाने की जरूरत है और शारीरिक दूरी का भी पालन की करने की जरूरत है। विशेषज्ञों का कहना है

कि 56.13 फीसद लोगों में एंटीबॉडी मिलने का मतलब आधी से ज्यादा आबादी कोरोना से संक्रमित होकर ठीक हो चुकी है। डाक्टर कहते हैं कि दिल्ली के लोगों में अब हर्ड इम्युनिटी बन गई है। यही वजह है कि सब कुछ काफी हद तक सामान्य होने के बावजूद कोरोना का संक्रमण न के बराबर है। बता दें कि पांचवें सीरो सर्वे के लिए 11 से 22 जनवरी के बीच दिल्ली के सभी वार्डो से करीब 28 हजार लोगों के ब्लड सैंपल लिए गए थे। यह अब तक का सबसे बड़ा सीरो सर्वे है। पहले सीरो सर्वे में करीब 23 फीसद, दूसरे सीरो सर्वे में करीब 29 फीसद , तीसरे व चौथे सीरो सर्वे में करीब 25 फीसद लोगों में एंटीबॉडी पाई गई थी।

एक्वा लाइन पर चलेगी फास्ट ट्रेन लेकिन इन 10 स्टेशनों पर नहीं रुकेगी

नोएडा (एजेंसी)। में मेट्रो से सफर करने वाले यात्री के लिए जरूरी खबर है। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने नोएडा-ग्रेनो मेट्रो रूट पर फास्ट ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन सोमवार से शुक्रवार के बीच चलेगी हालांकि यह फास्ट ट्रेन 10 स्टेशनों पर नहीं रुकेगी, इससे सवारियों का 9 मिनट का समय बचेगा। वहीं, शनिवार व रविवार को सभी स्टेशन पर मेट्रो रुककर चलेगी। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन की प्रबंध निदेशक रितु माहेश्वरी ने बताया कि व्यस्त समय में सुबह 8 से 11 और शाम को 5 से 8 बजे के बीच फास्ट ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन सेक्टर-50, 101, 81 ,83, 143, 144, 145, 146, 147, 148 मेट्रो स्टेशनों पर नहीं रुकेगी। अभी सेक्टर-51 से डिपो स्टेशन तक पहुंचने में 45 मिनट 43 सेकेंड का समय लगता है। फास्ट ट्रेन के जरिए यह सफर 36 मिनट 40 सेकेंड में पूरा हो सकेगा। इसी तरह सेक्टर-51 से परी चौक तक पहुंचने में अब 28 मिनट 30 सेकेंड लगेंगे जिसमें अभी 37 मिनट लगते हैं। उन्होंने बताया कि जल्द ही यह फास्ट ट्रेन सेवा शुरू कर दी जाएगी। एनएमआरसी ने कहा कि ट्रेन के संचालन में किए गए इस बदलाव को लेकर लोगों को व्यापक तरीके से सूचित किया जा रहा है। संबंधित सभी मेट्रो स्टेशन पर इसके बारे में सूचना दी जाएगी।

अरावली में एक तेंदुआ और दो लकड़बग्घों के शव मिले,अज्ञात बीमारी से मौत की आशंका

गुरुग्राम (एजेंसी)। के सोहना से लगते गांव सांप की नंगली की अरावली पहाड़ी में एक मादा तेंदुआ समेत दो लकड़बग्घों के शव मिले हैं। इनकी मौत 3 से 4 दिन पहले हुई बताई जा रही है। तीनों ही जानवरों के शरीर पर किसी प्रकार की चोट या अन्य निशान नहीं मिले हैं। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची वन और वन्य जीव प्राणी विभाग की टीम ने शवों को कब्जे में लेने के बाद पोस्टमॉर्टम कराने की तैयारियां कराने में जुट गई है।

प्राथमिक तौर पर अधिकारी इनकी मौत किसी बीमारी से मान रहे हैं। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा। सोहना के गांव सांप की नंगली में मंगलवार की सुबह लोगों ने दो लकड़बग्घों और एक मादा तेंदुआ का शव अलावली में देखा। ये तीनों शव आबादी क्षेत्र से करीब 400 से 500 मीटर की दूरी पर ही तीन अलग-अलग स्थानों पर मिले हैं। जानवरों के शवों को देखने के लिए ग्रामीण एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर सिटी थाना से पुलिस की टीम सबसे पहले पहुंची। उसके बाद वन विभाग तथा आखिर में वन्य जीव प्राणी विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तेंदुआ और लकड़बग्घों के शव धरातल से 50 से 60 फिट ऊंची पहाड़ी पर थे। दोनों लकड़बग्घों के शव के बीच की दूरी 30 से 40 फीट और लकड़बग्घों से तेंदुआ के शव के बीच की दूरी 70 से 80 मीटर थी। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा मौके पर पहुंची वन्य जीव प्राणी विभाग की टीम ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया, लेकिन पोस्टमॉर्टम कहां पर कराया जाएगा, इसका खुलासा अभी नहीं किया है।

कुत्तों की भी लगातार मौत गांव सांप की नंगली में पिछले करीब एक सप्ताह में 4 से 5 बड़े कुत्ते तथा 5 से 6 पिल्लें मौत की मौत हुई है। गांव के राजेश का कहना है कि कुत्तों की लगातार मौत होने का मामला भी अब लकड़बग्घों व तेंदुआ की मौत से जोड़ा जाने लगा है। ग्रामीणों ने भी किसी बीमारी से मौत की आशंका जताई है। इस मामले में विभागीय अधिकारी कुछ भी बताने से बच रहे हैं।

दिल्ली में 64 फीसदी प्रदूषण बाहर का, आईआईटी कानपुर करेगा खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। में प्रदूषण को न्यूनतम स्तर तक लाने का प्रोजेक्ट आईआईटी कानपुर ने तैयार किया है। दो साल की रिसर्च में वैज्ञानिकों ने दिल्ली के प्रदूषण के कारण, मात्रा और उसके प्रभाव का अध्ययन किया है। इसी के आधार पर प्रदूषण कम करने के तरीके भी खोजे हैं।

वैज्ञानिकों ने इसका प्रस्ताव दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसौदिया को सौंपा है। दिल्ली सरकार ने इसे मंजूरी दी तो जल्द ही इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो जाएगा। आईआईटी कानपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो. मुकेश शर्मा व प्रो. सच्चिदानंद त्रिपाठी की टीम दिल्ली में प्रदूषण के कारण और प्रभाव पर शोध कर रही है। टीम ने यह पता लगा लिया है कि दिल्ली में किस तरह का प्रदूषण किन प्रदेश या देशों की ओर से आता है। इसे रोकने को क्या किया जा सकता है। पूरा प्रोजेक्ट पिछले तीन साल के एयर क्वालिटी इंडेक्स की एनालिसिस के आधार पर तैयार किया गया है। वैज्ञानिकों की टीम का दावा है कि उसने प्रदूषण को न्यूनतम करने की जो विधियां खोजी हैं, उन्हें प्रस्ताव मंजूर होने के बाद ही सार्वजनिक करेंगे।

सम्पादकीय...

ओपन सर्च

रोकने होंगे सड़क हादसे

आज कोई भी दिन ऐसा नहीं गुजरता है जिस दिन देश के किसी न किसी भाग में सड़क हादसा न हुआ हो और कई लोगों को जान से हाथ ना धोना पड़े। अधिकांशतः सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले व्यक्ति आम जन ही होते हैं। इसलिए वे अखबारों की सुर्खियां नहीं बन पाते। जिससे उन दुर्घटनाओं पर लोगों का ध्यान भी नहीं जाता है। देश में मोटर व्हीकल एक्ट में किया गया संशोधन 1 सितंबर 2019 से लागू हुआ था।

इसका मकसद, देश में सड़क पर यातायात को सुरक्षित बनाना और सड़क हादसों में लोगों की मौत की संख्या को कम करना था। लेकिन कोरोना काल से उबरने की जद्दोजहद में अब जैसे-जैसे देश में अनलॉक की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, देश उसी पुरानी अवस्था की ओर बढ़ रहा है। परिवहन और यातायात दोबारा तेज होने के साथ ही सड़क हादसों की संख्या और उनसे होने वाली मौत के आंकड़े बढ़ते जा रहे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2019 में 4 लाख 37 हजार 396 सड़क हादसे हुए। इनमें एक लाख 54 हजार 732 लोगों की जान गई और 4 लाख 39 हजार 262 लोग घायल हुए। 59.6 फीसदी सड़क दुर्घटनाओं का कारण तेज रफ्तार रही। तेज रफ्तार की वजह से सड़क दुर्घटना में 86 हजार 241 लोगों की मौत हुई और 2 लाख 71 हजार 581 लोग घायल हुए। 2018 में 1.52 लाख लोगों की मौत हुई। 2017 में यह आंकड़ा डेढ़ लाख लोगों का था। ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार सड़क दुर्घटना में मरने वाले 38 फीसदी लोग दोपहिया वाहन पर सवार थे। इन्हें ट्रक, बस या कार के साथ हुई भिड़ंत की वजह से जान गंवानी पड़ी। भारत में होने वाले सड़क हादसे में करीब 26 फीसदी खतरनाक या लापरवाह ड्राइविंग या ओवरटेकिंग की वजह से होते हैं। पिछले साल इनकी वजह से 42 हजार 500 लोगों की जान चली गई और एक लाख से अधिक लोग घायल हो गए। कोविड-19महामारी की रोकथाम के लिए देशभर में लॉकडाउन लगाया गया था। अप्रैल से लेकर जून 2020 तक सड़क हादसों में 20 हजार 732 लोगों की मौत हुई। जबकि 2019 में अप्रैल से जून के बीच 41 हजार 32 लोगों की सड़क हादसों में जान चली गई थी। शहरों में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पूरी तरह से नगरीय बस सेवाओं के भरोसे है। जिनमें ज्यादातर बसें पुरानी हो चुकी हैं। कई अध्ययनों में ये बात सामने आई है कि शहरों की सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए हमें इस समय सड़कों पर चल रही बसों के मुकाबले कई गुना अधिक बसों की जरूरत है। बसों की कम संख्या व बढ़ती भीड़ के चलते कोविड-19 के दौर में भी सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन नहीं हो पा रहा है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक 2019 में 4 लाख 37 हजार 396 सड़क हादसे हुए। इनमें एक लाख 54 हजार 732 लोगों की जान गई और 4 लाख 39 हजार 262 लोग घायल हुए। 59.6 फीसदी सड़क दुर्घटनाओं का कारण तेज रफ्तार रही। तेज रफ्तार की वजह से सड़क दुर्घटना में 86 हजार 241 लोगों की मौत हुई और 2 लाख 71 हजार 581 लोग घायल हुए। 2018 में 1.52 लाख लोगों की मौत हुई।

इससे कोरोना वायरस का संक्रमण बढ़ने का खतरा मंडराता रहता है। ड्राइविंग सिटी इंडेक्स सर्वे के अनुसार मुंबई और कोलकाता सड़क सुरक्षा के मामले में सबसे नीचे हैं। यहां रोड रेड की सबसे भयंकर घटनाएं दर्ज की गई हैं। भारत में रोड रेज की घटनाएं आमतौर पर तेज हॉर्न बजाना, अपनी लेन छोड़ कर घुसना, ओवरटेक करना और गलत लेन से तेजी से गाड़ी निकालना, गाली गलौज और कई बार मारपीट तक पहुंच जाती हैं। जिला परिवहन कार्यालयों द्वारा किए जाने वाले ड्राइविंग टेस्ट के दौरान लोगों को रोड रेज के बर्ताव के प्रति संवेदनशील होने की ट्रेनिंग नहीं दी जाती है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि देश में सड़कों के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है और मार्च 2021 तक प्रतिदिन 40 किलोमीटर सड़क निर्माण का लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। इसके लिए कवायद तेज कर दी गई है।

हमने प्रतिदिन 30 किलोमीटर से ज्यादा सड़क निर्माण का लक्ष्य हासिल कर लिया है। गडकरी ने उम्मीद जतायी कि 2025 तक सड़क दुर्घटनाएं और इसके कारण होने वाली मौतें 50 प्रतिशत तक कम हो जाएंगी। वर्तमान में देश में हर दिन सड़क दुर्घटनाओं में 415 लोगों की मौत हो जाती है। इनमें 70 प्रतिशत मौतें 18 से 45 साल के लोगों की होती हैं। जिसके परिणामस्वरूप हर साल सकल घरेलू उत्पाद के 3.14 फीसदी के बराबर दुर्घटना से होने वाली सामाजिक-आर्थिक हानि हुई है। सरकार सड़क दुर्घटनाओं और मौतों को कम करने के लिए तेजी से काम कर रही है। इसके लिए नीतिगत सुधारों और सुरक्षित प्रणालियों को अपनाया जा रहा है। 2030 तक भारतीय सड़कों पर जीरो एक्सीडेंट की दृष्टिगत करने की दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। गडकरी ने बताया कि तमिलनाडु में हादसों और मृत्यु संख्या में 53 प्रतिशत की गिरावट आयी है।

एक आहुति प्रकृति के नाम भी हो

ऋतुपर्ण दवे

हम पशुओं से प्यार करते हैं। हम पक्षियों से भी बेशुमार प्यार करते हैं। कई बार कोई नया पक्षी हमारी मुंडेर या घर की छत पर आता है तो हम चहक उठते हैं। बच्चों को आवाज लगाते हैं। उन्हें उस नए प्राणी के बारे में बताते हैं। खुश होते हैं। चुग्गा डालते हैं, उससे बात करने की कोशिश करते हैं। यहाँ तक पालने का भी मन हो जाता है। कुछ यही व्यव्हार हम पशुओं के साथ भी करते हैं। चिड़ियाघर जाते हैं तो तरह-तरह के जानवरों को देखते ही रह जाते हैं। दूर से ही सही उनके साथ सेल्फी लेने की कोशिश करते हैं। इतना ही नहीं कभी दूर किसी पिकनिक या दर्शनीय स्थान जाते हैं तो बन्दरों के लिए चना-गुड़ ले जाना नहीं भूलते। बड़ा अपनापन सा लगता है इनसे और ये अपने से लगने लग जाते हैं।

कितना ध्यान रहता है हमें इस सबका। लेकिन कया कभी सोचा है कि जिस प्रकृति के आशीर्वाद से हम सबको ता-उम्र एक-एक साँस का निःशुल्क वरदान मिला हुआ है, जिसमें सेहतमंदी के तमाम नुस्खे छुपे हैं उसके लिए भी कुछ जरूरी है? शायद नहीं! प्रकृति के साथ ऐसी बेईमानी क्यूँ? शायद इसका भी जवाब हमारे पास नहीं है। बस इसी उधेड़ बुन में हम प्रकृति से दूर होते चले जा रहे हैं। दिखावा, आडंबर, अभिजात्य बनने की होड़ में प्राकृतिक सुन्दरता और उसकी जरूरतों को हर पल नष्ट कर केवल और केवल कंक्रीट के महज 100-200 साल टिकाऊ ढ़ांचे को नए-नए तौर तरीके से बनाते रहते हैं। इस तरह हजारों, लाखों वर्षों से माँ सदृश्य धरती के गर्भ को सूखा करने और पिता सदृश्य आसमान का तापमान बढ़ा अपने गगनचुंबी निर्माणों को देख खुश हो लेते हैं। लेकिन इसकी कीमत धरती और आसमान किस कदर चुका रहे हैं जरा भी चिन्तित नहीं होते। कभी ध्यान ही नहीं गया कि नदी, नाले, कुँए, बावली अब किस्से सरीखे हो गए हैं। हो सकता है कि मौजूदा पीढ़ी ने कभी इन सबको अपने मूल स्वरूप में देखा भी न हो। तरक्की की अंधी दौड़ में उस प्रकृति को ही रौंदे जा रहे हैं जो कभी अपनी चीजों का उपयोग नहीं करती बस देना ही जानती है। यह भी भूल जाते हैं कि प्रकृति पर मौजूद हर जीव, जन्तु का समान अधिकार है। लेकिन यहाँ तो मनुष्य ही प्रकृति के अंधाधुंध दोहन में अपने

अधिकार और वर्चस्व की लड़ाई लड़ रहा है, अन्य जीवों चिन्ता कौन करे? वैज्ञानिकों से लेकर दार्शनिक, चिन्तक से लेकर उपदेशक सभी ने इस पर समझाने, चेताने की कोशिश की है। लेकिन विकास और खुद का आधिपत्य जमाने की अंधी होड़ में अगर ठेठ शब्दों में कहें अस्मत लूटी जा रही है तो वह है उसी प्रकृति की जिसके रहम पर सबका अस्तित्व है। लेकिन बस यही तो समझ नहीं आ रहा है। जानते हुए भी उसी के साथ क्रूरता जिसने अपनी विविधताओं भरे आहार-विहार और जल-जीवन से पाला। उसी प्रकृति पर ही हम पिल पड़े। हर दिन अपने जेब की खनक और शोहरत के लिए उसी पर तरह-तरह से भारी पड़ रहे हैं! ऐसी भी क्या इंसानियत जो पालने वाले की सगी न हो। हैरानी की बात यह है कि जानकर भी हम अंजान क्यूँ बने रहते हैं? दरअसल वर्तमान संदर्भ में प्रकृति और मनुष्य का संबंध गुरू और एक उद्दण्ड शिष्य जैसा होकर रह गया है। जिसे न गुरू की गरिमा का ध्यान है और उस शिक्षा का जिसका खामियाजा भुगतने के लिए हम अपनी अगली पीढ़ियों के साथ खुले आम नाइंसाफी, लेकिन सच कहें तो दोगलई कर रहे हैं। हम प्रकृति को इतना मजबूर करते जा रहे हैं कि कहीं उसकी नेमत मजबूर हो बद्दुआ में न बदलने लगे। इशारों को भी समझने की कोशिश नहीं की है कभी। सूखा, बाढ़, सैलाब, तूफान को समझने की कोशिश करें तो दिखता है यही तो उसका गुस्सा है। लेकिन फिर भी हम हैं कि मानते नहीं। प्रकृति से खिलवाड़ पर पाठ्य पुस्तकों में भी रोचक विषय के रूप में शामिल करने के प्रयास सराहनीय हैं। इन्हीं में से एक हिन्दी स्पर्श का पाठ-15 है जिसमें मुंबई में समुद्र के गुस्से को काफी प्रभावी ढ़ंग से समझाया गया है। जिसका आशय यह है कि समुद्र को लगातार सिमटने को मजबूर कर उसकी जमीन हथियाई जा रही थी। इस काम को बड़े बिल्डर अंजाम दे रहे थे। मजबूर समुद्र भी सिमटता रहा। पहले उसने टाँगों को समेटा, फिर उकड़ू बैठ गया, बाद में खड़ा हो गया। लेकिन तब भी जमीन हथियाने वाले नहीं माने तो उसे गुस्सा आ गया और लहरों बीच दौड़ते तीन जहाजों को तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली में गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने और तीसरा गेट-वे-ऑफइण्डिया पर गिरा। जहाजों में सवार भी बुरी तरह से घायल हो गए थे। पाठ्यक्रमों में ऐसी विषय वस्तु सराहनीय है। इन्हें और बढ़ाया जाना चाहिए। प्रकृति, मनुष्य और संतुलन के इतिहास और मानव सभ्यता में योगदान की जितनी ज्यादा संभव हो जानकारी नई पीढ़ी को देनी ही होगी। शायद तभी एक नई चेतना जागेगी। इसी से नई सोच के साथ सुधार भी हो पाएगा वरना हम प्रकृति को जैसे रौंद रहे हैं उन हालातों में लगता है कि मानव और प्रकृति का संबंध पोषक और शोषक के बीच बड़ी खाई में बदलते जाएंगे और परिणाम स्वरूप पालनहारी प्रकृति ही विनास की बलिहारी बन जाएगी। जरूरी है इन हालातों को और ज्यादा बिगड़ने से पहले ही समझें, जानें और सतर्क होकर रोकें। मनुष्य और प्रकृति के बीच के गहरे संबंध की समझ फिर से बढ़ानी होगी। जैसे महान वैज्ञानिक न्यूटन के गुरुत्वाकर्षण का सिध्दांत भी प्रकृति की ही देन है वैसे ही मौसम का वार्षिक चक्र और बदलाव भी जीवन को संवारने, सुधारने और व्यवस्थित करने का आधार है। प्रकृति ही सिखाती है कि कमल कीचड़ में खिलकर अपनी पहचान बनाता है। नदी में पानी का बहाव सदा ऊँचे से नीचे की तरफ होता है। पर्वत की ऊँची चोटी पर लगाई आवाज वापस उसी को सुनाई देती है। छोटे पेड़ों के मुकाबले बड़े को तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। यानी विज्ञान से लेकर सद्भाव, समभाव, क्रिया-प्रतिक्रिया जीवन के सारे यथार्थ और आदर्श भी किसी न किसी रूप में प्रकृति की ही देन है। बावजूद इसके प्रकृति की पुकार और जरूरत को न समझना बहुत बड़ी नादानी है। धरती की सूखती कोख, जहरीली गैसों से हाँफता आसमान, दरकते खेत, दम तोड़ती नदियाँ, नाले, कंक्रीट से तपते आंगन, बारिश के बावजूद धरती की अबुझी प्यास, जहाँ-तहाँ बड़े-बड़े ढेरों और पहाड़ों में तब्दील होते तथा रात-दिन जलते कचरों के ढ़ेर, सब कुछ हमारी ज्यादती का परिणाम है। केवल पाठ्य पुस्तकों में कुछ अध्याय जोड़ देने से हमारे कर्तव्य पूरे नहीं हो जाते। साथ ही लोकतंत्र के मंदिर में बैठकर कानून बना देने से भी ज्यादा कुछ हासिल हो रहा हो दिखता नहीं। जिस तरबतर नदी का सौंदर्य सुनहरी रेत होती थी, रेत माफियाओं से छलनी-छलनी हो बेवक्त सूख रही है। जो हरे-भरे पहाड़ वृक्षों के सौंदर्य से इठलाते थे वह वन और पत्थर माफियाओं के हाथों छलनी हो जीर्ण-शीर्ण से नजर आने लगे हैं। अंधाधुंध नलकूपों से कुँओं का गिरता जलस्तर, तालाब में पानी का टोटा तो आसमान में प्रदूषण का खोटा।

बीहड़ में स्त्री स्वाभिमान की जागरूकता

सूर्यकांत देवांगन

स्वास्थ्य विभाग के तमाम जागरूकता अभियानों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति जस की तस है। टीवी-अखबारों में सैनिटरी पैड्स के विज्ञापनों की गूंज गांवों तक तो है, परंतु उपयोग नही के बराबर है। आज भी ग्रामीण महिलाएं और किशोरियां के लिए घर के फटे-पुराने कपड़े ही पीरियड्स के लिए एकमात्र उपाय है, नतीजा उन्हें संक्रमण के रूप में झेलना पड़ता है।

opensearch

भारतीय समाज में आज भी बड़ी संख्या में महिलाएं पीरियड्स को लेकर कई मिथकों और संकोचों में अपना जीवन गुजार रही हैं। 'पीरियड्स' महिलाओं की जिंदगी से जुड़ा एक अहम विषय है, जिस पर खुलकर बात नहीं होती है। देश के बड़े शहरों में हालात जरूर थोड़े बदले हैं, लेकिन गांव और कस्बों में अभी भी ये चुप्पी का मुद्दा है, जिसे शर्म और संकोच की नजर से देखा जाता है। गांव की महिलाएं इस पर चर्चा न घर में कर पाती हैं और न ही अपनी किशोर बेटियों को इस बारे विस्तार से बता पाती हैं, जिस कारण साफ-सफाई के अभाव में गंभीर बीमारियों से संक्रमित होने का खतरा उनमें लगातार बना रहता है। स्वास्थ्य विभाग के तमाम जागरूकता अभियानों के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों की स्थिति जस की तस है। टीवी-अखबारों में सैनिटरी पैड्स के विज्ञापनों की गूंज गांवों तक तो है, परंतु उपयोग नही के बराबर है। आज भी ग्रामीण महिलाएं और किशोरियां के लिए घर के फटे-पुराने कपड़े ही पीरियड्स के लिए एकमात्र उपाय हैं, नतीजा उन्हें संक्रमण के रूप में झेलना पड़ता है। हालांकि अब इसमें धीरे धीरे बदलाव आ रहा है और ग्रामीण महिलाएं भी न केवल पैड्स का इस्तेमाल करने लगी हैं बल्कि ग्रामीण स्तर पर इसे तैयार भी किया जा रहा है। ऐसी ही जागरूकता छत्तीसगढ़ के कांकेर जिला स्थित दुर्गूकोंदल ब्लॉक मुख्यालय के करीब ग्राम खुटगांव में देखने को मिली है। जहां कुछ शिक्षित गृहिणी व नौकरीपेशा महिलाएं अपने क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को पीरियड्स के दौरान कपड़े का उपयोग और उससे होने वाली समस्याओं को विगत कई सालों से देखती आ रही थीं, जिसके बाद उन्होंने स्वयं क्षेत्र में जागरूकता लाने की पहल की।

इसके लिए उन्होंने शक्ति स्व-सहायता समूह का गठन कर सेनेट्री नैपकिन बनाने का काम शुरू किया। इस समूह में दस महिलाएं संगठित होकर गांव में ही स्त्री स्वाभिमान नाम से सैनिटरी पैड का निर्माण कर रही हैं, ताकि अपने क्षेत्र की लड़कियों और महिलाओं को पीरियड्स के दौरान सैनिटरी पैड्स उपयोग करने के लिए जागरूक कर सकें। केन्द्र सरकार के स्त्री स्वाभिमान योजना के तहत सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर) के माध्यम से समूह ने स्वयं से पैसे एकत्रित कर मशीन और रॉ-मटेरियल खरीदा है। समूह की महिलाएं कामकाजी होने के कारण उन्होंने गांव व आस-पास की अन्य महिलाओं को रोजगार दिया है, जो रोजाना पैड बनाने का कार्य करती हैं। तैयार सैनिटरी पैड्स को समूह के सदस्य गांव व आस-पास की महिलाओं को सस्ते दामों पर उपलब्ध करवा रही हैं ताकि उन्हें महंगे दामों पर बाजार में मिलने वाले सैनिटरी पैड्स नहीं खरीदना पड़े। पेशे से स्कूल शिक्षिका और समूह की सदस्या उतरा वस्त्रकार ने बताया कि शुरूआत में पैड बनाने के लिए हमें प्रशिक्षण दिया गया। एक सैनिटरी पैड को पूरी तरह तैयार करने में तकरीबन चार घंटे का समय लगता है, जिसमें सबसे पहले उसके रॉ-मटेरियल को मशीन की सहायता से काटकर, जेल पेपर व अलग-अलग शीट को गोंद की सहायता से चिपकाया जाता है, फिर हम उसे सूखने के लिए छोड़ देते हैं। पूरी तरह सूखने के बाद उसे मशीन के माध्यम से डिसइंफेक्शन किया जाता है, फिर अंत में रैपर में पैकिंग होती है। अपने पैड की गुणवत्ता पर बात करते हुए उन्होंने बताया कि बनाने के बाद सबसे पहले हमने स्वयं इसे उपयोग करके देखा है उसके बाद अब हम इसे दूसरी महिलाओं को उपयोग करने की सलाह दे रहे हैं। शक्ति स्व-सहायता समूह की अध्यक्षा एवं गांव की सरपंच सगनी तुलावी कहती हैं कि इस कार्य के पीछे हमारा उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को सैनिटरी पैड उपयोग करने के लिए जागरूक करना है, ताकि उन्हें विभिन्न बिमारियों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने बताया कि उनके गांव में 70 परिवार हैं, आज सभी परिवारों की लड़कियां और महिलाएं सैनिटरी पैड्स का ही उपयोग करती हैं।

इसके लिए वह समय-समय पर महिलाओं से मिलकर बातचीत भी करती रहती हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और समूह की सदस्या रीता वस्त्रकार बताती हैं कि जब वह इस क्षेत्र में रहने आई थी तो यहां की महिलाएं साफ-सफाई का बिल्कुल भी ध्यान नहीं रखती थीं। माहवारी के दौरान गंदा कपड़ा ही उनके द्वारा उपयोग किया जाता था। ज्यादातर महिलाओं को पीरियड्स और इस दौरान रखने वाली साफ सफाई के बारे में उचित जानकारी भी नहीं थी। लेकिन समय के साथ अब इनमें थोड़ा बदलाव आ रहा है। यह सब देखकर ही हमारे मन में हमेशा से यह ख्याल रहा कि इन महिलाओं के लिए कुछ करना चाहिए। इस संबंध में दुर्गूकोंदल क्षेत्र के ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर मनोज किशोर ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा हर छह महीने में स्कूलों व अन्य जगहों पर जागरूकता शिविर लगाया जाता है, जहां महिलाओं को माहवारी और उनके स्वास्थ्य से संबंधित जानकारियां दी जाती हैं। दुर्गूकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की महिला डॉक्टर पूजा पॉल कहती हैं कि ग्रामीण महिलाओं में सैनिटरी पैड्स को लेकर जागरूकता बहुत कम है, वह आज भी कॉटन का कपड़ा ही उपयोग करती हैं। खुटगांव की महिला शक्ति स्व-सहायता समूह की शुरूआत चार महीने पहले अक्टूबर 2020 में हुई है, अब तक इनके द्वारा लगभग दो हजार सैनिटरी नैपकिन पैकेट का निर्माण किया जा चुका हैं। इनके एक पैकेट में आठ पीस नैपकिन होता है जिसे वो केवल 30 रूपए में महिलाओं को उपलब्ध करवा रही हैं। इसके साथ ही समूह की महिलाओं ने जल्द ही अपने आस-पास के दो गांवों को गोद लेने की योजना बनाई है।

जहां वह प्रत्येक माह किशोरी बालिकाओं को निःशुल्क सैनिटरी पैड्स उपलब्ध करवाएंगी, ताकि उनके साथ-साथ पूरे गांव व क्षेत्र की महिलाओं में पीरियड्स के दौरान सैनिटरी पैड्स की उपयोगिता से संबंधित जागरूकता आ सके और बिमारियों से बच सकें। ग्रामीण क्षेत्रों में अशिक्षा और अज्ञानता के कारण महिलाएं गंभीर बिमारियों की चपेट में आ जाती हैं, साथ ही इन इलाकों के स्कूलों में पानी और शौचालय की सही व्यवस्था न होने की वजह से ड्रॉपआउट्स की सबसे ज्यादा संख्या छात्राओं की होती है।

नेशनल फैमिली हेल्थ का एक सर्वे बताता है कि भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में 48.5 फीसदी और शहरों में 77.5 फीसदी महिलाएं तथा औसतन कुल 57 फीसदी महिलाएं सेनेटरी पैड्स का इस्तेमाल करती हैं तथा सिर्फ साफ-सफाई के अभाव में ही एक चौथाई महिलाओं को यूरिन और फंगल इंफेक्शन जैसी गंभीर बिमारियों का सामना करना पड़ता है। छत्तीसगढ़ के बीहड़ क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं में पीरियड्स के दौरान सैनिटरी नैपकिन को लेकर जागरूकता बहुत ही कम है, कमोबेश यह स्थिति देश में अन्य राज्यों के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों की भी है। इसकी मुख्य वजह अशिक्षा तथा नैपकिन की कमी के साथ साथ इसके उपयोग संबंधी जागरूकता की कमी भी है। ऐसे में महिलाओं के स्वास्थ्य को देखते हुए राज्य और केन्द्र सरकार को खुटगांव की महिला शक्ति स्व-सहायता समूह जैसे विभिन्न समूहों के माध्यम से बड़े स्तर पर जागरूकता के लिए पहल की आवश्यकता है।

तिरंगे का अपमान यानी देश का अपमान

राजेश माहेश्वरी

केंद्र के तीन कृषि कानूनों के खिलाफ हरियाणा-यूपी से लगती दिल्ली की सीमा पर किसानों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इन कानूनों को लेकर किसानों की सरकार संग 11 दौर की वार्ता हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। गणतंत्र दिवस पर किसानों ने प्रस्तावित ट्रैक्टर रैली निकाली। जो किसान गणतंत्र दिवस से पूर्व दिल्ली के रिंग रोड पर ट्रैक्टर मार्च निकालने के लिए दिल्ली पुलिस से इजाजत मांग रहे थे।

उन किसान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड्स तोड़े, तय रूट के बजाय अलग रास्ता पकड़ा। सारी सीमाएं लांघते हुए लाल किले जैसे ऐतिहासिक स्थल पर कब्जा जमा लिया। लाल किले पर कब्जा जमाने के बाद उग्र किसानों ने उस जगह अपने झंडे फहरा दिए जहां सिर्फ देश का तिरंगा फहरता था। लालकिले की प्राचीर पर प्रदर्शनकारियों द्वारा दूसरा झंडा लगाना राष्ट्रीय झंडे का अपमान है। लाल किले पर इस तरह के झंडे फहराना किस तरह के लोकतंत्र का परिचय देता है? वे कौन से अधिकार हैं जिसने किसानों को हिंसा करने को अधिकृत कर दिया? ये कैसे अन्नदाता हैं जो हमलावर की तरह वार कर रहे हैं? ये घटना सीधे तौर पर देश के सत्ता, संविधान, संप्रभुता और लोकतांत्रिक व्यवस्था को चुनौती है। किसान आंदोलन की आड़ में देश विरोधी इस कृत्य की जितना निंदा की जाए उतना ही कम है। ट्रैक्टरों पर तेज आवाज के स्पीकर लगाए उपद्रवी ट्रैक्टरों के जरिए लाल किला परिसर में उपद्रव मचाते रहे। कोई ट्रैक्टरों को गोल-गोल घुमा रहा था तो कोई लाल किला प्राचीर के आगे ट्रैक्टर से करतब दिखा रहा था। वहीं, तलवार बाजी के जरिए लाल किला प्राचीर और मैदान में जमकर करतब दिखाए जा रहे थे। ट्रैक्टरों और ट्रकों पर चढ़कर सेल्फी खींची जा रही थी। और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। हिंसक भीड़ ने लाल किले पर तैनात पुलिसवालों पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। जान बचाने के चक्कर में कई जवान 15 फीट ऊंची दीवार से गिर गए। तो कई को हमलावरों से बचने के लिए कूदना पड़ा। इसका एक वीडियो सामने आया है। इस ट्रैक्टर परेड हिंसा में अब तक 86 पुलिसकर्मी घायल, कई पुलिसकर्मियों की हालत गंभीर बताई जा रही है, 45 पुलिसकर्मियों को अस्पताल में कराया भर्ती, सिविल लाइन अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती, 18 पुलिसकर्मी लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस का दावा है कि दिल्ली में हुई हिंसा में कुल 300 पुलिसकर्मियों को चोटें आई और वे घायल हुए हैं। इतना सारे उपद्रव, हिंसा होने के बाद, दिल्ली पुलिस के 86 पुलिस अधिकारी घायल होने के देखने के बाद भी चंद मीडिया हाउस बोल रहे हैं कि यह किसानों का शांतिपूर्ण आंदोलन था..!26 जनवरी की घटना से यह साफ हो चुका है कि 'टैक्टर परेड' का किसान आंदोलन से कोई सरोकार नहीं। महज

शक्ति-प्रदर्शन और सरकार को झुकाने की रणनीति है। हम भी किसानों को 'अन्नदाता' के अलावा देशभक्त भी मानते हैं। उनके बेटे-भाई सीमाओं पर देश की रक्षा में तैनात हैं, तो उसी गणतंत्र दिवस पर सुरक्षा और संप्रभुता की सीमाओं को क्यों लांघा जा रहा है? गणतंत्र आंदोलनकारी जमात का भी है। उसे संवैधानिक अधिकार हैं, लिहाजा धरने-प्रदर्शन और मोदी सरकार को गालियां देने के सिलसिले जारी हैं। बेशक यह अधिकारों का अवैध अतिक्रमण है और एक सशक्त, परिपक्व गणतंत्र को बदनाम करने की मंशा है। अधिकारों के साथ-साथ दायित्वों का भी एहसास होना चाहिए। किसान अपने गांव, कस्बे, जिले में भी गणतंत्र दिवस का पर्व मना सकते थे। सवाल यह भी है कि अपनी मांगे मनवाने के लिए देश के किसानों ने गणतंत्र के 71 सालों में राजधानी में 'ट्रैक्टर परेड' कब निकाली थी? तो इसी बार अराजकता फैलाने, सुरक्षा को तार-तार करने अथवा दुश्मन की साजिशों को साकार करने का दुस्साहस क्यों किया गया? गणतंत्र दिवस पर देश की वैश्विक छवि को कितना गहरा धक्का लगा, ये शायद ही किसी प्रदर्शनकारी ने नहीं सोचा होगा। क्या किसानों की ट्रैक्टर परेड से सरकार के साथ उनकी मांगों का गतिरोध समाप्त हो गया है? देश अपने किसानों की इज्जत करता है। उनके प्रति सहानुभूति भी रखता है, लेकिन देश ये कतई बर्दाश्त नहीं करेगा कि कोई उस किसान को सहारा बनाकर देश की प्रतिष्ठा के साथ खिलवाड़ करे। 26 जनवरी को जब देश पूरी दुनिया के सामने अपनी ताकत दिखा रहा था, तब किसानों को देश की सरकार ने इंटेलिजेंस इनपुट को अनदेखा करके जवानों के समानांतर मौका दिया। सरकार ने किसान नेताओं के दावों पर भरोसा किया।

किसान नेताओं ने वादे किए, लेकिन निभा नहीं पाए। गणतंत्र दिवस को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की सड़कों से लेकर लाल किले तक चले किसानों के हिंसक आंदोलन के बाद किसान नेता राकेश टिकैत का एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में टिकैत किसानों से लाठी-डंडा साथ रखने की बात कर रहे हैं। वीडियो में राकेश टिकैत ये कहते दिखाई दे रहे हैं कि किसानों से उनकी जमीन छीन ली जाएगी। सरकार मान नहीं रही है और अब सब आ जाओ, अपनी जमीन नहीं बच रही। एक तरफ कुछ किसान नेता दिल्ली में हुए उपद्रव को दुर्भाग्यपूर्ण बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि उनका उपद्रव करने वालों से कोई लेना देना नहीं है और न ही वे उनके संगठन से हैं। नेता क्या प्रदर्शन में सबसे पीछे चलता है या आंख, मोबाइल बंद रखकर खून खराबा होने देता है? योगेन्द्र यादव, राकेश टिकैत, हन्नान मुल्ला जैसे लोगों पर देश द्रोह का मुकदमा दर्ज करना चाहिए। हुर्रियत कॉन्फ्रेंस व इन नेताओं में क्या फर्क है। यह लोकतंत्र है, भविष्य के लिए यह सबक है कि वार्ता या समझौता केवल चुने प्रतिनिधि से होना चाहिए, जमानत जब्त हुए नेताओं से नहीं?

लोकतंत्र में इस प्रकार की घटनाओं के लिए कोई स्थान नहीं है। ये हिंसा देश में अराजकता फैलाने की सुनियोजित साजिश है। खून खौलाने वाली एक-एक तस्वीर देखकर यहीं अहसास होता है कि ये सब राष्ट्र विरोधी, अर्बन नक्सल और आतंकवादी ही कर सकते है। नक्सली दिमाग के इन घृणाजीवियों को अब नहीं बख्शा जा सकता और हिंसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही जरूरी है। आंदोलनकारियों पर पहले भी खालिस्तान समर्थक होने के आरोप लगते रहे हैं। वहीं दिल्ली पुलिस ने किसान आंदोलन के समर्थन में पाकिस्तान से चल रहे 300 से अधिक ट्विटर एकाउंट को भी सर्विलांस किया था। उपद्रवियों ने लाल किले पर कब्जा कर राष्ट्रीय ध्वज के स्थान पर विशेष निशान वाले झण्डे को फहराकर कहीं न कहीं उन पर लग रहे आरोपों को सही सिद्ध कर दिया है। किसान आंदोलन में शरजील इमाम, उमर खालिद और वरवरा राव के पोस्टर गलती से नहीं लगे थे। आज तो पूरे देश ने देख लिया किसानों के नाम पर आंदोलन करने वाले शरजील-उमर खालिद जैसे दंगाईयों के ही चेले हैं। ये आजाद भारत के सबसे शर्मनाक दिनों में से एक है। किसानों को इस आंदोलन और इसके इरादे समझने चाहिए। वास्तव में किसानों की आड़ में तमाम देश विरोधी ताकतें अपना एजेण्डा चला रही हैं। तिरंगा हमारे राष्ट्रीय सम्मान का प्रतीक है, तिरंगे का अपमान देश स्वीकार नहीं करेगा।

बिजली के निजीकरण के पीछे की असली वजह बताये सरकार: माथुर

मथुरा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल के पूर्व नेता प्रदीप माथुर ने केन्द्र सरकार की बिजली के निजीकरण की नीति की आलोचना करते हुए कहा है कि अब किन और कारपोरेट घरानों को फायदा देने के लिए बिजली के वितरण में निजीकरण का फार्मूला लागू करने का प्रयास किया जा रहा है। श्री माथुर ने मंगलवार को यहां पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि दुर्भाग्य है कि भाजपा सरकार का अपने ही कर्मचारियों से भरोसा हट गया है,तभी तो बिजली के वितरण क्षेत्र में निजी कम्पनियों को प्रवेश देने का प्रयास किया जा रहा है। बताया यह जा रहा है कि उपभोक्ताओं को बिजली वितरण में विकल्प देने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है जब कि हकीकत यह है कि बिजली के निजीकरण से आगरा, ग्रेटर नॉयडा और उड़ीसा के उपभोक्ता पहले से ही परेशान है क्योंकि निजी कम्पनियों द्वारा ठीक तरह से वितरण न करने की शिकायतों को कोई सुनने वाला नही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वाकई उपभोक्ताओं को बेहतर बिजली वितरण की सुविधा देना चाहती है तो उसे बिजली वितरण के वर्तमान ढांचे को दुरूस्त करना चाहिए और इसके बाद भी जहां पर कमी पाई जाती है, उन अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए लेकिन सरकार प्रतिस्पर्धा के नाम पर ऐसे से प्रतिस्पर्धा कराना चाहती है जिसका रिकार्ड पहले से ही खराब है। अगर सरकार वितरण के क्षेत्र में और सुधार चाहती है तो उसे निजी कम्पनियों को वितरण की जिम्मेदारी देने के पहले उनसे अपना इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने के लिए कहना चाहिए। जनता की गाढ़ी कमाई से बनाया गया इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रतिस्पर्धा के नाम पर निजी कम्पनी को देने का सरकार का निर्णय सरकार की मंशा पर प्रश्नचिन्ह लगाता है। श्री माथुर ने कहा कि यदि सरकार को प्रतिस्पर्धा ही करानी थी तो उसे बिजली के उत्पादन क्षेत्र में यह प्रयोग करना चाहिए था तथा निजी घरानों से अपना पावर प्लांट लगाने को कहना चाहिए था। प्रतिस्पर्धा के नाम पर बिजली वितरण का निजीकरण वास्तव में सरकार द्वारा अपने ही कर्मचारी के प्रति हीन भावना का प्रदर्शन है। जनता निजी घरानों को कमवाने के सरकार के प्रयास को स्वीकार नही करेगी।

भदोही में बाइक गैराज व दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

भदोही (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में भदोही जिले के चौरी थाना इलाके में बाइक गैराज एवं पार्टस की दुकान में आग लगने से छह मोटरसाइकिल समेत लाखो कर सामान जल गया। दमकल सूत्रों के अनुसार चौरी थाना क्षेत्र में लक्षापुर अमवाखुर्द निवासी कृष्णा कुमार विश्वकर्मा की दुकान में अराजकतत्व ने मंगलवार तड़के करीब तीन बजे आग लगा दी। जिससे छह बाइक तथा अन्य सामान जल गया। दुकान मालिक के अनुसार आग से करीब 12 लाख रुपये के नुकसान की आशंका है। उन्होंने बताया कि इस सिलसिले में अराजकतत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बस्ती में गलत रिपोर्ट लगाने वाले ग्रामपंचायत अधिकारी के विरूद्ध निलंबन की कार्रवाई

बस्ती (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बस्ती जिले के विकास खण्ड रामनगर में तैनात ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल कुमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना में झूठी रिपोर्ट लगा दी है। ग्राम पंचायत अधिकारी को निलंबित करने का आदेश जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने दिया है। मंगलवार को भानपुर तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में पीड़ित बरगदवा ग्राम निवासी रामसेवक ने जिलाधिकारी के समक्ष अपनी समस्या रखते हुये कहा कि वो प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी थे लेकिन ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल कुमार ने झूठी रिपोर्ट लगाकर इस योजना से वंचित कर दिया। जिलाधिकारी ने ग्राम पंचायत अधिकारी अनिल कुमार को निलम्बित करने का निर्देश दिया।

जौनपुर में पाईप बिछाने के विवाद को लेकर तड़तडाई गोली, बीए की छात्रा घायल

जौनपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के खुटहन इलाके के बेसहूपुर गॉव में मंगलवार की सुबह सिंचाई के लिये प्लास्टिक की पाइप बिछाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के बीच गोली चलने से एक बीए की छात्रा सीमू तिवारी गम्भीर रूप से घायल हो गयी। उसका उपचार जिला चिकित्सालय जौनपुर में चल रहा है। दोनों पक्षों से कुल चार लोग लाठी डंडे व ईंट पत्थर के हमलों से घायल है। पुलिस के अनुसार बेसहूपुर गॉव निवासी सभाशंकर तिवारी व दिनेश तिवारी के बीच वर्षो से जमीन का विवाद चला आ रहा है। इस मामले में 5 माह पूर्व दोनों पक्षों में मारपीट हुई थी। जिसमें दोनों पक्षों से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्जकर कार्रवाई की थी। एक पक्ष दिनेश तिवारी के भाई श्री चन्द्र तिवारी का आरोप है कि सभा शंकर तिवारी के घर के लोगों ने मंगलवार की सुबह दरवाजे के सामने पालतू मवेशी बांधने के स्थान से सिंचाई के लिए पाईप बिछा दिया। जबकि पाईप भी फटी थी। जिससे पानी फैलने के कारण द्वार की मिट्टी गीली हो जाती है। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया। लाठी डण्डा व ईट पत्थरों के बीच तकरीबन तीन राउण्ड चली गोली से बीए तृतीय वर्ष की छात्रा श्री चन्द्र तिवारी की पुत्री सीमू तिवारी घायल हो गयी। मारपीट में श्री चन्द तिवारी व विपक्षी सभा शंकर तिवारी व उनके दो बेटों को चोटें आई। जिनका उपचार स्थानीय सीएचसी पर चल रहा है।

औरैया में प्रधानमंत्री शहरी आवास की जांच में 26 लाभार्थी अपात्र

औरैया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में औरैया जिले की नगर पंचायत बिधूना में अपात्रों को प्रधानमंत्री शहरी आवास दिए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी द्वारा करायी जा रही जांच में 26 लाभार्थी अपात्र पाये गये। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को यहां कहा कि नगर पंचायत बिधूना में सभासदों एवं जांच एजेंसी की मिली भगत से अपात्र व्यक्तियों को प्रधानमंत्री शहरी आवास आवंटित कर दिए जाने की शिकायत पर पूर्व में लेखपालों व संग्रह अमीनों द्वारा लाभार्थियों की जांच करायी गयी थी। जांच के बाद रिपोर्ट जिलाधिकारी कार्यालय में भेज दी गयी थी। इसी बीच आये नये जिलाधिकारी सुनील कुमार वर्मा ने अतिरिक्त उपजिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम गठित कर आवासों की पुनः जांच के आदेश दिए गये। टीम ने सोमवार को मौके पर जाकर प्रधानमंत्री आवासों की पुनः जांच की, जिसमें 26 लाभार्थी अशोक कुमार, पान कुमारी व रामप्यारी निवासी चन्दरपुर, नीलम पालीवाल पुराना बिधूना, संदीप कुमार व शालू यादव लोहियानगर, विनोद भदौरिया लोहामंड़ी, सुरेश चन्द्र, मुन्नी देवी व राधा यादव नबीनवस्ती पश्चिमी, मायादेवी व सीमा वर्मा जवाहरनगर, अनीता कटियार, गीता देवी व पिन्टू नाथ आर्दशगनर, कमला शर्मा किशोरगंज, सत्येन्द्र कुमार द्विवेदी, मीरा देवी, शीतला व शोमित मिश्रा सूरजपुर, सुदामा लाल, चन्दन, कल्पना, आशीष याज्ञनिक व कुरैशा वेगम अम्बेडकर नगर, किरन निवासी तिलकनगर अपात्र पाये गये। उपजिलाधिकारी बिधूना राशिद अली ने बताया कि प्रधानमंत्री आवासों की जांच में 26 लाभार्थी अपात्र पाये गये है जिनसे आवंटित धनराशि की वसूली की जायेगी।

शाहजहांपुर में डबल डेकर बस पलटने से 18 घायल

शाहजहांपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में अंबेडकर नगर से पंजाब जा रही एक डवल डेकर बस पलट जाने से हादसे में 18 लोग घायल हो गए है। पुलिस ने आज यहां कहा कि अम्बेडकर नगर से पटियाला (पंजाब) सबारिया लेकर जा रही डवल डेकर बस सोमवार की देर रात जमुका तिराहे के पास अनियंत्रित होकर पलट गई ,बस की गति काफी तेज होने के कारण चालक सन्तुलन खो बैठा था। उन्होंने बताया कि बस पलटते ही चीख पुकार मच गई। पुलिस ने बस में फंसी सवारियों को बाहर निकला। पुलिस ने कहा कि हादसे में 18 लोग घायल हो गए जिन्हे राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

कानपुर पुलिस ने इंसानियत को किया शर्मशार, विकलांग महिला से डीजल डलवाया

कानपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की कानपुर पुलिस ने ऐसा कारनामा किया है जिससे खाकी शर्मसार हो गई है। योगी सरकार और पुलिस विभाग की किरकिरी कराने का ऐसा ही एक मामला कानपुर डीआईजी ऑफिस में देखने को मिला जब एक विकलांग महिला रो-रो कर अपनी बच्ची को ढूंढने की गुहार लगा रही थी और कह रही थी साहब 1 महीने हो गया है अब तो हमारी बच्ची से हमसे मिलवा दो। उसने यह भी कहा कि साहब पुलिस वाले भैया ने डीजल के पैसे मांगे थे।

मैंने वह भी दे दिए फिर भी मेरी बच्ची को ढूंढ कर नहीं ला रहे हैं। पीड़ित विकलांग महिला की गुहार सुन डीआईजी प्रितिंदर सिंह भी दंग रह गए और उन्होंने पीड़ित विकलांग महिला को बैठा कर उसे पानी पिलाया और फिर पूरी उसकी समस्या को सुना और जल्द से जल्द बच्ची को ढूंढने का आश्वासन भी दिया।

विकलांग महिला ने थाना चकेरी की चौकी सनिगवां के चौकी इंचार्ज राजपाल सिंह पर लगाए गए गंभीर आरोपों को देखते हुए विकलांग महिला के सामने ही तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर विभागीय जांच के आदेश भी दिये।

और फिर पुलिस स्कॉट से विकलांग महिला को घर तक छोड़ने के निर्देश भी मौके पर मौजूद पुलिस कर्मियों को दिए।

कानपुर के थाना चकेरी के अंतर्गत सनिगवां निवासी विकलांग विधवा वृद्धा गुड़िया की नाबालिग बेटी एक माह से लापता है.जिसकी थाने में गुमशुदगी भी दर्ज की गई

थी। विकलांग महिला ने अपने ही दूर के एक रिश्तेदारों पर बेटी को गायब करने का आरोप लगाया था।

लेकिन पुलिस उसकी बात को नहीं ध्यान दे रही थी। चौकी जाने पर उसे डांट कर भगा दिया जाता था। विकलांग महिला गुड़िया ने बताया पुलिस से वह लगातार बेटी को खोजने की गुहार लगा रही थी.मगर पुलिस ने बेटी खोजने के नाम पर उससे गाड़ी में डीजल डलवाने की बात कही और उसने वह भी किया और लगभग 10 से 12 हजार रुपए का डीजल पुलिस की गाड़ी में डलवा चुकी है। महिला ने यह भी बताया एक दो बार पुलिस वाले गाड़ी से बेटी को लेने के लिए गए भी थे पर बेटी को लेकर नहीं आए। उसने बताया कि अब उसके पास पैसे नहीं है अब वह डीजल कहां से डलवा है उसने यह भी बताया कि वह लखनऊ में मुख्यमंत्री के ऑफिस तक शिकायत करने के लिए गई थी लेकिन वहां से भी कुछ नहीं हुआ और लौट के फिर उसे चौकी जाना पड़ा जहां उसके साथ पुलिस वाले सिर्फ गाली-गलौज और दुत्कार कर भगा देते हैं और बेटी पर ही गलत होने का आरोप लगाते हैं। पूरे मामले को लेकर डीआईजी कानपुर डॉ. प्रितिंदर सिंह ने बताया कि थाना चकेरी पर अभियोग पंजीकृत है लड़की की बरामदगी के लिए सीओ कैंट के निर्देशन में 4 टीमे गठित की गयी और चौकी इंचार्ज सनिगवां उ.नि. राजपाल सिंह को लाइन हाजिर कर विभागीय जांच के आदेश दिये गये।

किसान आंदोलन: सियासी जमीन बनाने में जुटा रालोद

लखनऊ (एजेंसी)। तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसानों के आंदोलन के जरिए राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) अपनी खोयी जमीन को पाने में जुटा है। हलांकि इस आंदोलन में अन्य विपक्षी दल भी राजनीति चमकाने के प्रयास में लगे है। मगर इसका सियासी फायदा रालोद को मिलने की संभावनाएं अभी नजर आ रही हैं। 26 जनवरी को लाल किला की घटना के बाद जब चारों तरफ से किसान आंदोलन को दबाने की कोशिशें हुई, तो एक बारगी लगा था कि अब यह आंदोलन इतिहास बनकर रह जाएगा। मगर 28 जनवरी की रात गाजीपुर बॉर्डर पर रोते हुए राकेश टिकैत ने जब भावनात्मक अपील की तो वहीं से किसान आंदोलन ने पलटी मार दी। नतीजा, पुलिस की हिम्मत नहीं हो सकी कि वह राकेश टिकैत को गिरतार कर ले। इसके बाद से हुई महापंचायतों में भाकियू रालोद की दोस्ती का रंग चटक होने लगा है। किसान आंदोलन पर चढ़ रहा सियासी रंग रालोद को संजीवनी भी दे सकता है। पश्चिमी यूपी की राजनीति में हमेशा से किसान प्रभावित रही है। इसी कारण चौधरी चरण सिंह प्रधानमंत्री की गद्दी पर विराजमान हुए थे। अजित सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे नेताओं में गिने जाते हैं जो लगभग हर सरकार में मंत्री रहे हैं। वे कपड़ों की तरह सियासी साझेदार बदलते रहे हैं। नए-नए प्रयोग करने वाले रालोद के रिकॉर्ड पर गौर करें तो वर्ष 2002 में भाजपा से गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ते हुए रालोद के कुल 14 विधायक जीते थे। वर्ष 2009 में भाजपा से गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ा और उनके पांच सांसद जीते। उस चुनाव में रालोद के कोटे में सात सीटें आयीं और यह अब तक का उसका सबसे ठीक ग्राफ रहा है। वर्ष 2012 में कांग्रेस के साथ मिलकर लड़े विधानसभा चुनाव में महज नौ सीटे

ही मिली। 2014 नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय पटल पर उदय होने का साल था जो रालोद के लिए बेहद निराशाजनक रहा। यहीं से उनके धरातल पर जाने की कहानी शुरू होती है। 2017 में कांग्रेस से मिलकर लड़ने के बाद भी रालोद एक विधानसभा सीट छपरौली ही जीत पाई और वह विधायक भी भाजपा में चला गया। साल 2019 में लोकसभा चुनाव में एक भी सीट न होने के बावजूद जातीय समीकरण के चलते इन्हें सपा-बसपा के बीच गठबंधन में जगह मिली। वहां भी यह सफल नहीं हो सके। तब से लगातार अपनी सियासी जमीन बचाने के प्रयास में लगे हैं। 28 जनवरी की रात किसानों के लिए टर्निंग प्वाइंट साबित हुई। उसको जयंत ने सही समय पर लपक कर आगे बढ़ने में लगे। 29 जनवरी को हुई पंचायत में नरेश टिकैत ने मुजफ्फरनगर में पंचायत बुलाई, यहीं समीकरण में बदलाव देखे गये। यहां नरेश ने जयंत को मंच में बुलाकर एकता का संदेश दिया। 2019 में चुनाव में जयंत के परिवार सफलता न मिलने पर मलाल भी व्यक्त किया। वरिष्ठ राजनीतिक विश्लेषक रतनमणि लाल कहते हैं कि राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की 2012, 2014, 2017, 2019 के चुनावों में सीटें कम हुई है। इनका जनाधार कम हुआ है। अजीत सिंह राजनीति से रिटायरमेंट ले चुके है। उनकी बातों का वजन अब किसानों की बीच नहीं बचा है। वह किसानों के लिए कुछ नहीं कर पाए। अजीत सिंह जननेता नहीं बन पाए। चरण सिंह के बेटे के नाते उनकी प्रासंगिकता नहीं बन पायी। किसान आंदोलन से उन्हें संजीवनी मिली है। मुस्लिम, जाट की एकता से उन्हें सफलता मिलती रही है। वह भी मुजफ्फरनगर दंगे से टूट गयी थी। लेकिन वह इस किसान आंदोलन के माध्यम से एक बार फिर बनती दिख रही है। टिकैत को लगता है कि यूपी में यह आंदोलन राजनीति के समर्थन से फल-फूल सकता है।

यूपी में 10 आईएएस अफसरों के तबादले, अरविंद कुमार से छिना ऊर्जा विभाग

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार ने शासन स्तर पर शीर्ष 10 अधिकारियों के तबादले देर रात कर दिए। जिसमें अपर मुख्य सचिव भर्जा अरविंद कुमार से विभाग की जिम्मेदारी छीन ली गई है। वहीं आलोक टंडन के केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर जाने से रिक्त अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त (आइआइडीसी) पद का अतिरिक्त प्रभार मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी को सौंप दिया गया है। ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखे जाने के बाद इस विभाग में वर्षो बाद अपर मुख्य सचिव और पावर कारपोरेशन के सीएमडी के पद पर अलग-अलग आईएएस को तैनात किया गया है।

अब कृषि उत्पादन आयुक्त आलोक सिन्हा को जहां ऊर्जा व अतिरिक्त ऊर्जा विभाग का भी दायित्व सौंपा गया है, वहीं एम् देवराज पावर कारपोरेशन के सीएमडी और जल विद्युत निगम व उप्र राज्य विद्युत उत्पादन निगम तथा पारेषण निगम के अध्यक्ष बनाए गए हैं। हालांकि, अरविंद कुमार के प्रति सरकार का भरोसा बना हुआ है और उन्हें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के साथ आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की एक साथ जिम्मेदारी दी गई है। विधानमंडल के बजट सत्र से पहले अपर मुख्य सचिव वित्त एवं वित्त आयुक्त संजीव मित्तल का तबादला करते हुए इस पद पर एस् राधा चौहान को तैनात किया गया है।

बजट की तैयारियों के बीच मित्तल को हटाने के पीछे वित्त विभाग की अड़ंगेबाजी वाली कार्यशैली को माना जा रहा है। एस् राधा चौहान को अपर मुख्य सचिव वित्त एवं वित्त आयुक्त की नई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। राधा के पास महिला कल्याण तथा बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग का अब अतिरिक्त प्रभार रहेगा। इन तबादलों से सरकार ने एक बार फिर यह संदेश दिया है कि अफसरों द्वारा जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा स्वीकार नहीं होगी। दरअसल, संजीव मित्तल के खिलाफ वित्तीय प्रावधान के बावजूद वित्तीय आवंटन से जुड़े प्रस्ताव लटकाने की शिकायतें आम हो गई थीं।

opensearch

उप्र ऊर्जा मंत्री ने नए अफसरों को बताई सरकार की मंशा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने विभाग में तैनात हुए नए अफसरों को विभाग की चुनौतियों और सरकार की मंशा के बारे में अवगत कराया है। ऊर्जा मंत्री ने मंगलवार को ट्विटर के माध्यम से लिखा कि, उपभोक्ताओं का उत्पीड़न स्वीकार्य नहीं। सरकार उपभोक्ताओं की है। प्रमुख सचिव ऊर्जा, उपभोक्ता सेवाओं की सतत निगरानी करें। अनियमितता मिलने पर संबंधित की जवाबदेही तय कर कठोर कार्रवाई करें। उन्हांने एक अन्य ट्वीट में लिखा कि सही बिल समय पर उपभोक्ता को मिले, बिलिंग शत-प्रतिशत हो। यह यूपीपीसीएल के चेयरमैन सुनिश्चित करें। लापरवाह डिस्कॉम्स पर दंडात्मक कार्यवाही करें, उपभोक्ता सेवाओं में शिथिलता स्वीकार्य नहीं। ज्ञात हो कि अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा व पावर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन अरविंद कुमार के खिलाफ ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा ने खुलेआम मोर्चा खोल दिया था। उन्होंने मुख्यमंत्री से पावर कार्पोरेशन चेयरमैन व अपर मुख्य सचिव ऊर्जा के पद पर अलग-अलग अफसरों की तैनाती का आग्रह किया था। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा अरविंद कुमार को हटा दिया गया और ऊर्जा विभाग में अपर मुख्य सचिव व पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन के पद पर

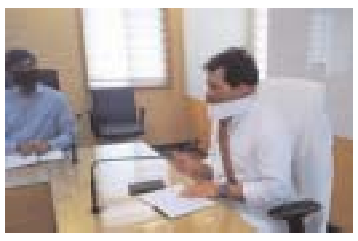

अलग-अलग अधिकारी तैनात कर दिए गए हैं। पावर कार्पोरेशन व ऊर्जा से जुड़े अन्य निगमों के चेयरमैन व एमडी के पद पर एम. देवराज को तैनाती दे दी गई है। हालांकि, अरविंद कुमार के प्रति सरकार का भरोसा बना हुआ है और उन्हें अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास के साथ आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की एक साथ जिम्मेदारी दी गई है।

स्ट्रॉबेरी की खेती करने वाली गुरलीन को सीएम योगी ने सराहा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के झांसी में स्ट्रॉबेरी की खेती की पहल करने वाली गुरलीन चावला प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात से सुर्खियों में आ गयी है। उनसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात कर उनके कार्य की प्रशंसा की। योगी ने गुरलीन को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की खेती के लिए बुंदेलखंड के दूसरे किसानों को भी प्रेरित करें। बुंदेलखंड क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा दे रही झांसी निवासी गुरलीन चावला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने उनके सरकारी आवास पर पहुंचीं। सराहना करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि गुरलीन ने अपने संकल्प और परिश्रम से झांसी की धरती को स्ट्रॉबेरी की खेती के अनुकूल बनाया है। ऐसी अभिनव पहल से अधिक से अधिक किसानों को जोड़ा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को कृषि विविधीकरण के इस प्रयास में जागरूक करें। जैविक खेती को प्रोत्साहित करना जरूरी है। कृषि उत्पाद को ऑर्गेनिक प्रमाणित करने के लिए मंडल स्तर पर प्रयोगशाला की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में स्ट्रॉबेरी की खेती जहां एक ओर किसानों की आमदनी बढ़ाने में सहायक होगी, वहीं दूसरी ओर स्ट्रॉबेरी महोत्सव जैसे आयोजनों से बाजार की जरूरतों को भी पूरा करने में मदद

मिलेगी। सुल्तानपुर में ड्रैगन फ्रूट और झांसी में स्ट्रॉबेरी की खेती का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों में किसानों ने अपने परिश्रम से ऐसी फसलें उगाई, जिनके बारे में यह धारणा थी कि ये स्थानीय जलवायु और भूमि के अनुकूल नहीं थीं। गौरतलब है कि गुरलीन चावला ने झांसी जिले में स्ट्रॉबेरी की खेती का सफल प्रयोग किया। रविवार 31 जनवरी को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्ट्रॉबेरी की सफलतापूर्वक खेती के लिए गुरलीन चावला के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा था कि स्ट्रॉबेरी महोत्सव जैसे आयोजन यह दर्शाते हैं कि हमारा देश कृषि क्षेत्र में किस प्रकार नवीनतम तकनीकी को अपना रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि, पिछले दिनों झांसी में एक महीने तक चलने वाला स्ट्रॉबेरी फेस्टिवल शुरू हुआ। हर किसी को आश्चर्य होता है स्ट्रॉबेरी और बुंदेलखंड लेकिन, यही सच्चाई है। अब बुंदेलखंड में स्ट्रॉबेरी की खेती को लेकर उत्साह बढ़ रहा है, और, इसमें बहुत बड़ी भूमिका निभाई है झांसी की एक बेटी गुरलीन चावला ने। लॉ की छात्रा गुरलीन ने पहले अपने घर पर और फिर अपने खेत में स्ट्रॉबेरी की खेती का सफल प्रयोग कर ये विश्वास जगाया है कि झांसी में भी ये हो सकता है। झांसी का स्ट्रॉबेरी फेस्टिवल स्टे एट होम कांसेप्ट पर जोर देता है। इस महोत्सव के माध्यम से किसानों और युवाओं को अपने घर के पीछे खाली जगह पर, या छत पर टेरेस गार्डन में बागवानी करने और स्ट्रॉबेरी उगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

यूपी में चौरी चौरा दिवस पर बनेगा अनोखा विश्व रिकॉर्ड

पूरे प्रदेश में एक साथ गूंजेगा वंदेमातरम

लखनऊ (एजेंसी)। चौरी चौरा कांड शताब्दी वर्ष महोत्सव के तहत उत्तर प्रदेश की योगी सरकार वंदेमातरम् गायन का विश्व रिकॉर्ड बनाने की तैयारी में है। संस्कृति विभाग तीन से चार फरवरी तक सभी जिलों गायन की व्यवस्था कर रहा है। इस संबंध में प्रमुख सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने शिक्षा विभाग के साथ ही सभी मंडलायुक्त और जिलाधिकारियों के लिए आदेश जारी किया है।

आदेश में कहा गया है कि चौरी-चौरा और स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को नमन करते हुए सैल्यूट मुद्रा में वंदेमातरम् के पहले छंद का गायन कर वीडियो बनाना होगा। इसके लिए हर जिले में इंटरनेट सुविधायुक्त शैक्षिक संस्थान और अन्य उपयुक्त स्थलों का चयन करना होगा। हर केंद्र के लिए एक नोडल अधिकारी होगा। दो फरवरी को रिहर्सल किया जाएगा। फिर तीन फरवरी को सुबह दस से चार फरवरी दोपहर 12 बजे तक गायन कर वीडियो बनाने होंगे। वीडियो अपलोड करने के लिए तीन फरवरी को सुबह नौ बजे गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड द्वारा वेबसाइट और लिंक उपलब्ध कराया जाएगा। आदेश में कहा गया है कि एक वीडियो में एक ही व्यक्ति सैल्यूट की मुद्रा में नजर आना चाहिए। वीडियो न्यूनतम 20 सेकंड का होना चाहिए, जिसमें उच्चारण बिल्कुल स्पष्ट रहे। शहीदों की स्मृति को नमन करते हुए दीप-प्रज्वलन आजादी की लड़ाई के सुनहरे अध्याय चौरीचौरा घटना के शताब्दी वर्ष की शुरुआत पर उत्तर प्रदेश में समवेत राष्ट्रगीत वंदेमातरम् गूंजेगा। गोरखपुर जिले स्थित चौरीचौरा स्मृति स्थल से लेकर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्वाधीनता संग्राम से जुड़े स्थान और 1947 से अब तक देश की रक्षा करते हुए शहादत देने वाले अमर शहीदों के स्मृति स्थल, हर कहीं वंदेमातरम् गायन होगा। यही

नहीं, चार फरवरी की शाम पूरा प्रदेश सभी ज्ञात-अज्ञात शहीदों की स्मृति को नमन करते हुए दीप-प्रज्वलन भी करेगा। निर्धारित लय में होगा वंदेमातरम गायन पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौरीचौरा शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रमों के तैयारियों की समीक्षा करते हुए कहा था कि समवेत वंदेमातरम् गायन के लिए यह जरूरी है कि एक निर्धारित लय में ही गायन हो। स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय हों अथवा शहीद स्मृति स्थल, सभी स्थानों पर इस संबंध में पूर्वाभ्यास कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभातफेरी के माध्यम से कार्यक्रम की शुरुआत हो। पुलिस बैंड के माध्यम से राष्ट्रभक्ति के गीतों भी बजाए जाएं। सीएम योगी ने कहा कि चार फरवरी, 2021 से चार फरवरी, 2022 तक चलने वाले चौरीचौरा शताब्दी वर्ष समारोह के प्रथम दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विशेष उद्बोधन भी होगा। शिक्षण संस्थानों में होंगी विविध प्रतियोगिताएं : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चौरीचौरा के इतिहास से जुड़े स्तरीय साहित्य युवाओं को उपलब्ध कराने और अभिलेखों की प्रदर्शनी लगाने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने बेसिक, उच्च, माध्यमिक, कृषि और चिकित्सा शिक्षा विभागों से शताब्दी वर्ष के दौरान वर्षभर होने वाली गतिविधियों की जानकारी भी ली। कार्ययोजना के मुताबिक शताब्दी समारोह के तहत स्कूलों में निबन्ध लेखन, वाद-विवाद, काव्य-पाठ, पेंटिंग आदि प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही, प्रदर्शनियां, पुस्तक मेला तथा अन्य कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। समारोह के समापन अवसर पर विजेताओं को सम्मानित भी किया जाएगा। आयोजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी 'चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव' के आयोजन के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश समस्त विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, समस्त मंडलायुक्तों व जिलाधिकारियों को जारी किए गए हैं। मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव की राज्य स्तरीय आयोजन समिति द्वारा अनुमोदित तथा लोकार्पित प्रतीक चिन्ह का प्रयोग समस्त सरकारी पत्राचारों, प्रकाशनों, स्टेशनरी एवं वर्ष भर आयोजित होने वाले समस्त आयोजनों में अनिवार्य रूप से किया जाएगा। चार फरवरी को पूरे प्रदेश में प्रभातफेरी का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने आयोजनों में कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करने के निर्देश दिए हैं।

हरियाणा के निकिता तोमर हत्याकांड में आरोपित की दोबारा जांच की याचिका HC ने खारिज की

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने फरीदाबाद के निकिता तोमर हत्याकांड के मुख्य आरोपित तोहसिफ को झटका दिया है। हाई कोर्ट ने आरोपित तोहसिफ की मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच की मांग की याचिका मंगलवार को खारिज कर दी है। हाई कोर्ट के जस्टिस सुदीप आहलूवालिया ने इस मामले में सुरक्षित रखे फैसले को सुनाते हुए यह आदेश जारी किया। तोहसिफ ने धार्मिक पूर्वाग्रह के चलते उसे फंसाने का आरोप लगाया, मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की थी कोर्ट ने कि याचिका कर्ता आरोपित तोहसिफ के इस आरोप को नकार दिया कि राजनीतिक नेताओं, मीडिया और पंचायत के दबाव के कारण पुलिस ने जांच की। तोहसिफ ने याचिका में कहा था कि दबाव के कारण पुलिस ने पूरी तरह से त्वरित और पूर्व-निर्धारित तरीके से सिर्फ 11 दिनों की समय सीमा में जांच कर चालान पेश कर दिया। उसने चालान जल्दबाजी में पेश करने व वैज्ञानिक तरीका नहीं अपनाने के आरोप भी लगाए थे। इस पर हाई कोर्ट ने कहा कि जब मामले में फोरेंसिक रिपोर्ट आएगी तो जांच दल सप्लीमेंटरी चालान पेश कर सकता है। जांच दल के पास सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों की गवाही व काल डिटेल जैसे पुख्ता सुबूत है। ऐसे में जल्द चालान पेश करने में दबाव के आरोप सही नहीं है। 21 साल के तोहसिफ और उसके साथी मोहम्मद रिहान ने हाई कोर्ट के समक्ष दायर याचिका में इस पूरे मामले की पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की देखरेख में निष्पक्ष तरीके से जांच कराने की मांग की थी। तोहसिफ और रिहान के अनुसार उन्हें इस मामले में फंसाया गया है। उसके खिलाफ मामला मीडिया ट्रायल, पक्षपाती राय और जांच अधिकारियों के धार्मिक पूर्वाग्रह का परिणाम है। इस चालान को उन्होंने इससे पहले 23 नवंबर, 2020 को, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश फरीदाबाद के सामने चुनौती दी थी लेकिन उनकी अर्जी खारिज कर दी गई। याचिका में आरोप लगाया गया कि निकिता तोमर के परिवार ने आनर किलिंग के चलते उसका मर्डर किया है, उसे छुपाने के लिए, उनको फसाया जा रहा है और उनको आरोपी बनाया गया है। इस लिए हाई कोर्ट अब इस मामले की नए सिरे से जांच के आदेश दे।

बिना नक्शा पास कराए संचालित रिजोर्ट करें सील डीसी

नूंह (एजेंसी)। लघु सचिवालय स्थिति कार्यालय में उपायुक्त धीरेंद्र खड़गटा की अध्यक्षता में हुई जिला टास्क फोर्स की बैठक में उन्होंने सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शहर में बिना नक्शा पास करवाए चल रहे रिजोर्ट को नोटिस देकर उनको सील करें। जिला नगर योजनाकार विभाग उनके क्षेत्र में बिना नक्शा पास करवाए बन रहे मकानों और अन्य निर्माण कार्यों पर रोक लगाएं। कोई भी व्यक्ति निर्माण कार्य को बगैर अनुमति एवं विभागीय कार्यवाही पूरी किए करता है तो उसके खिलाफ नोटिस जारी कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अवैध कालोनियां विकसित करने वाले लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही अमल में लाई जाए। शहर के आसपास और मुख्य स्थानों पर आम नागरिकों की जागरूकता के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। इन बोर्ड पर अवैध निर्माण कार्य के परिणाम स्पष्ट लिखे हों। उपायुक्त ने आदेश दिए कि सड़क की दोनों तरफ अवैध कब्जे न होने दें। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे अवैध पेड़ों की कटाई व अवैध निर्माण, रास्ता न बनाने दें और इस बारे पहले जागरूक रहें। सभी एसडीएम अपने-अपने उपमंडल में खुद जाकर निरीक्षण करें और अवैध निर्माण के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करें। जिला नगर योजनाकार वेदप्रकाश सहरावत ने बताया कि कुछ प्राप्टी डीलर है जो शहर में अवैध कालोनियां काट रहे हैं। शहर में प्राप्टी खरीदने से पहले तहसील कार्यालय व डीटीपी कार्यालय से इसकी जानकारी जरूर ले लें कि वह जगह अधिकृत है या अनाधिकृत। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक नरेंद्र बिजारनियां, एसडीएम नूंह संजीव कुमार, एसडीएम तावडू ब्रह्मप्रकाश, एसडीएम फिरोजपुर-झिरका रीगन कुमार, एसडीएम पुन्हाना कुलवीर ढाका आदि मौजूद रहे।

हरियाणा पुलिस की महिला हेड कांस्टेबल की गुहार, मेरे पति से मुझे बचाओ

पानीपत/(एजेंसी)। करनाल,आम जन की सुरक्षा, सेवा एवं सहयोग के लिए हर समय तत्पर रहने वाली हरियाणा पुलिस में तैनात एक हेड कांस्टेबल महिला ने खुद पुलिस से सुरक्षा की गुहार लगाई है। महिला पुलिसकर्मी को प्रताड़ना का सामना करना पड़ रहा है। अब उसे पति से खतरा है। उसने पुलिस में शिकायत दी है। महिला हेड कांस्टेबल काफी समय से प्रताड़ना झेलती रही, लेकिन पुलिस ने शिकायत के बावजूद भी करीब ढाई माह तक कार्रवाई नहीं की। अब फिर पीड़िता कर्मी ने शिकायत दी तो पुलिस हरकत में आई और आरोपित पति के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। मधुबन पुलिस अकादमी में हेड कांस्टेबल के तौर पर तैनात एवं वहीं पर रह रही महिला ने शिकायत में आरोप लगाते हुए बताया है कि उसकी शादी पानीपत वासी नरेंद्र के साथ वर्ष 2002 में हुई थी। शादी के बाद पति उसे शारीरिक व मानसिक तौर पर प्रताड़ित करते रहे। इससे परेशान होकर उन्होंने गत 20 अक्तूबर को पुलिस को एक शिकायत दी, जिस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई, लेकिन उस पर प्रताड़ना जारी रही तो तलाक के लिए फैमिली कोर्ट का सहारा लेना पड़ा । शिकायत में आरोप लगाए कि उसके नाम प्लॉट, गाड़ी व बाइक है, लेकिन आरोपित पति ने इन सभी के कागजात अपने पास रख लिए है। आरोपित पति ने अब फिर उसे घर आकर धमकी दी, जिसके चलते उसे महिला हेल्प लाइन पर कॉल कर पुलिस को सूचना देनी पड़ी। पीड़िता ने आरोप लगाए कि उसे जान का खतरा बना हुआ है। इसके बाद अब फिर दी शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपित पति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर एसएचओ संजीव मलिक का कहना है कि शिकायत मिलते ही अब पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित विभिन्न आरोपों के तहत केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच की जा रही है।

कल्चरल फेस्ट में एलजेएन डीएवी स्कूल ओवरआल विनर

जासं,(एजेंसी)। जालंधर सीटी पब्लिक स्कूल मकसूदां में कल्चरल फेस्ट-2021 में एलजेएन डीएवी माडल स्कूल ने ओवरआल ट्राफी जीती। संत सरवन दास माडल स्कूल फगवाड़ा के नाम रनरअप ट्राफी रही। कालेज वर्ग की टीम में देव समाज कालेज फार वूमेन फिरोजपुर ने पहला और एलकेसी ने रनरअप की ट्राफी जीती। अतिथि सीटी ग्रुप की को-चेयरपर्सन परमिदर कौर चन्नी थीं। फेस्ट का पहला राउंड आनलाइन और फाइनल राउंड आफलाइन हुआ। इसमें सूबे के 22 कालेजों और 35 स्कूलों के 1300 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। एमडी मनबीर सिंह और कैंपस डायरेक्टर डा. जेके धामी ने विजेताओं को सम्मानित किया।

तरनतारन की पंचायत का फरमान, हर घर का सदस्य दिल्ली धरने में होगा शामिल; नहीं तो लगेगा जुर्माना

तरनतारन (एजेंसी)। कृषि सुधार कानूनों को रद करवाने के लिए दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में पंजाब के विधानसभा हलका पट्टी के गांव जौड़ा की पंचायत ने प्रस्ताव पास करते हुए हर घर के एक सदस्य को एक सप्ताह के लिए दिल्ली धरने में शामिल होने का फरमान सुनाया है। ऐसा नहीं करने पर 1500 रुपये जुर्माना भी वसूलने का प्रस्ताव पारित किया है। गांव जौड़ा के सरपंच अवतार सिंह ने बताया कि एक फरवरी को सभा बुलाकर इस संबंधी प्रस्ताव पास किया गया है। इसके मुताबिक दिल्ली धरने में गांव के प्रत्येक घर का एक-एक सदस्य दिल्ली धरने में शामिल होगा। इस प्रस्ताव को जो परिवार उल्लंघन करेगा, उसे डेढ़ हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। ट्रैक्टरका नुकसान होने पर भरपाई के लिए होगा फंड एकत्रित साथ ही ट्रैक्टर या अन्य मशीनरी का नुकसान होता है तो उसकी भरपाई के लिए गांव के लोग फंड एकत्रित करेंगे। सरपंच अवतार सिंह ने बताया कि गांव की 80 फीसद आबादी खेती से जुड़ी है। इस मौके पूर्व सरपंच जगदीश सिंह के अलावा रंजीत सिंह, जसविंदर सिंह, बख्शीश सिंह, हरजिंदर सिंह, मनजिंदर सिंह, रेशम सिंह, बख्शीश सिंह खालसा, राम पाल सिंह, सुखचैन सिंह, गुरसाहिब सिंह, बलवंत सिंह, गुरबख्श सिंह, हरनेक सिंह मौजूद थे। बठिंडा के विर्क खुर्द गांव में भी सुनाया जा चुका है

दस माह बाद पीठ पर बैग और मन में उत्साह लिए स्कूल पहुंचे बच्चे, 45 फीसद रही हाजिरी

पानीपत (एजेंसी)।करीब दस माह बाद छठी से आठवीं के विद्यार्थी पीठ पर बैग और मन में उत्साह के साथ स्कूल पहुंचे। विद्यार्थियों को थर्मल स्क्रीनिग व सैनिटाइज के बाद स्कूल में इंट्री मिली। बच्चों को स्कूल भेजकर अभिभावक भी खुश दिखे। पहले दिन विद्यार्थियों की उपस्थिति करीब 45 फीसद रही। राजकीय के मुकाबले प्राइवेट स्कूलों में ज्यादा संख्या रही। बड़ों के साथ छोटे बच्चे भी बैग लेकर स्कूल पहुंच गए, जिन्हें शिक्षकों ने वापस लौटा दिया। कोविड-19 के चलते मार्च के अंत से स्कूल नहीं लग पा रहे थे। दिसंबर में विभाग ने नौंवी से बारहवीं की कक्षाएं शुरू की। वहीं पहली से आठवीं की पढ़ाई अवसर एप के जरिये ऑनलाइन हो रही थी। अभिभावक बुड़शाम निवासी राकेश कुमार ने कहा कि आनलाइन बच्चे ठीक से पढ़ाई नहीं कर पा रहे थे। स्कूल लगने पर वो शिक्षक से सीधे रूबरू होंगे तो अच्छे से पढ़ाई होगी। उनकी जो पढ़ाई प्रभावित हुई है, उसकी भी पूर्ति होगी। बच्चे स्कूल की दिनचर्या में लौटेंगे। आने वाले दिनों में पेपर भी होने हैं। पावटी राजकीय सीसे स्कूल के प्रिंसिपल डा. रवींद्र डिकाडला ने बताया कि पहले दिन पचास फीसद के करीब बच्चे स्कूल आए। स्कूलों में कोविड-19 के नियमों का पूरी तरह से ख्याल रखा गया। काफी बच्चों ने फोन कर स्कूल खुलने की जानकारी भी ली और स्कूल पहुंचे। काबड़ी राजकीय सीसे स्कूल के प्रिंसिपल रणबीर सिंह ने बताया कि 45 फीसद से ज्यादा बच्चे स्कूल आए। बच्चे अभिभावकों की सहमति के साथ सामान्य स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट भी लेकर आए। उन्होंने

कहा कि जो बच्चे नहीं आ पाए, वो रिपोर्ट के कारण नहीं आ पाए। गेट पर ही बच्चों की थर्मल स्क्रीनिग कर सैनिटाइज कराया गया। राजकीय सीसे स्कूल बबैल की प्रिंसिपल मीनाक्षी शर्मा ने बताया कि स्कूल में छठी से आठवीं कक्षा में 163 बच्चे हैं। पहले दिन उनमें से 50 बच्चे ही पहुंचे। कम हाजिरी का कारण सामान्य स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट और असमंजस रही। क्योंकि काफी बच्चों ने रिपोर्ट और स्कूल खुलने को लेकर फोन कर जानकारी ली। राजकीय माडल संस्कृति सीसे स्कूल जीटी रोड में विद्यार्थियों की संख्या के हिसाब से कमरे कम हैं। ऐसे में छठी से आठवीं तक की कक्षाएं सुबह के बजाय दोपहर बाद एक से साढ़े चार बजे तक लगानी पड़ी। हालांकि नौंवी से बारहवीं तक के सेशन के दौरान भी स्कूल में अव्यवस्था दिखी। जहां कुछ अध्यापक धूप का आनंद लेते दिखे, वहीं छात्र छात्राएं इधर उधर कमरों से बाहर घूम रहे थे। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी बृजमोहन गोयल ने कहा कि छठी से आठवीं की कक्षाएं आज से लगी। बच्चे अच्छी संख्या में स्कूल पहुंचे। धीरे धीरे ये संख्या बढ़ती जाएगी। बच्चों में स्कूल आने को लेकर काफी उत्साह दिखा। कक्षाओं के दौरान कोविड-19 के नियमों का पूरी तरह से पालन कराया जा रहा है। सदानंद बाल विद्या मंदिर सीसे स्कूल किशनपुरा के छठी कक्षा के विद्यार्थी अनुभव ने कहा कि दस माह में स्कूल आकर बहुत अच्छा लग रहा है। ऑनलाइन पढ़ाई और स्कूल आकर पढ़ने में अलग ही मजा आता है।

पेपरों को लेकर तैयारी अच्छी हो सकेगी। सहपाठियों से भी मिलना हुआ। आठवीं कक्षा के विद्यार्थी पियूष ने कहा कि आनलाइन पढ़ाई पूरी ही आधे घंटे की मुश्किल से होती है। स्कूल में आने पर हर विषय का पीरियड लगेगा। मोबाइल पर ऑनलाइन पढ़ने और स्कूल आकर पढ़ने में बहुत अंतर है। बोर्ड पर अच्छे से समझ सकते हैं। ऑनलाइन पढ़ाई में डाउट तक क्लीयर नहीं हो पाते थे। राजकीय माडल संस्कृति सीसे स्कूल लालबत्ती के सातवीं कक्षा के विद्यार्थी अंकुश ने कहा कि स्कूल आने पर बहुत अच्छा लग रहा है।

ऑनलाइन पढ़ाई भी अच्छी रही, परंतु कोई सवाल समझ में नहीं आने पर टीचर से पूछ नहीं पाते थे। स्कूल में टीचर से पूछकर सवाल को ठीक से समझ पाएंगे। सातवीं की छात्रा लक्ष्मी रानी ने कहा कि काफी समय बाद स्कूल खुले तो पहले दिन थोड़ी घबराहट जरूर हुई, लेकिन जैसे ही कक्षा लगी तो मन में बना डर खत्म हो गया। घर पर ऑनलाइन तरीके से पढ़ने में ज्यादा मशक्कत करनी पड़ी। स्कूल में टीचर का पूरा मार्गदर्शन मिलेगा तो अच्छे से पढ़ सकेंगे।

कंवर ग्रेवाल ने किया ग्रामीणों को जागरूक, दिल्ली चलने की अपील

पंजाबी(एजेंसी)।सूफी कलाकार कंवर ग्रेवाल व चीमां के रहने वाले गायक हरफ चीमां लोगों को दिल्ली किसान आंदोलन में शामिल होने के लिए प्रेरित करने के लिए चीमां पहुंचे। दोनों कलाकारों ने अपने गीतों से नौजवानों में नया जोश भरा व सरकार से कानून रद करने की मांग की। कंवर ग्रेवाल ने कहा कि यह लड़ाई जमीनें बचाने की है, न कि दिल्ली पर कब्जा करने की। सरकार ने आंदोलन बदनाम करने हेतु हिसा का सहारा लिया, लेकिन किसानों ने एकजुट होकर सरकार को बड़ा झटका दिया है। नगर पंचायत चीमां के प्रधान अवतार सिंह तारी ने बताया कि उन्होंने एक प्रस्ताव पास किया है। इसके तहत गांव के प्रत्येक वार्ड से तीस व्यक्ति दिल्ली भेजे जाएंगे, उनमें महिलाएं भी शामिल होंगी। यह जत्था एक सप्ताह दिल्ली रहेगा। यदि अपनी बारी मुताबिक कोई परिवार नहीं जा सकता तो उससे 2100 रुपये वसूल किए जाएंगे। प्रधान तारी ने कहा कि अगर किसी ने बहकावे में आकर आंदोलन में हुल्लड़बाजी की तो वह अपने नुकसान का खुद जिम्मेदार होगा। इस मौके पर किसान नेता गुरमेल सिंह ईकाई प्रधान चीमां, सुखदेव सिंह, अवतार सिंह, जगजीत सिंह, बलवीर सिंह, रेशम सिंह, बूटा सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में नौजवान व किसान उपस्थित थे। संगरूर के दो और किसानों की दिल्ली संघर्ष के दौरान हार्ट अटैक से मौत

संगरूर- दिल्ली बार्डर पर चल रहे किसान आंदोलन में शामिल हुए गांव रामपुर छन्ना के नौजवान किसान संदीप शर्मा की मौत हो गई है। गांव के पूर्व सरपंच जतिदर सिंह ने बताया कि संदीप शर्मा एक फरवरी को गांव के किसानों के साथ दिल्ली गया था। जहां उसकी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। नौजवान की लाश का दिल्ली अस्पताल से पोस्टमार्टम करवाने के बाद गांव लाकर अंतिम संस्कार किया जाएगा। उधर, चीमां शहर के किसान गुरजंट सिंह की दिल्ली के टीकरी बार्डर पर संघर्ष के दौरान मौत हो गई। उक्त किसान लंबे समय से दिल्ली संघर्ष में शिरकत कर रहा था। ठंड लगने व दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई है। गुरजंट सिंह अभी कुंवारा था और उसके पास दो एकड़ जमीन थी।

संजीव ने जेल में ही फरार होने की कर ली थी प्लानिंग, इस पते पर ली थी पैरोल

पानीपत/(एजेंसी)।यमुनानगर, पूर्व विधायक रेलूराम पूनिया समेत परिवार के आठ सदस्यों के हत्यारे उनके दामाद संजीव की मां राजबीरी देवी पर चांगनौली के पूर्व सरपंच बलदेव सिंह ने रहम दिखाया था। उनके ही घर का पता बताकर संजीव ने पैरोल ली थी। बलदेव ने संजीव व उसकी मां को दूर का रिश्तेदार बताया था, क्योंकि संजीव की बलदेव के बेटे कुलबीर के साथ जेल में मुलाकात हुई थी। जेल में ही उसने कुलबीर से अपनी मां के लिए कमरे का इंतजाम करने की बात कही थी। दस फिट के कमरे में सिर्फ एक चारपाई थी। पड़ोसियों से भी उसके मां की कोई जान पह[illegible] थी। पैरोल से फरार होने से [illegible]हले मि[illegible] बेटे से 16 मई को पैरो[illegible] बाद संजीव सबसे पहले सहारनपुर [illegible] अपने इकलौते बेटे व माता पिता से मिलने के लिए गया था। यहां से अगले दिन चंडीगढ़ में काम होने की बात कहकर चला गया था। इसके बाद 30 मई की रात को आया था और 31 मई को फिर कुरुक्षेत्र जेल में हाजरी लगाने की बात कहकर निकल गया था। इसके बाद वह जेल में वापस नहीं लौटा था। पूरी प्लानिंग से हुआ था फरार संजीव ने फरार होने की पूरी प्लानिंग तैयार कर रखी थी। इसके लिए पूर्व सरपंच बलदेव ने ही सभी दस्तावेज तैयार कराए। यहां पर संजीव की मां के नाम पर एक एकड़ जमीन ठेके पर ली हुई दिखाई गई। इसकी राजस्व विभाग से भी रिपोर्ट तैयार कराई गई। जब उसकी पैरोल रिपोर्ट यहां पटवारी के पास पहुंची, तो बलदेव सिंह व नंबरदार मान ड्क्षसह, जोरा ड्क्षसह के साथ पटवारी के पास आए थे। यहां पर दोनों नंबरदारों ने रिपोर्ट दी थी कि बलदेव सिंह का

[illegible] संजी[illegible] की मां राजबीरी देवी उनकी रिश्तेदार हैं। इसलिए पैरोल को लेकर उन्हें कोई एतराज नहीं है। संजीव के फरार होने के बाद पुलिस ने बलदेव सिंह व उसके बेटों कुलबीर सिंह और प्रिंस पर भी केस दर्ज किया था। हालांकि वह पुलिस के हाथ नहीं आए और कोर्ट से अग्रिम जमानत ले ली थी। जेल में घुटने लगा था दम, खुली हवा में रहना चाहता था वर्ष 2004 में हत्यारे संजीव को कोर्ट ने सजा सुना दी थी। इसके बाद से ही वह अलग-अलग जेलों में रहा। हालांकि बीच-बीच में वह पैरोल पर बाहर आता रहा। कई बार वह पैरोल पर आया और फिर वापस लौट जाता था। मई 2018 में वह 28 दिन की पैरोल पर बाहर आया। इस बार उसने बिलासपुर के चांगनौली का पता दिया। यहां पर उसे मकान की मरम्मत कराने के नाम पर पैरोल ली थी। 31 मई को उसे वापस लौटना था, लेकिन वह वापस नहीं गया। संजीव के फरार होने का मामला खूब सुर्खियों में रहा। उस समय डिटेक्टिव यूनिट(अब सीआइटू)को इसकी जांच दी गई। टीम जांच में लगी रही, लेकिन संजीव का कोई पता नहीं लग सका। टीम ने बिलासपुर से लेकर उसके पैतृक घर उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के ल[illegible]णपुरी में ना द[illegible]श दी [illegible] [illegible] पूछताछ [illegible], [illegible]केन कोई पत[illegible] नह[illegible] [illegible] में [illegible]ह केस एसटीएफ को दिया गया। उसे मोस्ट वांटेड अपराधियों की सूची में शामिल करते हुए एक लाख रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पूछताछ में संजीव ने बताया कि उसका जेल में दम घुटने लगा था। वह खुली हवा में रहना चाहता था। इसलिए उसने पैरोल मिलने पर यहां से भाग जाने की योजना बनाई थी। पुलिस के मुताबिक फरार होने के बाद संजीव ने परिवार से भी संपर्क नहीं किया, क्योंकि उसे पता था कि यदि वह परिवार से संपर्क करेगा तो पुलिस उस तक आसानी से पहुंच जाएगी।

opensearch

भारी विरोध के चलते बैरंग लौटी कब्जा हटाने गई नप की टीम

नारनौल(एजेंसी)। मंगलवार को स्थानीय महता चौक पर कब्जा हटाने गई नगर परिषद की टीम को स्थानीय लोगों का भारी विरोध झेलना पड़ा। नगर परिषद के अधिकारियों का दावा था कि संबंधित जमीन नगर परिषद की है, जबकि कब्जा मालिकों ने न्यायालय के कागजात दिखाते हुए दावा किया कि जमीन उनकी है। इस दौरान दोनों पक्षों में काफी देर तक तीखी बहस भी हुई। आखिरकार नगर परिषद की टीम को कब्जा हटाए बगैर वापस लौट[illegible] पड़ा। हालांकि अधिकारियों ने क[illegible]जाधा[illegible]ों को आठ फरवरी तक [illegible] सम[illegible] देते हुए कागजात उच्चाधिकारियों के समक्ष पेश करने के आदेश दिए और टीम बैरंग लौट गई। हुआ यूं कि मंगलवार दोपहर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी केके यादव के नेतृत्व में गठित टीम तीन जेसीबी, एक फायर ब्रिगेड और भारी पुलिस बल के साथ महता चौक पर पहुंच गई। कार्यकारी अधिकारी ने अवैध कब्जा हटाने के लिए जैसे ही कार्रवाई शुरू की कब्जाधारियों ने हाथों में ईट, पत्थर लेकर विरोध करना शुरू कर दिया। कुछ लोग जेसीबी पर भी चढ़ गए। तनावपूर्ण स्थिति बनते देख मौके पर पहुंचे पुलिस बल ने मामले को शांत कर दिया। वहीं मौके पर पहुंचे ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने कहा कि डीएमसी द्वारा दोनों पक्षों के कागजातों की जांच कर ली जाएगी। किसी भी तरह से एकतरफा कार्रवाई नहीं की जाएगी। ड्यूटी मजिस्ट्रेट ने दोनों पक्षों से बात

करने के बाद कब्जाधारियों को 8 फरवरी तक का समय दे दिया गया। अधिकारियों का कहना है कि नगर परिषद की ओर से 26 दिसंबर 2019 को कब्जाधारियों को नोटिस दिया गया था। लेकिन कब्जाधारियों का कहना हैं कि यह जमीन 11.9.1959 मे निलामी के दौरान अर्जुन सिंह फ्रांसखना को कस्टोडियन द्वारा अलाट की गई थी। अर्जुन सिंह से तारासिंह ने जमीन खरीद ली, तभी से जमीन पर उनका मालिकाना हक हैं। जमीन पर मालिकाना हक को लेकर कोर्ट तक मामला जा चुका है। कब्जाधारियों ने कहा कि 1800 वर्गगज के हिस्से में से 448 वर्गगज को बेच दी गई थी। जिस पर मकान बना लिया गया है। नगर परिषद द्वारा बेचे गए हिस्से का नक्शा भी पास कर दिया गया हैं। वहीं बचे हिस्से को नगर परिषद अपना हिस्सा बता रहा हैं। उक्त लोगों ने नगर परिषद की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा हैं, उसे मंगलवार को हटाने के लिए गए थे। लेकिन जमीन पर मालिकाना हक जता रहें लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। उन्हें ड्यूटी मजिस्ट्रेट द्वारा 8 फरवरी तक का समय दिया जा रहा हैं। अगर उन्होनें मालिकाना हक में पुख्ता सबूत पेश नहीं किए तो 8 फरवरी को नगर परिषद की टीम द्वारा फिर से कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट से भी जमीन के मालिकाना हक के केस में जीत चुके हैं। नगर परिषद द्वारा हमें परेशान किया जा रहा हैं। हमने नोटिस का जवाब नगर परिषद को दे दिया था। नगर परिषद ने मंगलवार को हमारी मालिकाना हक की जमीन पर कब्जा लेने का प्रयास किया था

जालंधर में घर-घर जाकर बच्चों को पिलाई दो बूंदें जिंदगी की, 94.25 फीसद लक्ष्य पूरा

जालंधर (एजेंसी)।देश के पोलियो मुक्त होने के बाद इसका वायरस दोबारा ना पनपने देने को लेकर स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने पल्स पोलियो मुहिम के तीसरे दूसरे दिन घर- घर दस्तक देकर 5 साल तक के 76582 बच्चों को पोलियो रोधी बूंदें पिलाई।

इसी के साथ जिले में 94.25 फीसद लक्ष्य पूरा कर लिया गया है। स्वास्थ्य विभाग अब मात्र छह फीसद लक्ष्य से पीछे है। सिविल सर्जन डा. बलवंत सिंह ने बताया कि जिला टीकाकरण अधिकारी डा. राकेश चोपड़ा की अगुआई में मंगलवार को जिले में 2,200 टीमों ने 226956 घरों में दस्तक देकर 5 साल तक के 59683 बच्चों को पोलियो बूंदे पिलाई। इनमें शहरी आबादी के 27720 तथा देहात के 31963 घर शामिल है। जिले में विभाग की टीमों ने पिछले तीन दिन में 231742 बच्चों को पोलियो बूंदे पिलाई। सेहत विभाग का जिले में 245872 बच्चों को पोलियो रोधी बूंदे पिलाने का लक्ष्य है । तीसरे दिन तक मुहिम के तहत 14130 बच्चों पोलियो बूंदों से वंचित रह गए।

सेहत विभाग ने 94.25 फीसदी लक्ष्य ही पूरा किया। पल्स पोलियो मुहिम के दूसरे दिन की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के लिए मंगलवार को बाद दोपहर सिविल सर्जन आफिस में बैठक की गई।

बैठक की प्रधानगी सिविल सर्जन डा. बलवंत सिंह ने की। उन्होंने कहा कि लक्ष्य को 100 फीसदी पूरा करने के लिए टीमें उन घरों का दौरा करेगी जहां ताले लगे मिले है।

लुधियाना की एडीसीपी प्रज्ञा जैन से मिला समाजसेवियों का शिष्टमंडल, लाकडाउन में किए सेवा कार्यों की दी जानकारी

लुधियाना (एजेंसी)
जैन समाजसेवियों का एक शिष्टमंडल लुधियाना के प्रसिद्ध कंगारू इंडस्ट्री परिवार से नीलम जैन एवं लिगा परिवार सोसाइटी के अध्यक्ष विपन जैन की अगुवाई में एडिशनल डिप्टी कमिश्नर पुलिस (एडीसीपी) डा प्रज्ञा जैन को मिला। भगवान महावीर सेवा संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन ने संस्थान द्वारा किए जा रहे कार्यों का ब्यौरा देते हुए बताया कि लाकडाउन में कमिश्नर पुलिस राकेश अग्रवाल के नेतृत्व में बेरोजगार परिवारों को घर-घर जाकर सूखे राशन की व्यवस्था कराई गई। साथ ही लोगों को मास्क, सैनिटाइजर, दवाइयां आदि अन्य सुविधाएं जैन संस्थाओं द्वारा दी गई। यह सब कुछ प्रशासन से अच्छे तालमेल के कारण ही संभव हो पाया। डा प्रज्ञा जैन ने समाज द्वारा की गई सेवाओं की प्रशंसा करते हुए कहा अभी भी समाज में बहुत से ऐसे स्थान हैं, जहां पर समाजसेवियों एवं उद्योगपतियों के तालमेल से नवभारत का सपना साकार हो सकता है। उन्होंने कहा कि देश के वीर जवान सरहदों की रक्षा करते हुए विशेष सम्मान के हकदार होते हैं। वहीं जैन संस्थाओं की ओर से यह आश्वासन दिया गया कि आने वाले समय में पुलिस के तालमेल से अच्छा वातावरण कैसे बनेस इसमें पूर्ण सहयोग करेगा। इस मौके पर भगवान महावीर सेवा संस्थान के अध्यक्ष राकेश जैन उपाध्यक्ष राजेश जैन महिला शाखा भगवान महावीर सेवा सोसायटी की अध्यक्ष नीलम जैन, महामंत्री रिचा जैन, रमा जैन, राष्ट्रीय संस्था लीगा परिवार सोसायटी के अध्यक्ष विपन जैन, अनमोल जैन, विनीता जैन आदि अन्य उपस्थित थे।

सर्वदलीय बैठक में अमरिंदर ने कहा- कृषि कानूनों के खिलाफ विधानसभा में दोबारा बिल लाएगी पंजाब सरकार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि कानूनों को लेकर पंजाब के सर्वदलीय बैठक में मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार द्वपंजाब विधानसभा में तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ एक बार फिर से संशोधित विधेयक लाएगी। राज्यपाल ने विधानसभा में पहले पारित विधेयकों को राष्ट्रपति के पास नहीं भेजा है। उन्होंने कहा कि हम यह बिल फिर से लाने जा रहे हैं क्योंकि संविधान में प्रावधान है कि यदि विधानसभा दो बार बिल को पास कर देती है तो राज्यपाल को इसे राष्ट्रपति को भेजना ही पड़ता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के पास संविधान की धारा 254 दो में यह पावर है कि वह केंद्रीय कानूनों में अपनी जरूरत के अनुसार संशोधन कर सकती है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि राष्ट्रपति ने पंजाब के नेताओं से मिलने से इस बात पर इन्कार कर दिया था कि पंजाब विधानसभा द्वारा पारित बिल उनके पास अभी नहीं आए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी राजनीतिक पार्टियों को इस बात से अवगत करवाया की वह राष्ट्रपति से एक बार फिर से समय मांग रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि किसानों के दिल्ली में आंदोलन को लेकर वह केंद्रीय गृह मंत्री के साथ लगातार संपर्क में हैं। दिल्ली में हुई हिंसा को प्रायोजित बताते हुए सर्वदलीय बैठक में फैसला किया कि इस मामले को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की जाएगी। इसके अलावा किसान संगठनों के अन्य मामलों को भी उनके समक्ष उठाया जाएगा। सभी दलों ने दिल्ली में किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई घटनाओं के मामले में न्यायिक जांच की भी मांग की। नेताओं ने कहा कि हिंसा के लिए जो भी लोग दोषी हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस बैठक का भारतीय जनता पार्टी ने बहिष्कार किया था। बैठक में आम आदमी पार्टी ने पंजाब पुलिस को दिल्ली में सुरक्षा के लिए लगाने की मांग की। मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने इसे खारिज कर दिया। उन्होंने कहा

हम राज्यों को अधिक अधिकार देने की मांग करते हुए फेडरल सिस्टम लागू करने को कह रहे हैं। ऐसे में वह कैसे अपनी पुलिस फोर्स को दूसरे राज्य में भेज सकते हैं । उन्होंने कहा कि कल को हिमाचल प्रदेश या हरियाणा सरकार भी अपनी पुलिस को पंजाब में भेज सकती है, तब क्या करेंगे। उन्होंने आप के नेताओं से कहा कि वह दिल्ली में अपनी पार्टी मुख्यमंत्री के जरिये केंद्रीय गृहमंत्री से वहां सुरक्षा कर्मी तैनात करने की मांग कर सकते हैं लेकिन हम वहां अपने पुलिसकर्मी नहीं लगा सकते। इससे नाराज होकर आप के नेताओं ने बैठक से वाकआउट कर दिया। मुख्यमंत्री ने किसान आंदोलन को ऐतिहासिक और लासानी बताते हुए कहा कि कुछ असामाजिक तत्व इसे खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। लाल किले की उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे तत्वों से बचने की जरूरत है। सर्वदलीय बैठक में एक प्रस्ताव पारित करते हुए केंद्र सरकार से कहा कि किसानों ,खेतिहर मजदूरों और पत्रकारों के खिलाफ दर्ज किए गए केसों को तुरंत वापस लिया जाए और जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है उन सभी को छोड़ा जाए। इसके अलावा 100 से ज्यादा लापता युवाओं का भी तुरंत पता लगाए जाने की मांग की गई। एक अन्य प्रस्ताव पास करके सर्वदलीय बैठक में न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी मान्यता देने की भी मांग की गई। यह भी कहा गया कि भारत सरकार एफडीआई के जरिए खाद्यान्नों की खरीद को सुनिश्चित बनाएं।

केनिन की मेलबर्न पार्क पर अच्छी वापसी, आंद्रीस्कू अभ्यास टूर्नामेंट से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन में खिताब जीतने के बाद पहली बार मेलबर्न पार्क पर उतरने वाली सोफिया केनिन ने मंगलवार को यहां केवल एक सेट जीतने के बाद ही येर्रा वैली क्लासिक के अगले दौर में जगह बनायी। इस मैच के लिये कुछ दर्शक भी मारग्रेट कोर्ट ऐरेना में मौजूद थे। केनिन ने पहला सेट 7-5 से जीता लेकिन इसके बाद उनकी प्रतिद्वंद्वी कैमिला जियोर्गी चोटिल होने के कारण मैच से हट गयी। केनिन ने कहा, ''यहां वापसी करके बहुत अच्छा लग रहा है। दर्शकों को देखकर अच्छा लगा। मैं बहुत खुश हूं। मुझे वास्तव में अपने प्रशंसकों की कमी खल रही थी। हम सभी के लिये 2020 कड़ा साल रहा। हमें उसे भूलकर आगे बढ़ना होगा। '' येर्रा वैली क्लासिक उन छह टूर्नामेंटों में शामिल है जिनका इस सप्ताह मेलबर्न पार्क में आयोजन किया जा रहा है ताकि खिलाड़ी अगले सोमवार से शुरू होने वाले आस्ट्रेलियाई ओपन की तैयारी कर सकें। इस बीच 2019 की यूएस ओपन चौंपियन बियांका आंद्रीस्कू बुधवार से शुरू होने वाली ग्रैम्पियन्स ट्राफी से हट गयी हैं। यह 20 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी ने घुटने और पांव की चोट के कारण 2019 की डब्ल्यूटीए ट्राफी के बाद किसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लिया है। वह मेलबर्न में कड़े पृथकवास के बाद वापस लौटी हैं। उन्होंने कहा, ''दो सप्ताह के पृथकवास के बाद वापसी करना अच्छा लग रहा है लेकिन अपनी टीम के साथ परामर्श करने के बाद मैंने आस्ट्रेलियाई ओपन पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। '' इस बीच गिप्सलैंड ट्राफी के दूसरे दौर के मैचों में पांचवीं वरीयता प्राप्त योहाना कोंटा ने बर्नार्डा पेरा को 6-2, 6-3 से जबकि एलिस मार्टेन्स ने मायो हिबी को 6-2, 6-2 से हराया।

जमशेदपुर को पांच मैचों के बाद मिली जीत, छठे स्थान पर पहुंचा

बम्बोलिम (एजेंसी)। मोहम्मद मोबाशिर रहमान के गोल के दम पर जमशेदपुर एफसी ने जीत की पटरी पर लौटते हुए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सत्र में सोमवार को यहां के जीएमसी स्टेडियम में ओडिशा एफसी को 1-0 से हराया। जमशेदपुर को यह जीत पांच मैचों के बाद मिली है, जिससे प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदें बरकरार है। टीम की 15 मैचों में यह चौथी जीत है और अब वह 18 अंकों के साथ तालिका में आठवें से छठे नंबर पर पहुंच गई है।

ओडिशा को 14 मैचों में आठवीं शिकस्त झेलनी पड़ी है। टीम आठ अंकों के साथ तालिका में सबसे नीचे 11वें नंबर पर है। उसके खाते में एक जीत और पांच ड्रॉ है। मैच का इकलौता गोल 41वें मिनट में मोहम्मद मोबाशिर ने बायें कार्नर से किया और जमशेदपुर को 1-0 की बढ़त दिला दी। ओडिशा को मैच के 88वें मिनट में बराबरी करने का अच्छा मौका मिला था लेकिन फ्रीकिक पर पॉल गोल करने से चूक गये। उनका शॉट सीधे गोलकीपर के हाथ में चला गया था।

दिल्ली बुल्स की डेक्कन ग्लैडीएटर्स पर आसान जीत, वारियर्स भी जीता

अबुधाबी (एजेंसी)। दिल्ली बुल्स ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के उपयोगी योगदान से अबुधाबी टी10 क्रिकेट टूर्नामेंट में डेक्कन ग्लैडीएटर्स पर 11 गेंद शेष रहते हुए आसान जीत दर्ज की। डेक्कन ग्लैडीएटर्स ने पहले बल्लेबाजी का न्यौता मिलने पर कप्तान कीरेन पोलार्ड (18 गेंदों पर 47 रन, चार चौके, चार छक्के) की तूफानी पारी से सात विकेट पर 118 रन बनाये। दिल्ली बुल्स ने 8.1 ओवर में दो विकेट पर 122 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसकी तरफ से सलामी बल्लेबाज रहमनुल्लाह गुरबाज ने 20 गेंदों पर 47, इविन लुईस ने 14 गेंदों पर 35 और शेरफेन रदरफोर्ड ने 13 गेंदों पर नाबाद 28 रन बनाये। एक अन्य मैच में वसीम मुहम्मद के अर्धशतक मदद से नार्दन वारियर्स ने टीम अबुधाबी पर आठ विकेट से जीत दर्ज की। टीम अबुधाबी ने जो क्लार्क (नाबाद 50), कप्तान ल्यूक राइट (33) और बेन डकेट (नाबाद 31) की पारियों से शुरुआती झटकों से उबरकर तीन विकेट पर 123 रन बनाये। वारियर्स ने यूएई के घरेलू क्रिकेटर वसीम मुहम्मद के 34 गेंदों पर 76 रन और लेंडल सिमन्स (25 गेंदों पर नाबाद 37) के साथ उनकी पहले विकेट के लिये 121 रन की साझेदारी के दम पर अंतिम गेंद पर लक्ष्य हासिल किया।

लैंगर ने कहा, आलोचनाओं को नजरअंदाज नहीं करूंगा

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत के हाथों आस्ट्रेलिया की टेस्ट श्रृंखला में हार के बाद आलोचकों के निशाने पर रहे टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने उनकी कोचिंग शैली की आलोचनाओं को 'चेतावनी' करार देते हुए कहा कि वह इन्हें नजरअंदाज नहीं करेंगे। भारतीय टीम ने कई खिलाड़ियों के चोटिल होने के बावजूद आस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीती थी। 'सिडनी मार्निंग हेरल्ड' के अनुसार राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी लैंगर की कोचिंग शैली से खुश नहीं हैं। लैंगर ने इस रिपोर्ट को बकवास करार दिया लेकिन उन्होंने आलोचनाओं को शानदार उपहार के तौर पर स्वीकार किया। उन्होंने कहा, ''मैं निश्चित तौर पर इसको नजरअंदाज नहीं कर रहा हूं और यह मेरे लिये एक चेतावनी है। जब भी मैं अपने कोचिंग करियर का समापन करूंगा उम्मीद है कि तब भी खुद को नौसिखिया कोच ही कहूंगा। मैं इन आलोचनाओं को अगले कुछ सप्ताह या महीनों तक शानदार उपहार के तौर पर लूंगा।'' इस पूर्व सलामी बल्लेबाज के अनुबंध में अभी 18 महीने का समय बचा है। उन्होंने कहा, ''मेरी जिंदगी के सबसे अच्छे मेंटोर वे लोग हैं जो मुझसे सच्ची बात कहते हैं और मेरी आलोचना करने से नहीं हिचकिचाते हैं। मुझे हमेशा इस तरह की ईमानदार प्रतिक्रिया चाहिए। हो सकता है कि कभी मुझे यह अच्छा न लगे लेकिन यह उपयोगी होती है।

नडाल पीठ दर्द के कारण नहीं खेले, जोकोविच की टीम ने जीत से की शुरुआत

मेलबर्न (एजेंसी)। राफेल नडाल पीठ दर्द के कारण एटीपी कप टेनिस टूर्नामेंट के शुरुआती मैच से हट गये लेकिन उनके इस सप्ताह स्पेनिश टीम में वापसी करने की संभावना है। विश्व में दूसरे नंबर के नडाल ने आस्ट्रेलिया के अलेक्स डि मिनौर के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच से पूर्व ट्विटर पर घोषणा की कि उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द है। उन्होंने कहा, ''उम्मीद है कि मैं गुरुवार तक फिट हो जाऊंगा।'' उनके हटने के बाद राबर्टो बातिस्ता आगुट स्पेन के नंबर एक खिलाड़ी बन गये हैं और वह मिनौर के खिलाफ कोर्ट पर उतरेंगे जबकि पाब्लो कारेनो बस्टा नंबर दो खिलाड़ी की जगह लेंगे। इस बीच शीर्ष रैंकिंग के नोवाक जोकोविच की अगुवाई में सर्बिया ने कनाडा पर 2-1 की जीत से खिताब बचाने के अपने अभियान की शुरुआत की।

जोकोविच ने डेनिस शापोवालोव को 7-5, 7-5 को हराकर मुकाबले को युगल मैच तक खींच दिया। इसके बाद उन्होंने फिलिप क्राजिनोविच के साथ मिलकर मिलोस राओनिच और शापावालोव को 7-5, 7-6 (4) से हराया। इस बीच सर्बियाई प्रशंसक उनका हौसला बढ़ाते रहे। ग्रुप सी के मुकाबले में इटली ने आस्ट्रिया को 2-1 से हराया। मैटियो बेरेटिनी ने इस मुकाबले में यूएस ओपन चौंपियन डोमिनिक थीम पर 6-2, 6-4 से उलटफेर भरी जीत दर्ज की। आस्ट्रिया ने डेनिस नोवाक की फैबियो फोगनिनी पर जीत से शुरुआती बढ़त हासिल कर ली थी।

कुलदीप अनूठा गेंदबाज, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिलना चाहिए मौका: इरफान पठान

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान ने बाएं हाथ के कलाई के स्पिनरों को 'अनूठा' करार देते हुए इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के लिए कुलदीप यादव को भारतीय टीम में शामिल करने की सिफारिश की है। कुलदीप को पिछले तीन महीनों में अधिकतर समय बेंच पर ही बिताना पड़ा लेकिन पठान ने कहा कि यह 'अनूठा गेंदबाज' पांच फरवरी से चेन्नै में शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करेगा। पठान ने कहा, 'यह टीम प्रबंधन की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है कि जो खिलाड़ी नहीं खेल रहा है उसकी मानसिकता वे कैसे बनाए रखते हैं। मुझे विश्वास है कि वे सही काम कर रहे हैं और यही वजह है कि कुछ युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है।' उन्होंने कहा, 'मुझे पूरा विश्वास कि वे कुलदीप यादव का समर्थन कर रहे होंगे क्योंकि वह बेहद प्रतिभाशाली हैं। आपको हर दिन बाएं हाथ के स्पिनर नहीं मिलते।' पठान ने इंग्लैंड के खिलाफ कुलदीप को टीम में शामिल करने की वकालत करते हुए कहा, 'वह अनूठे गेंदबाज हैं। वह 25-26 साल के हैं और यह वह उम्र है जहां वह परिपक्वता हासिल करेंगे। उन्हें जब भी मौका मिलेगा, पहला टेस्ट हो या दूसरा टेस्ट वह अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे और मुझे पूरा विश्वास है कि वह इसमें सफल रहेंगे।' भारत की तरफ से 29 टेस्ट और 120 वनडे खेलने वाले पठान ने कहा, 'जब इंग्लैंड की बात आती है तो इतिहास देख लो, अगर आप लेग स्पिनर हो तो आपके पास सफलता के अधिक मौके रहेंगे। इसलिए मुझे विश्वास है कि जब भी उन्हें खेलने का मौका मिलेगा वह सफल होंगे।' कुलदीप ने अब तक छह टेस्ट मैचों में 24 विकेट लिए हैं। उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट मैच जनवरी 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। सीरीज के पहले टेस्ट मैच के संयोजन के बारे में पठान ने कहा कि चेन्नै की पिच की प्रकृति को देखते हुए तीन स्पिनरों के साथ उतरना बुरा विकल्प नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'यह विकेट पर निर्भर करता है लेकिन इसकी काफी संभावना है कि चेन्नै में तीन स्पिनरों को खेलने का मौका मिले क्योंकि हमने देखा है कि चेन्नै की पिच अतिरिक्त उछाल और स्पिन गेंदबाजों के लिए अनुकूल मिट्टी के कारण वास्तव में स्पिनरों को कैसे मदद कर सकती है।' पठान को लगता है कि युवा वॉशिंगटन सुंदर और अनुभवी रविचंद्रन अश्विन चारों टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। सीरीज के पहले दो मैच चेन्नै और अंतिम दो मैच अहमदाबाद में होंगे। उन्होंने कहा, 'ऐसी संभावना है क्योंकि वॉशिंगटन सुंदर केवल अपनी गेंदबाजी के दम पर नहीं बल्कि ऑलराउंडर के तौर पर खेलेंगे। वह बहुत अच्छी बल्लेबाजी करते हैं और भारत में अनुकूल परिस्थितियों में एक स्पिनर के रूप में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।' पठान को लगता है कि भारत इस सीरीज में 2-1 से जीतेगा। उन्होंने कहा, 'निश्चित तौर पर भारत यह सीरीज जीतेगा। इसमें कोई संदेह नहीं है। इंग्लैंड की टीम ने हाल में श्रीलंका में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया था। यहां की पिचें भी वैसी ही हैं और उनके लिए जो रूट की भूमिका अहम होगी।

द. अफ्रीका महिला टीम सीमित ओवर के लिए भारत का दौरा कर सकती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका महिला टीम अगले महीने सीमित ओवर सीरीज के लिए भारत का दौरा कर सकती है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) इस दौरे की जल्द ही पुष्टि कर सकता है। भारतीय महिला और दक्षिण अफ्रीका टीम के बीच पांच वनडे और तीन टी-20 मैच खेले जाएंगे। हालांकि इस दौरे की तारीख और स्थल पर अभी चर्चा चल रही है। भारतीय महिला टीम की पिछले वर्ष टी-20 विश्वकप के बाद यह पहली अंतरराष्ट्रीय सीरीज होगी। कोरोना के कारण निर्धारित क्वारेंटीन पीरियड को देखते हुए यह दौरा महीने भर से ऊपर की अवधि का हो सकता है। जैव सुरक्षा को देखते हुए बीसीसीआई कम स्थलों पर ही मैच आयोजित कराने पर विचार कर रहा है। यह भी संभावना है कि सभी मुकाबले एक ही शहर में आयोजित कराए जाएं। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया कि इस सीरीज के बारे में चर्चा जारी है और इसको लेकर जल्द ही घोषणा की जा सकती है। बोर्ड क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के साथ चर्चा कर रहा है और सीरीज की तारीखों का जल्द ही ऐलान किया जाएगा। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने हालांकि इस सीरीज के बारे में अभी कोई पुष्टि नहीं की है। दक्षिण अफ्रीका की टीम फिलहाल पाकिस्तान के साथ घरेलू सीरीज खेल रही है जो तीन फरवरी को खत्म होगी। इस बीच बीसीसीआई महिला टीम के सहायक स्टाफ की भर्ती के लिए जल्द ही विज्ञापन जारी कर सकता है। डब्ल्यूवी रमन फिलहाल टीम के मुख्य कोच हैं और नरेंद्र हीरवानी टीम के गेंदबाजी कोच हैं।

स्पिनरों को भारत में सफलता के लिए तेजी से गेंदबाजी करना जरूरी नहीं: जैक लीच

चेन्नै (एजेंसी)। बाएं हाथ के स्पिनर मोंटी पनेसर को 2012 के भारतीय दौरे पर अपनी सामान्य गति से तेजी से गेंदबाजी करने का फायदा हुआ था लेकिन चार मैचों की सीरीज के लिए टीम के साथ यहां पहली बार यहां आए जैक लीच का मानना है कि इस प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ यह नीति शायद उनके लिए कारगर नहीं रहे। पनेसर और ग्रीम स्वान की स्पिन गेंदबाजों की जोड़ी ने 2012 टेस्ट सीरीज में भारतीय स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजी कर टीम को यादगार जीत दिलायी थी। लीच ने टीम के छह दिनों के क्वारंटीन के खत्म होने के बाद कहा कि वह अपने मजबूत पक्ष के साथ गेंदबाजी करेंगे। चार मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार से खेला जाएगा। इंग्लैंड के लिए 12 टेस्ट खेलने वाले इस गेंदबाज ने कहा, 'मोंटी और स्वान दो ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें मैं देखना पसंद करता हूं। मैं स्पिनरों के बहुत सारे वीडियो देखता हूं और उनसे सीखने की कोशिश करता हूं। मोंटी ने भारत में तेजी से गेंदबाजी की और स्पिन की मददगार पिच पर यह काफी मुश्किल भरा हो सकता है।' उन्होंने कहा, 'मैं शायद उसी तेजी से गेंदबाजी नहीं करूंगा। यह शायद इस बारे में अधिक है कि गेंद बल्लेबाज के पास कैसे पहुंचती है। ऐसे कई सफल गेंदबाज हैं जिन्होंने मोंटी जितनी तेजी से गेंदबाजी नहीं की थी।' श्रीलंका के हालिया दौरे पर 10 विकेट (दो टेस्ट) लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा, 'यह अपने मजबूत पक्ष के साथ बने रहने और यह जानने के बारे में है कि मेरे लिए सामान्य गति क्या होगी और उसमें थोड़ा कम-ज्यादा किया जा सकता है। हर किसी की एक सामान्य गति होती है।' भारत में दूसरे देशों के स्पिनरों के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण होती है लेकिन लीच इसके लिए तैयार है। उन्होंने कहा, 'जाहिर है कि वे शानदार टीम है और ऑस्ट्रेलिया में जबरदस्त जीत के साथ आए है। मुझे लगता है कि यह हम सब के लिए भारत में यहां सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ खुद को परखने का बेहतरीन मौका है, मैं पहली बार भारत आया हूं।' इस 29 साल के स्पिनर ने कहा, 'ऐसी जगहों पर आना, आपका सपना होता है। जाहिर है, यह शानदार मौका है, मैं इसका लुत्फ उठाना चाहूंगा।

opensearch

भारत ने गाबा टेस्ट जीता तो मैं भावुक हो गया: लक्ष्मण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने खुलासा करते हुए कहा है कि जब टीम इंडिया ने पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ब्रिस्बेन के गाबा मैदान में खेले गए चौथे और अंतिम टेस्ट में जीत हासिल कर सीरीज पर कब्जा जमाया तो वह काफी भावुक हो उठे और उनकी आंखों से आंसू आ गए थे। भारतीय टीम ने हाल ही में ऑस्ट्रेलिया को चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से हराकर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पर अपना कब्जा बरकरार रखा था। टीम इंडिया ने पहली बार गाबा मैदान में कोई टेस्ट जीत हासिल की थी जबकि ऑस्ट्रेलिया को 32 वर्षों में गाबा में किसी टीम के खिलाफ टेस्ट मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। लक्ष्मण ने स्पोर्ट्स टूडे से कहा, जब रिषभ पंत ने मैच विजयी चौका लगाया तो मैं काफी भावुक हो गया। मैं चौथे टेस्ट के अंतिम दिन का मैच अपने परिवार के साथ देख रहा था। जब पंत और वाशिंगटन सुंदर बल्लेबाजी कर रहे थे तो मुझे काफी चिंता हो रही थी क्योंकि जब आप खुद नहीं खेल रहे होते हैं तो आप खुद को नियंत्रित नहीं रख सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं चाहता था कि भारत ऑस्ट्रेलिया को हराकर सीरीज जीते। विशेषकर एडिलेड में जो हुआ और गाबा टेस्ट से पहले लोग कह रहे थे कि भारतीय खिलाड़ी ब्रिस्बेन जाने से डर रहे हैं जहां ऑस्ट्रेलिया लंबे समय से कोई मैच नहीं हारा है। ऐसे में यह जीत काफी महत्वपूर्ण थी। पूर्व बल्लेबाज ने कहा, मैं दो बार रोया हूं। पहले जब 2011 में भारत ने विश्वकप जीता क्योंकि मैं हमेशा से विश्वकप विजेता टीम का सदस्य होना चाहता था। 2011 विश्वकप विजेता टीम के कई खिलाड़ियों के साथ मैं लंबे समय तक खेला था और उन्होंने हमारे विश्वकप जीतने के सपने को साकार किया। लक्ष्मण ने कहा, मैं हमेशा ऑस्ट्रेलिया को उनके घर में मात देना चाहता था। लेकिन अपने क्रिकेट करियर में मैं ऐसा नहीं कर सका। मुझे गर्व है कि हमारे युवा खिलाड़ियों ने ऐसा करके दिखाया। जब टीम ने ऑस्ट्रेलिया को हराया तो मेरे आंख से आंसू आ गए थे। ना सिर्फ क्रिकेट बल्कि पूरे देश के लिए यह उपलब्धि कितनी प्रेरणा देने वाली है इसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है।

खिलाड़ियों को अर्जेंटीना में अनुभव मिला, इससे शीर्ष टीमों के खिलाफ मदद मिलेगी: मारिन

ब्यूनस आयर्स (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम के मजबूत अर्जेंटीना के खिलाफ दिखाये गये जुझारूपन से खुश राष्ट्रीय टीम के कोच सोर्ड मारिन ने कहा कि हाल में समाप्त हुए इस दौरे से खिलाड़ियों को यह समझने में मदद मिलेगी की शीर्ष टीमों को हराने के लिये उन्हें क्या करना है। भारतीय महिला टीम ने अर्जेंटीना की जूनियर टीम के खिलाफ दोनों मैच ड्रा कराये। इसके बाद अर्जेंटीना बी टीम से उसे दो मैचों में हार झेलनी पड़ी। विश्व में दूसरे नंबर की अर्जेंटीना की सीनियर टीम के खिलाफ दो मैच गंवाने के बाद उसने आखिरी मैच 1-1 से ड्रा कराया। कोरोना वायरस के कारण लंबे विश्राम के बाद टीम पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय दौरे पर गयी थी। भारतीय टीम बुधवार को स्वदेश लौटेगी। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार मारिन ने कहा, ''अर्जेंटीना की सीनियर महिला टीम के खिलाफ तीनों मैच बेहद करीबी रहे और इनका परिणाम किसी भी टीम के पक्ष में जा सकता था। यहां तक कि जिस मैच में हम 0-2 से हारे उसमें उनका (अर्जेंटीना) प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा लेकिन हमने भी बहुत अच्छा खेल दिखाया। '' उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर इस दौरे से हमें अर्जेंटीना जैसी शीर्ष टीम के खिलाफ खेलने का आत्मविश्वास मिला है। हमें यह सीखने का मौका मिला कि हमें अर्जेंटीना जैसी टीम को हराने के लिये क्या करना चाहिए और हमें एक मजबूत टीम के खिलाफ किन विभागों में सुधार करने की जरूरत है। '' भारत लौटने के बाद खिलाड़ी दो सप्ताह के विश्राम के बाद राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिये भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरू केंद्र में एकत्रित होंगे।

एफआईभीवी ने व्यावसायिक इकाई के रूप में वॉलीबॉल वर्ल्ड लॉन्च किया

लुसाने अंतर्राष्ट्रीय वॉलीबॉल महासंघ (एफआईभीवी) ने दुनिया भर में खेल के विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, सीवीसी कैपिटल पार्टनर्स के साथ मिलकर एक नई साझेदारी की शुरूआत की है। एफआईभीवी के अनुसार, वॉलीबॉल वर्ल्ड इस खेल के लिए दुनिया भर में वाणिज्यिक इकाई बन जाएगी, जिसका लक्ष्य ताजा निवेश के माध्यम से खेल की प्रोफाइल और लोकप्रियता बढ़ाना होगा। वॉलीबॉल वर्ल्ड प्रमुख वॉलीबॉल और बीच वॉलीबॉल अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के वाणिज्यिक संचालन के लिए जिम्मेदार होगा, जिसमें विश्व चौंपियनशिप, ओलंपिक क्वालीफायर और वॉलीबॉल नेशंस लीग शामिल हैं। वॉलीबॉल वर्ल्ड में बहुमत शेयरधारक के रूप में, एफआईभीवी खेल के लिए नई वाणिज्यिक दृष्टि की देखरेख करेगा तथा इसके माध्यम से सभी हितधारकों के हितों का प्रतिनिधित्व किया जा सकेगा। एफआईभीवी के अध्यक्ष एरी एस ग्रेस ने कहा, वॉलीबॉल वर्ल्ड हमारे खेल की वित्तीय वृद्धि को बढ़ावा देगा और पूरे खेल के लिए स्थायी विरासतों को वितरित करेगा। सीवीसी के साथ साझेदारी में हम वॉलीबॉल के भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे और मौजूदा चुनौतियों से मजबूत बन पाएंगे। वॉलीबॉल दुनिया भर में चौथा सबसे लोकप्रिय खेल है, जिसमें 80 करोड़ से अधिक प्रशंसक और उच्च भागीदारी है। इसके आकर्षक बाजारों में इटली, ब्राजील, जापान, पोलैंड, चीन और अमेरिका शामिल हैं। वॉलीबॉल 2016 रियो ओलंपिक खेलों में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला खेल था। विश्व स्तर पर 2.6 अरब दर्शकों ने यह खेल देखा था।

द्रविड़ ने मुझसे कहा था, नेट्स पर ज्यादा बल्लेबाजी मत करो: रहाणे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय कप्तान राहुल द्रविड़ ने आस्ट्रेलिया सीरीज से पहले अजिंक्य रहाणे को सलाह दी थी कि वह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नेट्स में ज्यादा बल्लेबाजी न करें और कप्तानी करते हुए भी खुद पर दबाव हावी न होने दें। रहाणे ने मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले के साथ बातचीत के दौरान इसका खुलासा किया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पहले टेस्ट में मिली आठ विकेट की हार के बाद कप्तान विराट कोहली पितृत्व अवकाश पर भारत लौट आए थे। इसके बाद सीरीज के बाकी तीन टेस्ट मैचों में रहाणे ने टीम की कमान संभाली थी।

रहाणे ने कहा, राहुल भाई ने मुझे सीरीज से पहले फोन किया था, जब हम दुबई से ऑस्ट्रेलिया जा रहे थे। उन्होंने मुझसे कहा, कोई भी दबाव न लेना, मैं जानता हूं कि तुम पहले टेस्ट के बाद कप्तानी कर रहे हो। किसी भी बात की चिंता मत करना। बस मानसिक रूप से मजबूत रहना। नेट्स में ज्यादा बल्लेबाजी मत करना, राहुल भाई से ऐसी सलाह (बल्लेबाजी का अभ्यास न करने) की आप उम्मीद नहीं करते।

रहाणे के टीम की कमान संभालने के बाद भारत ने दूसरे टेस्ट में आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। इसके बाद सिडनी में मैच ड्रॉ रहा था और ब्रिस्बेन में भारत ने तीन विकेट से ऐतिहासिक जीत के साथ सीरीज 2-1 से जीत ली।

रहाणे ने आगे कहा, राहुल भाई को बल्लेबाजी करना पसंद है, और वह खुद ऐसे थे कि मैंने यह गलती की। और उन्होंने मुझे कहा, नेट्स में ज्यादा बैटिंग मत करना, तुम्हारी तैयारी सही है, तुम अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हो। तो कोई दबाव मत लेना। बस इतना ही सोचो कि तुम टीम का नेतृत्व कैसे करोगे, खिलाड़ियों को तुम कैसे विश्वास दोगे। परिणाम की चिंता मत करना, यह खुद ही सही होंगे। द्रविड़ से हुई इस बातचीत ने मेरा काम और आसान कर दिया।

मैंने गमों से दोस्ती कर ली... संजय दत्त की बेटी त्रिशला ने बताया कैसे बॉयफ्रेंड की मौत के बाद खुद को संभाला

एक्टर संजय दत्त की बेटी त्रिशला दत्ता का कहना है कि उन्होंने जिंदगी के कठिन अनुभवों से बहुत कुछ सीखा है और बेहतर इंसान बनी हैं। इंस्टाग्राम पर Ask Me Anything सेशन के दौरान त्रिशला दत्त ने कहा कि वह अपनी जिंदगी के कठिन हालातों की सबसे ज्यादा कद्र करती हैं। त्रिशला ने कहा, हम सभी चाहते हैं कि हमारे जिंदगी में कोई गम नहीं आएंगे, जैसे

हादसे, बीमारी, नुकसान या फिर हिंसा। दुर्भाग्य से कुछ लोग ऐसे होते हैं, जो पूरी जिंदगी ही इस तरह के संकट से जूझते रहते हैं। लेकिन इसमें सिर्फ निराशा नहीं देखनी चाहिए। मुश्किल वक्त या दुख किसी व्यक्ति के लिए सीखने का अच्छा मौका भी हो सकता है। दुखों के बाद की आपकी ग्रोथ पूरी तरह से बदली हुई होती है। आप पहले के मुकाबले कहीं ज्यादा ताकतवर होकर उभरते हैं। त्रिशला ने कहा कि जिंदगी में संघर्षों ने उन्हें नई राह देने का काम किया है और वह नए अवतार में नजर आई हैं। त्रिशला ने कहा, व्यक्तिगत तौर पर बात करूं तो मुझे मुश्किल वक्त में वह राह मिली है, जो मैं सामान्य जिंदगी में नहीं पाती। संकट से उबरने के साथ ही ग्रोथ शुरू हुई और मैं आगे बढ़ सकी। इससे मुझे सही माहौल मिला और सही माइंडसेट तैयार हुआ है। जिंदगी में मुझे जो कष्ट हुए उन्हें मैंने अवसरों के तौर पर लिया और अपनी जिंदगी के अर्थ की तलाश में जुट गई।

इससे मैं पहले से बेहतर इंसान बनकर सामने आई। न्यूयॉर्क में फिजिकोथेरेपिस्ट त्रिशला दत्त ने कहा कि उन्होंने दर्द के साथ शांति से रहना सीख लिया। उन्होंने कहा कि मैंने जिंदगी में कठिनाइयों से बचने की बजाय उनसे दोस्ती करना सीख लिया। मेरा लक्ष्य कभी उन्हें खत्म करना नहीं रहा क्योंकि गम हमेशा रहेंगे। मेरा लक्ष्य हमेशा यह रहा है कि कैसे दुखों को मैनेज किया जाएगा और अब मैं ओके हूं। दरअसल 2019 में त्रिशला दत्ता ने अपने बॉयफ्रेंड को खो दिया था। अपने बॉयफ्रेंड की डेथ एनिवर्सरी के मौके पर त्रिशला दत्ता ने लिखा कि कम उम्र में ही अपनी मां को खोने के बाद मैं उसे खोने के लिए तैयार नहीं थी। त्रिशला दत्ता ने बताया कि कैसे थेरेपी, सपोर्ट ग्रुप्स और कुछ दोस्तों की वजह से वह भावनात्मक तौर पर मजबूत हुई हैं। त्रिशला दत्ता एक्टर संजय दत्त की पहली पत्नी रिचा शर्मा की बेटी हैं। संजय दत्त से उन्होंने 1987 में अमेरिका में ही शादी की थी, लेकिन दो साल बाद ही वह ब्रेन ट्यूमर का शिकार हो गई थीं। 10 दिसंबर 1996 को रिचा की मौत हो गई थी। रिचा शर्मा की मौत के बाद संजय दत्ता ने 1998 में रिया पिल्लई से शादी की थी। हालांकि यह शादी 2008 तक ही चली और फिर 2008 में ही उन्होंने मान्यता दत्ता से शादी कर ली थी।

प्रभास और सैफ अली खान स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' हुई 'आरंभ'

फिल्ममेकर ओम राउट की फिल्म 'आदिपुरुष' की शूटिंग शुरू हो चुकी है। सैफ अली खान और प्रभास ने इस फिल्म की शूटिंग का 'आरंभ' कर दिया है। इस खबर के बारे में प्रभास ने फैन्स को जानकारी दी। इंस्टाग्राम पर मंगलवार को उन्होंने फिल्म

का पोस्टर शेयर करते हुए 'आरंभ' लिखा। इसके साथ ही उन्होंने सैफ अली खान, ओम राउट, भूषण कुमार और टी सीरीज को टैग किया है। यह पीरियड ड्रामा फिल्म 11-08-2022 यानी 11 अगस्त 2022 को रिलीज होगी। फिल्म की रिलीज डेट सामने आने के बाद आदिपुरुष को लेकर फैन्स का उत्साह बढ़ गया है। फिल्म की कहानी की बात करें तो यह पौराणिक ग्रंथ रामायण पर आधारित है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रभास की फिल्म 'आदिपुरुष' के लिए कई बड़े सितारों को साइन किया गया है। फिल्म में प्रभास और सैफ अली खान तो कन्फर्म हैं, लेकिन अभी तक हिरोइन का नाम फाइनल नहीं हुआ है। खबरों की मानें तो फिल्म में एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश को सीता का रोल दिया गया है। चर्चा है कि प्रभास की फिल्म में अनुष्का शर्मा और कियारा आडवाणी भी अहम किरदार अदा करते हुए नजर आ सकती हैं। प्रभास की फिल्म आदिपुरुष एक मेगा बजट फिल्म है। फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत हैं। फिल्म के निर्माता भूषण कुमार हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का बजट 350 करोड़ से 400 करोड़ के बीच होगा। फिल्म को हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

किसान के बेटे ने इलाज के लिए सोनू सूद से लगाई मदद की गुहार, एक्टर ने दिया यह रिएक्शन

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद कोरोना काल में जरूररतमंदों की लगातार मदद कर रहे हैं। मदद की गुहार लगाने वालों की सोनू हर संभव सहायता करते हैं। अब एक शख्स ने ट्वीट कर सोनू सूद से अपने इलाज के लिए सहायता मांगी है। ऐसे में एक्टर ने तुरंत डॉक्टर से बातकर शख्स के पास दवाइंया भेजने की व्यवस्था कर दी। शख्स ने सोनू को टैग करते हुए ट्वीट किया, सर मेरा नाम विशाल है। मुझे ब्रेन ट्यूबरक्यूलोमा (टीबी) हो गया है। पापा किसान है और इतने पैसे नहीं है कि मैं अपना इलाज करा सकूं। प्लीज सर हेल्प कर दीजिए मेरे पास इलाज के लिए पैसे नहीं है प्लीज हेल्प कर दीजिए। इस ट्वीट पर रिप्लाई करते हुए सोनू सूद ने लिखा, डॉक्टर के अनुसार सर्जरी की जरूरत नहीं है, इसलिए आपको दवाइंया भेजी जा रही हैं जो आपको जल्दी स्वस्थ में मदद करेंगी। कुछ समय पहले सोनू सूद ने अपनी पुस्तक आई एम नो मसीहा के टाइटल को लेकर ट्रोल किए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। सोनू सूद ने कहा कि उन्होंने कभी सपने में भी खुद को मसीहा मानने की बात नहीं सोची थी। दरअसल अपनी पुस्तक में मसीहा शब्द का इस्तेमाल किए जाने को लेकर सोशल मीडिया पर एक वर्ग उन्हें ट्रोल कर रहा था। कोरोना काल में मजदूरों की मदद करने वाले सोनू सूद अब ऐसे लोगों की मदद में जुटे हैं, जिन्हें सर्जरी की जरूरत है या फिर जिन लोगों की कोरोना काल में नौकरी गई है। किताब को लेकर ट्रोल करने वाले लोगों को जवाब देते हुए सोनू सूद ने कहा, ये लोग पेड ट्रोल हैं। किताब को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। जहां तक मेरी ओर से खुद को मसीहा कहे जाने पर निंदा की बात है तो मैंने कभी सपने में भी खुद को मसीहा मानने की बात नहीं सोची थी। यहां तक कि मैं अपने फैन्स को भी मना करता हूं कि वे मेरे लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल न करें।

किम कार्दशियन

ने दिखाई वकेशन से बिकीनी वाली अपनी तस्वीर, फैन्स पूछ रहे हसबैंड कान्ये वेस्ट को लेकर सवाल

किम कार्दशियन इन दिनों अपने तलाक की खबरों को लेकर सुर्खियों में छाई हैं। इस बीच किम कार्दशियन की

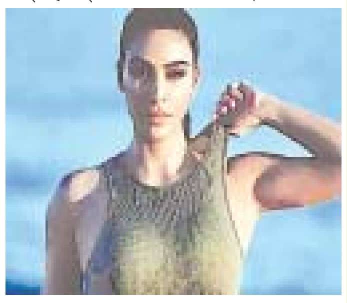

बिकीनी वाली एक तस्वीर सुर्खियां बटोर रही हैं। खबर है कि किम कार्दशियन और कान्ये वेस्ट के रिश्तों में दरार आ गई है और नौबत अब तलाक तक पहुंच चुकी है। कुछ सप्ताह पहले किम और कान्ये के बीच तलाक की खबरें सामने आई और अब लोग इससे जुड़े अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। इसी बीच किम ने कुछ ऐसी तस्वीर शेयर कर दी है, जिससे ऐसा लग रहा है कि दोनों के बीच चीजें अभी भी ठीक हैं। किम ने इंस्टाग्राम पर ब्राउन बिकीनी वाली तस्वीर शेयर की है और इसके साथ जो कैप्शन लिखा है उसपर लोगों की निगाहें टिक रही हैं। इस तस्वीर के साथ किम ने लिखा है- जस्ट चिलिंग। इस तस्वीर पर फैन्स लगातार कॉमेंट कर रहे हैं। फैन्स उम्मीद जताने लगे हैं कि क्या ये दोनों फिर साथ हो रहे हैं? हालांकि, कुछ फैन्स ने कहा है कि किम ने बताया है कि वह अब सिंगल हैं। लोगों ने उनके पहनावे पर भी कॉमेंट किया है। एक ने कहा है कि- वह अब भी ये पहन रही हैं, मुझे लगा था कि अब वह ट्रेंडी नहीं रह जाएंगी।

देवोलीना भट्टाचार्जी के बीच भयंकर लड़ाई देखने को मिली

देवोलीना ने अर्शी खान को दी गाली, किए अश्लील इशारे

'बिग बॉस 14' के लेटेस्ट एपिसोड में अर्शी खान और देवोलीना भट्टाचार्जी के बीच भयंकर लड़ाई देखने को मिली। दोनों न सिर्फ एक-दूसरे को थप्पड़ मारने की धमकी देती नजर आई बल्कि खूब गालियां भी दीं। यह देखकर सभी घरवाले हैरान रह गए। हद तो तब हो गई जब देवोलीना ने अर्शी को न सिर्फ खूब गालियां दीं बल्कि मिडिल फिंगर भी दिखाई। अली गोनी और राहुल वैद्य ने देवोलीना को खूब समझाया कि वह इस तरह गाली न दें और चिल करें, लेकिन बात ज्यादा बढ़ गई। मुद्दा किचन से शुरू हुआ। वहां अर्शी खान ने राखी सावंत से कहा कि अली और राहुल ने कहा है कि

राखी सावंत इस हफ्ते घर से बेघर हो जाएंगी। राखी ने जब यह बात उन दोनों से पूछी तो उन्होंने मना कर दिया। इस तरह अर्शी का झूठ पकड़ा गया। हालांकि वह खुद को सच्ची बताती रहीं। अर्शी का ऐसा रवैया देख देवोलीना को गुस्सा आ गया और उन्होंने कहा कि यह ऐसे ही घरवालों के बीच आग लगाती हैं। बस इसी स्टेटमेंट पर अर्शी, देवोलीना से भिड़ गईं और दोनों के बीच खूब लड़ाई हुई। देवोलीना ने बाद में अर्शी को जमकर गालियां दीं और मिडिल फिंगर भी दिखाई। वहीं अर्शी उन्हें बार-बार हद में रहने की हिदायत देती रहीं और कहा कि वह बहुत ही घटिया और बदतमीज औरत हैं। वह उन्हें थप्पड़ भी मार देंगी अगर इस तरह की हरकत की तो। घर में आए दिन इस तरह के वाकये और गाली-गलौज देख दर्शक भी हैरान हैं। 'बिग बॉस' हमेशा से ही सबसे विवादित रियलिटी शो रहा है। शो के कॉन्टेंट और घरवालों की हरकतों पर हमेशा ही सवाल उठते रहे हैं। कई बार तो ऐसा कॉन्टेंट दिखा दिया जाता है कि दर्शक भी आंखें बंद कर लें। ऐसे वाकये बिग बॉस के बीते कुछ सीजन में देखे जा चुके हैं, पर अब तो बात गंदी-गंदी गालियों और एक-दूसरे के खानदान और करियर तक पहुंच चुकी है। घरवाले एक-दूसरे की औकात दिखाने की बात करते हैं तो कभी ऐसी-ऐसी गालियां देते हैं कि मेकर्स को बीप करनी पड़ जाती हैं। पिछले सीजन की तरह इस सीजन में भी घरवालों ने कई बार हदें क्रॉस कीं और आपत्तिजनक शब्दों के साथ-साथ जमकर गालियां भी दीं, जिससे न सिर्फ दर्शकों को शो का स्तर गिरता नजर आ रहा है, बल्कि वो इसे घरवालों और बच्चों के साथ देखने वाला शो तक नहीं मानते। 'बिग बॉस 14' के पिछले सीजन में भी ऐसे-ऐसे टास्क करवाए गए और दर्शकों को भी शर्म आ गई। एक टास्क में घरवालों को खाने की चीजें मुंह से ट्रांसफर करनी थीं और उस पर खूब ट्रोलिंग हुई थी। इसी तरह ठथ्थ् यानी 'ठमक थ्तपमदक थ्वतमअमत' की थीम की भी खूब आलोचना की गई थी। बीते कुछ एपिसोड में तो राखी सावंत की हरकतों ने भी दर्शकों को नाराज कर दिया। कभी वह अभिनव के लिए अपनी पूरी बॉडी पर लिपस्टिक से 'आई लव अभिनव' लिखकर घर में घूमती दिखीं तो कभी उनसे अपने प्यार का इजहार करती दिखीं।

कश्मीरा शाह ने मोनोकिनी पहन फैन्स का बढ़ाया तापमान

opensearch

कॉमेडियन कृष्णा अभिषेक की पत्नी कश्मीरा शाह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। जबसे उन्होंने अपना वजन घटाया है, तभी से फैन्स

संग बोल्ड और ग्लैमरस वीडियोज शेयर कर रही हैं। कभी बिकिनी में तो कभी स्विमिंग पूल में नहाते हुए के फोटोशूट करा रही हैं। हाल ही में कश्मीरा शाह ने ग्रे मोनोकिनी में अपना बोल्ड शूट कराया, जिसका एक वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया। कश्मीरा शाह के इस बोल्ड शूट को देखकर फैन्स का तापमान बढ़ रहा है। कश्मीरा एक कुर्सी पर बैठी नजर आ रही हैं। ग्रे मोनोकिनी के साथ उन्होंने ब्लैक सैटिन शर्ट पहनी हुई है। इसके साथ उन्होंने ब्लैक हाई हील्स कैरी की हैं। वीडियो शेयर करते हुए कश्मीरा शाह ने लिखा, अगर आप मुझे पसंद नहीं करते हैं तो मेरे हर मूव को न देखें। मुझे नए हेटर्स चाहिए, क्योंकि पुराने हेटर्स मेरे फैन बन चुके हैं। बता दें कि कश्मीरा शाह इस बार 'बिग बॉस 14' की कंटेस्टेंट बनकर घर में एंट्री करने वाली हैं। कश्मीरा भी ट्रॉफी जीतने की रेस में अब शामिल हो चुकी हैं। ऐसे में उनके फैन्स काफी एक्साइटेड हैं। इसके अलावा कश्मीरा शाह ने ट्रांसफॉर्मेशन के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने कहा था कि उन्होंने अपनी बॉडी को फिट रखने के लिए काफी मेहनत की है। कश्मीरा ने ई टाइम्स से बात करते हुए कहा, जब मैं एक बार यूएस में कृष्णा के साथ शॉपिंग कर रही थी, तब मैंने देखा कि मैं स्मॉल और मीडियम साइज में फिट नहीं हो रही।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया ने शेयर की अंडर गारमेंट्स में अपनी तस्वीर

आलिया ने फिल्मों में एंट्री भले न की हो, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप इस वक्त सुर्खियों में छाई हैं। वजह है आलिया कश्यप की स्टनिंग तस्वीर जो उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर डाली है। आलिया कश्यप की इस तस्वीर ने सोशल मीडिया पर धमाका कर दिया है। आलिया ने फिल्मों में एंट्री भले न की हो, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। आलिया ने जो लेटेस्ट तस्वीर शेयर की है, उसमें वह अपना अंडर गारमेंट्स दिखाती नजर आ रही हैं। आलिया की इस तस्वीर ने इंटरनेट पर तहलका मचा रखा है। आलिया की इस तस्वीर पर उन्हें खूब जमकर कॉमेंट मिल रहे हैं। जहां कई लोगों ने उन्हें खूबसूरत बताया है, वहीं कुछ ने कहा है कि वह बॉलिवुड के लिए रेडी हैं। वहीं एक ने लिखा है- आप एक इंडियन महिला हैं और इस तरह से दिखाना शोभा नहीं देता मैडम। हालांकि, बता दें कि आलिया की यह ऐसी पहली तस्वीर नहीं है। इससे पहले भी वह लॉन्जरी में अपनी तस्वीरें पोस्ट कर चुकी हैं। अपने बोल्ड अंदाज को लेकर आलिया कश्यप अक्सर ही सुर्खियों में छाई रहती हैं। आलिया की बॉलिवुड में कई स्टार किड्स से काफी अच्छी दोस्ती है। जान्हवी कपूर

की छोटी बहन खुशी से वह काफी क्लोज हैं। बता दें कि आलिया कश्यप अनुराग कश्यप और उनकी पहली पत्नी आरती बजाज की बेटी हैं। अनुराग और आरती का तलाक साल 2009 में हो गया था। आलिया के बॉलिवुड में आने के सवाल पर अनुराग ने पिछले दिनों के इंटरव्यू में कहा था कि वह यंग हैं और अपना फैसला खुद ले सकती हैं। हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि आलिया को भी इंडस्ट्री में आने के लिए संघर्ष करना होगा।

संजय दत्त को फाइटर मानते हैं चंद्रप्रकाश द्विवेदी

बॉलीवुड निर्देशक चंद्रप्रकाश द्विवेदी माचो मैन संजय दत्त को फाइटर मानते हैं और उन्होंने यह दिखाया कि वह किसी भी परिस्थिति से हार मानने वाले नहीं हैं। यशराज फिल्म्स के बैनर तले बन रही फिल्म 'पृथ्वीराज' राजा 'पृथ्वीराज चौहान' की जिंदगी और उनकी वीरता पर आधारित है। अक्षय कुमार फिल्म के टाइटल रोल में हैं। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने उनकी प्रेमिका संयोगिता की भूमिका निभाई है। फिल्म में संजय दत्त का पांच दिनों का काम अभी बाकी ही था। संजय दत्त ने अपना काम अब पांच दिन के एक शेड्यूल में खत्म कर लिया है। शूटिंग के बाद फिल्म 'पृथ्वीराज' के निर्देशक चंद्रप्रकाश ने बताया कि इस फिल्म को पूरा करने के लिए हमें संजय दत्त के साथ बेहद कम हिस्से की शूटिंग करनी थी और हमने इसे पांच दिन के शेड्यूल में पूरा कर लिया। 'पृथ्वीराज' में संजय ने दिलो जान से काम किया है।संजय बेहद प्रोफेशनल एक्टर हैं और इस फिल्म में उनकी मौजूदगी से हमें बेहद खुशी है। उनकी सेहत को लेकर हम सभी काफी चिंतित थे लेकिन संजय एक फाइटर हैं और उन्होंने दिखाया कि वह किसी भी परिस्थिति से हार मानने वाले नहीं हैं।÷ चंद्र प्रकाश द्विवेदी ने कहा,÷ कोरोनो वायरस और उनकी सेहत को देखते हुए, हमने स्वास्थ्य से जुड़ी सभी सावधानियों का हर संभव तरीके से पालन किया ताकि फिल्म के सेट को उनके लिए पूरी तरह सुरक्षित बनाया जा सके। वाईआरएफ ने कोरोनोवायरस महामारी के दौर में अपनी बड़ी बजट की सभी फिल्मों की शूटिंग को जारी रखी है और सुरक्षा के लिए उन्होंने बेहद कारगर सिस्टम तैयार किया है।

आमिर खान लग रहे हैं जेंटलमैन, 'कोई जाने न' के सेट से लीक हुई अनदेखी फोटोज

बॉलीवुड इंडस्ट्री के मिस्टर पर्फेक्शनिस्ट आमिर खान फैन्स को हर बार सरप्राइज देते हैं। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ है। लास्ट फिल्म के फ्लॉप होने के बाद फैन्स आमिर खान को दोबारा सिल्वर स्क्रीन पर देखना मिस कर रहे थे, वह भी जबरदस्त परफॉर्मेंस के साथ। एक ओर जहां आमिर खान ने अपने अगले प्रोजेक्ट को लेकर अनाउंसमेंट की, वहीं दूसरी ओर 'कोई जाने न' में वह कैमियो रोल करते नजर आएंगे। आमिर खान के दोस्त आमिन हाजी इंडस्ट्री में डायरेक्टोरिल डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में आमिर का स्पेशल रोल देखने को मिलेगा। लीड रोल में एक्टर कुणाल कपूर हैं। इस फिल्म का निर्देशन भूषण कुमार संभाल रहे हैं और यह एक थ्रिलर मूवी है। आमिर खान इस फिल्म में एली अवराम संग स्पेशल गाने पर डांस करते नजर आने वाले

हैं। आमिर के लुक की फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। या यूं कहिए कि आमिर की फोटोज सेट से लीक हुई हैं। मालूम हो कि आमिर खान ने फिल्म सरफरोश, 3 ईडियट्स, तारे जमीन पर और दंगल में काबिले-तारीफ परफॉर्मेंस दी थी। फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि इस फिल्म में भी वह शानदार परफॉर्मेंस दें। हालांकि, आमिर का इसमें कैमियो रोल है, फिर भी फैन्स की उम्मीद पर आमिर कितने खरे उतर पाते हैं, यह तो वक्त ही बताएगा। गौरतलब है कि आमिर खान अपनी अगली फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' की शूटिंग में भी व्यस्त हैं। पिंकविला ने अपनी रिपोर्ट में एक सोर्स के आधार पर बताया है कि आमिर खान ने अपना मोबाइल ऑफ कर दिया है। आमिर का मानना है कि उन्हें मोबाइल की लत लग गई है और इससे उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ पर असर पड़ रहा है। इसलिए उन्होंने मोबाइल बंद कर अपने काम पर ध्यान देने और खाली समय में अपने परिवार के साथ टाइम स्पेंड करने का फैसला किया है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com